हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

19 मार्च, 1985

खण्ड–1 अंक 8

अधिकृत विवरण

विशय–सूची

मंगलवार, 19 मार्च, 1985

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(1)1
नियम 45 के अधीन सदन के पटल पर रखे गये तारांकित प्र नो के लिखित उत्तर	(8)36

विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(8)46
वाक आउट	(8)53
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव– विलेज पालडी और राजपुर, पी0 एस0 फरुखनगर, जिला गुडगांव पर एक गैंग द्वारा अटैक किये जाने सम्बन्धी	(8)53
वक्तव्य– मुख्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी	(8)54
अध्यक्ष द्वारा घोशणा– पंजाव युनिवसिर्टी सैनिट के लिए चुनाव स्थगित करने संबंधी	(8)56

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 19 मार्च, 1985

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 09:30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Repairs of Roads

***852. Sh. Kitab Singh.** Will the Miniser for Public Works be pleased to state-

(a) whether it is a fact that (i) Gohana Sisana Road (ii) Bhanswal Giwana Link Road and (iii) mahra Rewara Road, damaged due to floods are still lying unrepaired; if so, the time by which these roads are likely to be repaired; and

(b) whether any expenditure has been incurred on the roads referred to in part (a) above during the period from 1st June, 1983 to 1st December, 1984; if so, the details thereof?

Public Works Minister (Sh. Amar Singh):

(a) Of the there roads, only two roads viz. Gohana Sisana Road and Mahara Reware Road were damaged during 1983 floods and both the roads stand repaired.

(b) An expenditure of Rs. 1,13,277/- and Rs. 10,000/- respectively was incurred on the roads referred to in part(a) above during the period from 1-6-1983 to 1-12-1984.

श्री किताब सिंहः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी की नालेज में यह बात है कि भैंसवाला से गिवाना तक जो सडक टूट गई थी, उसकी मुरम्मत हो चुकी है? दूसरे मैं यह जानना चाहता हूं कि सडको पर जो गडड्े पड जाते हैं, वे कितने गहरे होने के बाद मैंटेनैंस के लिए माने जाते है।?

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, भैंसवाला से गिवाना तक की सडक बाढ के दौरान क्षतिग्रस्त नही हुई थी। फिर भी मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि इस सडक पर 1.6.84 से लेकर 31.12.84 तक 28 हजार रुपए खर्च किए गए है। इस समय यह सडक बिल्कुल ठीक है।

चौधरी धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, इन्होने सवाल के (बी) भाग के उत्तर में बताया है कि महरा–रिवाडासडक पर 10 हजार रुपए खर्च किए गए हैं। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इस पैसे से कितने किलोमीटर सडक पक्की की गई है और इस सडक पर कौन सा वर्क किया गया है?

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, जैसे मैंने बताया है भैंसवाल–गिवाना सडक फ्लड से क्षतिग्रस्त नही हुई है, यह सडक ठीक है। उसके पैच वर्क के लिए 28 हजार रुपये खर्च किए गए हैं। आठवें फाईनैंस कमी ान के अनुसार 24,000 रुपये पर

किलोमीटर सडक की मुरम्मत के लिए खर्च करना चाहिए जबकि हम 6,000 रुपये पर किलोमीटर सडको की मुरम्मत पर खर्च करके उन्हे हम ठीक रख रहे है। मैं अपने साथी विधायक को बताना चाहूंगा कि हमारे सूबे की सडकें दूसरे सूबो से बहुत अच्छी है।

डा0 भीम सिंह दहिया: स्पीकर साहब, जो रोड गोहाना से सिसाना होते हुए दिल्ली जाती है, यह बहुत घटिया रोड है और दूसरे इस पर जींद तक की भी गाडियां चलती हैं जिस कारण इस रोड पर बहुत र ा रहता है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या इस रोड को गोहाना से दिल्ली तक स्टेट हाई–वे बनाने की कोई योजना है? क्योंकि अभी तक यह सडक एक लेन की ही सडक है और बहुत घटिया है।

श्री अमर सिंह: इस सडक पर 1.6.83 से 31.12.84 तक एक लाख सैंतीस हजार रुपये खर्च किए गए हैं। अब इस सडक को 10 फूट की चौडाई की बजाये 12 फूट चौडाई की बनाने की योजना है। अब तक इस पर 6 महीने के दौरान कुल मिलाकर 4 लाख 41 हजार रुपये के करीब खर्च हो चुके हैं। इस सडक पर 1 लाख 13 हजार 277 रुपये बाढ से जितनी सडक क्षतिग्रस्त हुई है, उस पर खर्च किया गया है। दूसरे इस सडक की मैन्टेनैंस पर 73 हजार रुपये खर्च कि गए है। इसके अलावा इस सडक की वाइंडिंग एण्ड स्ट्रैथनिंग पर 2 लाख 55 हजार रुपये खर्च किए गए है। इस प्रकार इस सडक पर कुल मिलाकर 4 लाख 41 हजार रुपये खर्च हो चुके है।

श्री किताब सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से इन्हे बताना चाहूंगा कि यह सडक बिल्कुल ठीक नही हुई। क्या ये इस बात की इन्कवायरी करवाने के लिए तैयार है कि यह सडक ठीक है या नही?

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, यह सडक ठीक है। मैं आनरेबल मैम्बर्ज से बताना चाहूंगा कि जो सडक ठीक की गई है उसकी लम्बाई 6.85 किलोमीटर है।

श्री अध्यक्षः ये तो कह रहे हैं कि यह सडक बिल्कुल नही बनी। इनका कहना यह है कि क्या आप इस बात की इन्कवायरी करवाने के लिए तैयार है कि सडक बनी है या नही?

श्री अमर सिंहः सर, यह सडक बिल्कुल ठीक है। इसलिए इन्कवायरी करवाने का सवाल पैदा नही होता।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, क्या मंत्री जी बताएंगे कि हरियाणा के अंदर डैमेज्ड रोड्ज़ कितने लम्बे हैं?

श्री अध्यक्षः यह सवाल किसी पार्टिकुलर सडक के बारे में है। आम सडको के बारे में नही है। आप बैठ जाएं।

Rurual Inustries in Kiloi Constituency

***836. Sh. Hari Chand Hooda:** Will the Minister for Industries be pleased to state-

(a) the villages-wise names of rural and other industries existing ar present in Kiloi Constituency; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to set-up small scale or large scale industries in each village of Kiloi Constituency?

उधोग मंत्री (श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया):

(क) वांछित सूचना सदन के पटल पर (अनुबन्ध 'ए') प्रस्तुत है।

(ख) नही

अनुबन्ध 'ए'

किलोई चुनाव क्षेत्र में ग्रामीण तथा अन्य उद्योगो की सूची

क.	इकाई का नाम	गांव	आईटमज्	रिमार्क
1	मै0 हरियाणा ब्यूटी	बोहर	ब्रा	आर0 आई0 एस0
2	मैं0 केवल उद्योग संस्थान	आसन	गुड	''
3	मै0 हरियाणा नाईलोन निवार	बोहर	नाईलोन निवार	''
4	मैं0 रामा वेपस	मकडोली	नोट बुक	''

	कर्नवटिंग इण्डस्ट्रीज़	कलां		
5	मैं0 अजीत एण्ड सन्स	घरोंठी	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
6	मै0 राणा पेपर इंडस्ट्रीज़	अस्थल बोहर	नोट बुक	''
7	मै0 सुबे राम इंडस्ट्रीज	खिडवाली	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
8	मै0 सत इंजिनियरिंग वर्कस	धामड़	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	एस0 एस0 आई0
9	मै0 जगन साबुन उद्योग	सुखपुरा	सोप	आर0 आई0 एस0
10	मैं हरियाणा मैटल एण्ड स्टील उद्योग	गढी बोहर	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
11	मै0 धामड आयल मिल	कन्साला	आयल	''
12	मै0 न्यू भारत स्टील वर्कस	गढी बोहर	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
13	मै0 जुगतीराम ई वर सिंह	कन्साला	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''

14	मै0 इंटरने ानल ब्यूटी ब्रा	मकरौली	ब्रा	''
15	मै0 प्रताप सिंह विजय पाल एग्रीकल्चर वर्कस	रुडकी	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
16	मै0 भगवती एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	सुखपुरा	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	एस0 एस0 आई0
17	मै पंचाल ग्राम उद्योग	टिटोली	''	आर0 आई0 एस0
18	मै जसवन्त सिंह धर्म सिंह	बखेता	आयल	''
19	मै सुरिन्द्र स्टील इंडस्ट्रीज	धामड	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
20	मै0 सुनीता इंजिनियरिंग वर्कस	धामड	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
21	मै0 खेडा वूडन वर्कस	धामड	वूडन आईटम	''
22	मै जगदी ा प्रसाद फलोर मिल	कलोई	आटा	''
23	मै0 आर0 एस0	कन्साला	एग्रीकल्चर	''

	एग्रीकल्चर इम्पलीमैंटस		इम्पलीमैन्टस	
24	मै0 इन्द्र आईस एण्ड कोल्ड स्टोरेज़	सुखपुरा	आईस	एस0 एस0 आई0
25	मै ए0 आर सर्जीकल इंडस्ट्रीज	बोहर	पट्टी	आर0 आई0 एस0
26	मै0 आर्या इंडस्ट्रीज	भालोट	आयल	''
27	मै0 एस नाथ इंडस्ट्रीज़	मुंगांन	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
28	मै0 वि वकर्मा इंडस्ट्रीज़	बोहर	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
29	मै0 भगत बाण उद्योग	खिडवाली	बाण	''
30	मै0 जिले बाण फैक्ट्री	''	बाण	''
31	मैं सोपी राम बाण	खिडवाली	बाण	आर0 आई एस0
32	मै0 चरण बाण	खिडवाली	बाण	''
33	मै0 रुप भाू	मकडोली	भाू	''
34	मै0 गजे भाू कम्पनी	धामड	भाू	''
35	मै0 राजबीर बास्केट	धामड	बास्केट	''

36	मै0 बलवान बास्केट	धामड	बास्केट	''
37	मै0 दयानन्द टोकरी उद्योग	धामड	बास्केट	''
38	मै0 रिछपाल बाण उद्योग	मकडोली	बाण	''
39	मै0 उमेद कारपैनटरी	कलोई	वुडल आईटम	''
40	मै0 कृश्णा इंडस्ट्रीज़	जसिया	आयल	''
41	मै0 रामा इंडस्ट्रीज़	जसिया	गुड	''
42	मै0 चांद राम भाू इंडस्ट्रीज़	खिडवाली	भाू	''
43	मै0 भगवान भाू इंडस्ट्रीज़	खिडवाली	भाू	''
44	मै0 भाले राम कारपैन्टरी वर्क्स	खिडवाली	वुडन आईटम	''
45	मै0 रामधारी सुपुत्र नेकीराम	खिडवाली	''	''
46	मै0 बलबीर भाू फैक्ट्री	धामड	भाू	''
48	मै0 राम सिंह हैंडलूम	धामड	हैण्डलूम	''

47	मै0 परमा हैंडलूम इंडस्ट्रीज़	धामड	हैण्डलूम	''
49	मै0 हवा सिंह जनरल इंडस्ट्रीज़	धामड	फलोर मिल	''
50	मै0 सुल्तान बीबर	कलोई	हैण्डलूम	''
51	मै0 सुनीता इंजिनियरिंग वर्क्स	आसन	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
52	मै0 राज फर्नीचर्स	कन्साला	वुडन फर्नीचर्स	''
53	मै0 पवन सोप फैक्ट्री	टिटोली	सोप	''
54	मै0 सतपाल बाण वर्क्स	कलोई	बाण	''
55	मै0 रतन हैण्डलूम	धामड	हैण्डलूम	''
56	मै0 हुकम हैण्डलूम	धामड	हैण्डलूम	''
57	मै0 प्रवे ा इंजिनियरिंग वकर्स	आसन	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
58	मै0 छतर सिंह भू इंडस्ट्रीज़	धामड	भू	''
59	मै0 भले राम वास्केट	धामड	बास्केट	''

	इंडस्ट्रीज़			
60	मै0 हवा सिंह वास्केट	कलोई	बास्केट	''
61	मै0 कन्हैया हैण्डलूम	धामड	हैण्डलूम	''
62	मै0 ने ानल एग्रो कास्टिंग इंडस्ट्रीज़	गढी बोहर	कास्टिंग	''
63	मै0 बलवन्त वास्केट वकर्स	धामड	बास्केट	''
64	मै0 श्री ि ाव फूड इंडस्ट्रीज़	कलोई	राईस	''
65	मै0 माया हैण्डलूम	कटवाडा	हैण्डलूम	''
66	मै0 ई वर हैण्डलूम	कटवाडा	हैण्डलूम	''
67	मै0 फ्रेन्डस सर्जीकल	बोहर	पट्टी	''
68	मै0 इन्द्र इंजिनियरिंग वकर्स	कलोई	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
69	मै0 रुप हैण्डलूम	कटवाडा	हैण्डलूम	''
70	मै0 वि वकर्मा वुड वकर्स	टिटोली	वुडन आईटम	''

71	मै0 राज स्टील इंडस्ट्रीज़	बोहर	कास्टिंग	''
72	मै0 धलवान थ्रेड वाल कारपोरे ान	बोहर	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
73	मै0 हरियाणा थ्रेड वाल कारपोरे ान	बोहर	थ्रेड वाल	''
74	मै0 चावला बिस्कुट फैक्ट्री	सुन्दरपुर	बिस्कुट	''
75	मै0 देवी उद्योग	लाडोथ	आयल	''
76	मै0 कृश्णा कारपेन्टर	सांघी	वुडन आईटम	''
77	मै0 राजपाल इनजीनियरिंग वकर्स	सांघी	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
78	मै0 ई वर भाूज फैक्ट्री	सांघी	भाूज	''
79	मै0 हरी राम भाू उद्योग	बसंतपुर	भाूज	''
80	मै0 माया राम जूती उद्योग	बसंतपुर	भाूज	''
81	मै0 कमला का ाीदकारी वकर्स	हुमायूंपुर	का ाीदाकारी	''

82	मै0 पूरन कारपेन्टरी	हुमायूंपुर	वुडन आईटम	''
83	मै0 ि ाव वुड वकर्स	कलोई	वुडन आईटम	''
84	मै0 महिन्द्र कारपेन्टरी वकर्स	कलोई	वुडन आईटम	''
85	मै0 अ ाोका इन्जीनियरिंग वर्क्स	मुंगीन	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
86	मै0 रतन भाू इंडस्ट्रीज़	कलोई	भाूज	''
87	मै0 चन्द्र टायर पैन्चर	भालोट	पैन्चर	''
88	मै0 परासर इंडस्ट्रीज़	ब्राहमणवास	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
89	मै0 गुरु रविदास भाू इंडस्ट्रीज़	कलोई	भाूज	''
90	मै0 जनता हैण्डलूम इंडस्ट्रीज़	कलोई	हैण्डलूम	''
91	मै0 भीम फलोर एण्ड जनरल मिल	भालोट	आटा	''
92	मै0 प्रका ा बाण फैक्ट्री	भालोट	बाण	''

93	मै0 मिनाक्षी हैण्डीक्राफ्ट	बोहर	हैण्डीक्राफ्ट	''
94	मै0 गयासम पोटर वर्क्स	भालोट	पोटरज	''
95	मै0 रती राम पोटरज	भालोट	पोटरज	''
96	मै0 रामफल अर्थन वेयर	भालोट	पोटरज	आर0 आई0 एस0
97	मै0 सतबीर अर्थन वेयर	भालोट	पोटरज	''
98	मै0 सत नारायण अर्थन वेयर	भालोट	पोटरज	''
99	मै0 सुप्रीम सर्जीकल	बोहर	पट्टी	''
100	मै0 भयाम इंडस्ट्रीज	कटवाडा	हैण्डलूम	''
101	मै0 चन्द्र हैण्डलूम	कटवाडा	हैण्डलूम	''
102	मै0 हनूमान बजरंग बली खादी उद्योग	सांघी	हैण्डलूम	''
103	मै0 महमियां दाल मिल	सुन्दरपुर	दाल	''
104	मै0 होि ायार सिंह अर्थन वेयर	भालोट	पोटरज	''
105	मै0 दिलबाग अर्थन वेयर	भालोट	पोटरज	''

106	मै0 मुख्तयार अर्थन वेयर	भालोट	पोटरज	''
107	मै0 परसा पोटरज	भालोट	पोटरज	''
108	मै0 बिरसा पोटरज	चमारिया	पोटरज	''
109	मै0 पूरन पोटरज	चमारिया	पोटरज	''
110	मै0 ई वर अर्थन वेयर	चमारिया	पोटरज	''
111	मै0 रिसाल देसी भाूज	चमारिया	भाू	''
112	मै0 हुड्डा का ीदकारी	जसिया	का ीदकारी	''
113	मै0 दया इंजिनियरिंग वर्क्स	मकडोली	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
114	मै0 नफे सिंह इंजिनियरिंग वर्क्स	मकडोली	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
115	मै0 नारायण बास्केट	मकडोली	बास्केट	''
116	मै0 बिरखा बास्केट	मकडोली	बास्केट	''
117	मै0 फूला वूडन वर्क्स	मकडोली	वुडन आईटम	''
118	मै0 रोहिला गारमैंटस	कलोई	गारमैंटस	''
119	मै0 निवास वुडवर्क्स	टिटोली	वूडन आईटम	आर0 आई0

				एम0
120	मै0 रामफल फलोर मिल्ज	टिटोली	आटा	''
121	मै0 फोमपट रेडियोज	भालोट	रिपेयर	''
122	मै0 ओम साईकिल	कन्साला	रिपेयर	''
123	मै0 सुरे ा इंजीनियर वर्क्स	अस्थल बोहर	रिपेयर	''
124	मै0 राम का ीदकारी	कन्साला	का ीदकारी	''
125	मै0 रहेजा साईकिल वर्क्स	कन्साला	रिपेयर	''
126	मै0 गंगा एग्रीकल्चर वकर्स	कन्साला	एग्रीकल्चर इम्पलीमैन्टस	''
127	मै0 रामा भू मेकर	कन्साला	जूते	''
128	मै0 बलदेवा पोटरज	कन्साला	पोटरज	''
129	मै0 भाोरा पोटरज	कन्साला	पोटरज	''
130	मै0 दरिया पोटरज	कन्साला	पोटरज	''
131	मै0 जगत पोटरत	कन्साला	पोटरज	''

132	मै0 मेहर पोटरज	कन्साला	पोटरज	''
133	मै0 सुरिन्द्रा पोटरज	कन्साला	पोटरज	''
134	मै0 स्वास्तिक प्लास्टिक इंडस्ट्रीज	सुन्दरपूर	पोलोथीन बैगज़	''
135	मै0 सिक्का बैल्डिंग वर्क्स	सांघी	कृशि औजार	''
136	मै0 सत ब्लैक स्मिथी	कन्साला	कृशि औजार	''
137	मै0 जय ब्लैक स्मिथी	कन्साला	कृशि औजार	''
138	मै0 कुन्दन कारपैन्टरी	कन्साला	लकडी आईटम	''
139	मै0 रतिया कारपैन्टरी	कन्साला	लकडी आईटम	''
140	मै0 कि ाोर इंडस्ट्रीज	बोहरस्टील	फर्नीचर	''
141	मै0 राम कि ान इंजीनियरिंग वर्क्स	किलाई	कृशि औजार	आर0 आई0 एस0
142	मै0 श्री भगवान वैल्डिंग वर्क्स	ब्राहमण वास	कृशि औजार	''
143	मै0 करतार सिंह आयरन वर्क्स	बसन्तपुर	कृशि औजार	''

144	मै0 सत नारायण कारपैन्टर	बसन्तपुर	वूडन आईटम	''
145	मै0 एक्स सर्विस मैन एन्टरप्राईजिज़	अस्थल बोहर	स्टील फर्नीचर	''
146	मै0 बलवान हैण्डलूम	कटवाडा	हैण्डलूम	''
147	मै0 हवा सिंह इंडस्ट्रीज़	टिटोली	कृशि औजार	''
148	मै0 राम सिंह सा मिल	टिटोली	वूडन आईटम	''
149	मै0 तारा चन्द्र भाूज	खडवाली	भाूज	''
150	मै0 धर्म पाल बास्केट	थामड	बास्केट	''
151	मै0 महिन्द्रा हैण्डलूम	बोहर	हैण्डलूम	''
152	मै0 कपूर एमब्राइडरी	बोहर	एमब्राइडरी	''
153	मै0 पवार इलैक्ट्रीकल	बोहर	रिपेयर	''
154	मै0 बनवारा वैल्डिंग वर्क्स	सांघी	कृशि औजार	''
155	मै0 हरियाणा ड्रिंक प्रा0 लि0	अस्थल बोहर	साफ्ट ड्रिंक	एस0 एस0 आई0
156	मै0 जगमन्दर	मकडोली	स्टील फैवरकेटरज़	आर0 आई0

	फैबरीकेटर्स			एस0
157	मै0 राठी इलैक्ट्रिक वर्क्स	सांघी	रिपेयर	''
158	मै0 वम्र इंडस्ट्रीज़	सांघी	आटा	''
159	मै0 स्वास्तिक आयल मिल	बोहर	तेल	''
160	मै0वि वकर्मा वैल्डिंग वर्क्स	किलाई	कृशि औजार	आर0 आई0 एम0
161	मै0 जनता एग्रो सर्विस केन्द्र	किलोई	कृशि औजार	''
162	मै0 अ ाोका टायर वर्क्स	भालोट	रिपेयर/पैन्चर	''
163	मै0 औम मूडा मेकिंग इंडस्ट्रीज़	टिटोली	मूडा	''
164	मै0 रोहतक दाल एण्ड फलोर मिल	सुन्दरपूर	दाल	''
165	मै0 भाान्ति फलोर मिल	बसन्तपूर	आटा	''
166	मै0 राज टेलर्ज	बोहर	रेडीमेड गारमैन्टस	''

167	मै0 राम कि ान हैण्डलूम	किलोई	हैण्डलूम	''
168	मै0 करन हैण्डलूम	किलोई	हैण्डलूम	''
169	मै0 बागडी हैण्डलूम	किलोई	हैण्डलूम	''
170	मै0 जय नारायण ब्लैकस्मिथी	सांघी	कृशि औजार	''
171	मै0 राजे ा इंडस्टरी कारपोरे ान	अस्थल बोहर	स्टील फर्नीचर	ग्रा0 उ0 यो0
172	मै0 ओम इंडसटरीज़	मकरौली	बार्बड वायर	''
173	मै0 जसपाल स्टील उद्योग	अस्थल बोहर	स्टील फर्नीचर	''
174	मै0 महमियां राईस एण्ड जनरल मिल	सुन्दरपूर	चावल	''
175	मै0 हरियाणा कोप0 डेरी डेवलैपमैंट फैडरे ान प्लांट गोहाना रोड	गोहाना रोड रोहतक	दूध और घी	मध्यम स्केल इंडस्टरीज़
176	मै0 हैफेड कैटल फीड	सुखपुरा	प ुचारा	''
177	मै0 हरियाणा पोलीस्टील	गोहाना	एलाय स्टील	लघु उद्योग

	इंडस्टरीज	रोड		
178	मै0 लक्खी बान फैक्टरी	सांघी	बान	ग्रा0 उ0 यो0
179	मै0 आर0 के0 फ्लोर मिल	गोहाना रोड सुखपूरा	आटा	''
180	मै0 डायमैण्ड वूलन मिल	सुखपुरा	वुलन आईटम	लघु उद्योग
181	मै0 चावला सोप फैक्टरी	सुखपुरा	साबुन	लघु उद्योग
182	मै0 एस0 डी0 एन्टरप्राईजिज़	चमारिया	लीफ स्परिंग	ग्रा0 उ0यो0
183	मै0 जयकरण सुपुत्र नाकेराम	चिडी	जुती	''
184	मै0 प्रेम चन्द्र सपुत्र कुन्दन लाल	चिडी	जुती	''
185	मै0 भयोकरण सुपुत्र बख ान	चिडी	जुती	''
186	मै0 कमपन सुपुत्र बख ान	चिडी	हुक्का	''
187	मै0 जगत एग्रो	चिडी	कृशि औजार	''

	इंडस्टरीज			
188	मै0 जगदी ा एग्री0 इम्पलीमैंट वर्क्स	गरवठी	कृशि औजार	''
189	मै0 सतनारायण वूडन वर्क्स	बसन्तपूरा	वुडन आईटम	''
190	मै0 भारत हैण्डलूम	घडौठी	हैण्डलूम	''
191	मै0 बालाजी कैमिकल सोप	जसिया	साबुन	''
192	मै0 नन्दरुप भाू वर्क्स	हुंमायुपूर	जूते	''
193	मै0 सुनील इंजीनिरिंग वर्क्स	आसन	कृशि औजार	''
194	मै0 सतनामी एम्ब्राइडरी	चिडी	एम्ब्रायडरी	''
195	मै0 रन सिंह कारपैंटरी वर्क्स	कन्साला	वुडन आईटम	''
196	मै0 किताब केन क र्रि	चिडी	गुड	''
197	मै0 श्री महे वरी गुड खांडसारी	चिडी	गुड	''

198	मै0 बनी लैदर गुड्स	चिडी	जूते	''
199	मै0 जय नारायण रैडीमेड गारमैंटस	घरोठी	रैडिमेड गारमैंटस	''
200	मै0 जगदी ा विलैज पोटर	टिटोली	पोटर	''
201	मै0 विनय जनरल इंडस्टरीज	टिटोली	एग्री0 इम्पलीमैंटस	''
202	मै0 इन्द्र एग्रो काफ्ट	टिटोली	एग्री0 इम्पलीमैंटस	''
203	मै0 रती राम वुडन वर्क्स	टिटोली	वुडन आईटम	''
204	मै0 राधु फर्मज टूल्ज़	टिटोली	हैंड टूल्ज़	''
205	मै0 बजे सिंह भाूज	टिटोली	जूते	''
206	मै0 मेहर एग्री टूल्ज़	टिटोली	कृशि औजार	''
207	मै0 भारत इंजीनियरिंग वर्क्स	टिटोली	कृशि औजार	''
208	मै0 सतबीर हैण्डलूम	घरोठी	हैण्डलूम	''
209	मै0 प्रका ा इंजीनियरिंग वर्क्स	लाडोत	एग्री0 इम्पलीमैंटस	''

210	मै0 महिन्द्र टेलर्ज़	चिडी	रेडीमेड गारमैंटस	''
211	मै0 जाले एग्री टूल्ज़	टिटोली	कृशि औजार	''
212	मै0 दीप इंडस्टरीज़	लाडोत	एग्री0 इम्पलीमैंटस	''
213	मै0 राम निवास वुड वर्क्स	सुंगान	वुडन आईटम	''
214	मै0 हीरा वूलन गारमैंटस	सुखपूरा	गारमैंटस	एस एस आई
215	मै0 हकीकत राय बी0 ओ0	भालोट	ब्रिकस	''
216	मै0 राज सिंह रतन सिंह	रुडकी	ब्रैकस	''
217	मै0 यूनाईटिड गुड एण्ड खांडसारी उद्योग	टिटोली	गुड	आर आई एस
218	मै0 अमीन रैडिमेड गारमैंटस	चिडी	गारमैंटस	''
219	मै0 महावीर फ्लोर मिल	घरौठी	आटा	''
220	मै0 राम मेहर केन कै ार	टिटोली	गुड	''
221	मै0 रामचन्द्र केन	टिटोली	गुड	''

	कै ार			
222	मै0 हवा सिंह कुन्डु केन कै ार	टिटोली	गुड	''
223	मै0 राज कुन्डु उद्योग	टिटोली	गुड	''
224	मै0 राम धन बी0 के0 ओ0	टिटोली	ब्रिक्स	एस एस आई
225	मै0 ईमान का ीदकारी	टिटोली	का ीदकारी	आर आई एस
226	मै0 दया नंद केन कै ार	टिटोली	गुड	''
227	मै0 ओम प्रका ा केन कै ार	चिडी	गुड	''
228	मै0 महेनद्रा केन कै ार	चिडी	गुड	''
229	मै0 वि वकर्मा फनीचर हाउस	घरौठी	स्टील फर्नीचर	''
230	मै0 संत राम फ्लोर मिल	चिडी	आटा	''
231	मै0 सैनी का ीदकारी	टिटोली	का ीदकारी	''
232	मै0 मुरारी फलोर मिल	चिडी	आटा	''

233	मै0 जंगरा कारपैंटरी	चिडी	वुडन आईटम	आर0 आई0 एस0
234	मै0 जंगा वुडन फर्नीचर	चिडी	वुडन आईटम	''
235	मै0 विजय का ाीदकारी	चिडी	का ाीदकारी	''
236	मै0 औम इंडस्ट्रीज़	घरौठी	आटा	''
237	मै0 औम ब्लैक स्मिथी	जीन्दरान	एग्री0 इम्पलीमैंटस	''
238	मै0 धर्मपाल केन कै ार	नान्दल	गुड	''
239	मै0 घसी राम केन कै ार	चिडी	गुड	''
240	मै0 महिन्द्रा केन कै ार	नान्दल	गुड	''
241	मै0 उजाला केन कै ार	नान्दल	गुड	''
242	मै0 थम्बू पोटरज	चिडी	पोटरज	''
243	मै0 किदारा अर्थन पोटरज	चिडी	पोटरज	''
244	मै0 रामधारी पोटरज	घरौठी	पोटरज	''
245	मै0 निहालु कारपैंटरी	नान्दल	वुडन आईटम	''

246	मै0 परस राम कारपैंटरी	घरोटी	वुडन आईटम	''
247	मै0 राजेन्द्रा टूल्ज	नान्दल	एग्री0 इम्पलीमैंटस	''
248	मै0 भगत एग्रो टूल्ज़	नान्दल	एग्री0 इम्पलीमैंटस	''
249	मै0 धर्मा ब्लैक स्मिथी	चिडी	एग्री0 इम्पलीमैंटस	''
250	मै0 रजिन्द्रा मूढा इंडसटरीज़	टिटोली	मूढा	''
251	मै0 लक्ष्मी भाूज़	टिटोली	भाू	''
252	मै0 रामकली का ाीदकारी	चिडी	का ाीदकारी	''
253	मै0 राज मूढा इंडस्टरीज़	घरौठी	मूढा	''
254	मै0 राजबाला का ाीदकारी	टिटोली	का ाीदकारी	''
255	मै0 न्यू हरियाणा का ाीदकारी	टिटोली	का ाीदकारी	''
256	मै0 एम0 बी0 प्लास्टिक	बोहर	प्लास्टिक बोतल	''
257	मै0 प्रभु आटा चक्की	सांघी	आटा	''
258	मै0 धारा बाण	सांघी	बाण	आर0 आई0

				एस0
259	मै0 सरुप बाण इंडस्टरी	सांघी	बाण	''
260	मै0 रिसाल भाूज़	सांघी	भाूज़	''
261	मै0 देहाती का ीदकारी	टिटोली	का ीदकारी	''
262	मै0 रुरल नीटिंग सैन्टर	टटोली	निटींग	''
263	मै0 हरियाणा का ीदकारी सैंटर	सुन्दरपुर	का ीदकारी	''
264	मै0 भारत का ीदकारी	सुन्दरपुर	का ीदकारी	''
265	मै0 रंगा टैंलर्ज़	टटोली	गारमैंटस	''
266	मै0 भयाम रिपेयर वर्क्स भाापॅ	सुन्दरपुर	रिपेयर	''
267	मै0 देवी राम भाूज़	घरौटी	भाूज़	''
268	मै0 जुगती लैदर गुडस	चिडी	भाूज़	''
269	मै0 गोकल भाूज	चिडी	भाूज़	''
270	मै0 रामदिया भाूज	चिडी	भाूज़	''
271	मै0 प्रेम सा मिल	चिडी	वूडन आईटम	''

272	मै0 हरि सिंह बलैक स्मिथी	चिडी	एग्री0 इम्पलीमैंटस	''
273	मै0 बलदेवा भाूज	चिडी	भाूज़	''
274	मै0 देवी वूडन वर्क्स	चिडी	वूडन आईटम	''
275	मै0 बलवान हैण्डटूल्ज़	चिडी	हैण्ड टूल्ज़	''
276	मै0 रतन भाूज़	चिडी	भाूज़	''
277	मै0 धर्म सिंह भाूज	चिडी	भाूज़	''
278	मै0 एस0 कुमार0 टेलर्ज	भालोट	गारमैंटस	''
279	मै0 राम सिंह ाूज	चिडी	भाूज़	''
280	मै0 गोवर्धन भाूज	चिडी	भाूज़	''
281	मै0वजीर भाूज	चिडी	भाूज़	''
282	मै0 मंगत भाूज	चिडी	भाूज़	''
283	मै0 जेले लैदर गुडज्	चिडी	भाूज़	''
284	मै0 रामा का ीदकारी	कन्साला	का ीदकारी	''
285	मै0 भुजा साईकल रिपेयर वर्क्स	कन्साला	रिपेयर	''

286	मै0 रामा भूज	कन्साला	भूज़	''
287	मै0 धर्मा पोटरज	चिडी	पोटर	''
288	मै0 धर्म पाल का ीदकारी	चिडी	का ीदकारी	''
289	मै0 चन्द्र ब्लैक स्मिथी	चिडी	एग्री0 इम्पलीमैंटस	''
290	मै0 रघु भूज़	चिडी	भूज़	''
291	मै0 रथवीर कारपैंटर	चिडी	वूडन आईटम	''
292	मै0 दीप भूज	चिडी	भूज़	''
293	मै0 हवा सिंह भूज	घरोठी	भूज़	''
294	मै0 फतेह भूज	घरोठी	भूज़	''
295	मै0 प्यारे का ीदकारी	चिडी	का ीदकारी	''

श्री हरि चन्द हुडडा: स्पीकर साहब, इन्होने हाउस की टेबल पर करीब 300 इंडस्टरीज़ की लिस्ट रखी है। मैंने गावों में जा कर देखा है वहां कोई भी इंडस्टरी नही लगी हुई है। (विघ्न्)

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया: स्पीकर साहब, जो लिस्ट 295 इंडस्टरीज की दी गई है, ये सब की सब चालू है। इनका

सवाल भी यही था कि किलोई कांस्टीच्युऐंसी में कितनी इंडस्टरीज़ है। उस के उत्तर में मैने 295 की लिस्ट सदन की टेबल पर रखी है।

श्री विरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इन्होने हाउस की टेबल पर 295 इंडस्टरीज़ की लिस्ट रखी है। मै इनसे जानना चाहूंगा कि इनमें से कितनी इंडस्टरीज़ चालू है और कितनी बंद पडी है और वे कब से बंद पडी है?

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडियाः स्पीकर साहब, ये सारी की सारी इंडस्टरीज़ चालू है। इसके अलावा, मैं इन्हे यह भी बताना चाहूंगी कि इंडस्टरीज़ विभाग सर्वे कर रहा है कि कुल इंडस्टरीज़ में से कितनी इंडस्टरीज़ चल रही हैं और कितनी बंद पडी है। वैसे तकरीबन 7 प्रति ात के आसपास इंडस्टरीज़ आज के दिन बंद है। हरियाणा के अंदर बहुत ज्यादा इंडस्टरीज़ हैं। यदि इन इंडस्टरीज़ में से 7 प्रति ात बंद हो तो कोई वि ोश बात नही।

श्री विरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इनमें से एक भी इंडस्टरी चालू नही है और बहन जी कह रही है कि सारी की सारी चालू है। हम हर बार कहते है कि सवालो का जवाब गलत आ रहा है। यह फैक्ट है कि आज के दिन कोई सिंगल इंडस्टरी भी नही चल रही। जब हम कहते है कि जवाब ठीक नही है तो हमसे कहा जाता है कि सबूत दो। स्पीकर साहब, बे ाक हाउस की एक

कमेटी बैठा दी जाए। वह कमेटी इस बात की जांच कर लेगी कि आया ये इंडस्टरीज़ चालू है या नही। स्पीकर साहब, हमारा सवाल पर ऐलीगे ान है कि आज के दिन इन 295 इंडस्टरीज में से एक भी चालू नही है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्यों की बडी कद्र करता हूं। इनका यह कहना कि इन 295 इंडस्टरीज़ में से एक भी चालू नही है, कितनी गलत और बे–बुनियाद बात है। यह तो हो सकता है कि इन इंडस्टरीज में से 15–20 इंडस्टरी नही चलती हों। जैसा की बताया गया है कि आज के दिन औसतन 7 प्रति ात इंडस्टरी बंद हैं। यह बात भी सही हो सकती है कि जो 15–20 इंडस्टरीज़ बंद हो, वह भी इस 7 प्रति ात में आती हो। स्पीकर साहब, बकायदा चालू इंडस्टरीज़ की लिस्ट दी गई है। यदि ये चाहे तो हम इनके नाम इनको पढकर सुना देते है। (विघ्न्) आप गांवो में तो कभी जाते नही। (विघ्न्) आप गावों में जा कर देखेंगे तो पता लग जाएगा कि ये इंडस्टरीज़ चलती भी है या नही। (विघ्न्) अध्यक्ष महोदय, मै सदन में बताना चाहता हूं कि पिछले पांच सालों में 19 हजार के करीब देहातो में इंडस्टरीज़ लगी है और 51 हजार लोगो को देहातो में रोजगार मिला है। सदन में ये जो कुछ कह रहे है, यह बिल्कुल बेसलैस है। जो बात हर रिकार्ड के बेसिज़ पर कहते हैं, उसको कहते है कि यह ठीक नही है और जो ये बात कहते है, उसको ठीक कहते हैं, यह कैसे हो सकता है? आप मुझे यह बतायें कि

साहब, फलां गावं में बिल्कुल इंडस्टरी नही है। हम इसकी इन्कवायरी कर लेंगे और आपको बता देंगे कि क्यों नही है (व्यवधान)

श्री हरि चन्द हुडडा: स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब कह रहे है कि देहातो में इंडस्टरी लगी हुई है और हम कहते है कि नही लगी है। यह कहना कि मैं गावों में नही जाता, गलत बात है। मैं कह रहा हूं कि मैने तीसरा इलैक ान गावों से लडा है और अब चौथा भी लडूंगा। (व्यवधान) स्पीकर साहब, मैंने खुद गांव में नायलून की इंडस्टरी लगवाई है और यह नायलून की इंडस्टरी फेल पडी है। मैंने खुद चैकिंग की है, किसी गांव में कोई इंडस्टरी नही लगी है और जो लगी थी, वह उठ गई है या बन्द पडी है।

श्री अध्यक्ष: मंत्री जी ने खुद माना है कि 7 प्रसैंट बन्द पडी है। इसका मतलब है कि 295 मे से 21 इंडस्टरी बन्द हो सकती है। अगर इससे ज्यादा बन्द है तो आप बात कर सकते है।(व्यवधान)

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, 295 में से पौने तीन सौ इंडस्टरीज़ चल रही है। अध्यक्ष महोदय, इनकी तसल्ली के लिए एक बात कहूंगा कि अगले भानिवार और इतवार को सै ान नही है, छुटटी है। भानिवार के दिन डिस्ट्रिक्ट इंडस्टरीज़ आफिसर इनके साथ जिला रोहतक चला जाएगा। जिन जिन गावों में ये

जाना चाहते है, उनके साथ जा सकते है और देख सकते है कि वाकई गावों में इंडस्टरीज़ हैं या नही। फिर सोमवार को आकर हमें बता दें कि क्या पोजी ान है।

श्री हरि चन्द हुडडा: ठीक है जी।

श्री फतेह चन्द विज: स्पीकर साहब, रुरल इंडस्टरीज़ स्कीम के तहत सारी स्टेट को मदद देते हैं लेकिन सरकार ने जितनी मदद दी है, उससे जो इंडस्टरीज़ खुली थी, वे सब देहातों मे बंद पडी है। ये कहते है कि चल रही है, इसलिए क्या हाउस की एक कमेटी बना कर सारी स्टेट का सर्वे करवायेंगे कि कितनी इंडस्टरीज़ चल रही है और कितनी बंद पडी है।

श्री अध्यक्ष: इसका जवाब तो इन्होने दे दिया है।

श्री फतेह चन्द विज: स्पीकर साहब, जो जवाब इन्होने तैयार करके भेजा है इस में इस बात का कोई जिक्र नही है। स्पीकर साहब, इंडस्टरीज़ के जो छोटे छोटे यूनिटस् है, ये मार्किट में बडी इंडस्टरीज़ का मुकाबला नही कर सकते। उनका जो माल बनता है वह आगे बिकता नही है, इसलिए ये इंडस्टरीज़ बन्द पडी है। यह कहना कि 295 इंडस्टरीज़ में से 275 इंडस्टरीज़ चल रही है, गलत बात है। टोटल इंडस्टरीज़ बन्द पडी हैं।

श्री अध्यक्ष: मैं आपको आफर देता हूं कि आप भी हुडडा् साहब के साथ चले जाएं और देख आएं।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदया ने बताया कि 7 प्रसैंट इंडस्टरीज़ बंद पडी है। क्या अपने कभी यह सर्वे किया है कि इनके बन्द होने के मुख्य कारण क्या हैं?

श्री विरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरा सुझाव है कि हुड्डा साहब रोहतक इंडस्ट्रीज़ देखने के लिए जाएंगे इसलिए, इस सवाल को डैफर कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः इसको डैफर करने का कोई सवाल नही है। अगर कोई ऐसी बात होगी तो बाद में सोच लेंगे।

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडियाः स्पीकर साहब, आर्य साहब ने सवाल पूछा था कि क्या कोई सर्वे करवाया है या नही। मैं इन्हे कहना चाहूंगी कि 7 प्रसैंट इंडस्ट्रीज़ बन्द पडी है। 7 प्रसैंट की जो फिगर दी है, यह सर्वे करने के बाद ही दी है। जहां तक इन 7 प्रसैंट के बंद होने का सवाल है, इसके कई कारण हो सकते है। एक तो पार्टनरि ाप में लडाई हो सकती है, और पार्टनरि ाप में कोई व्यक्ति काम न करना चाहता हो। दूसरे किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत स्थिती ऐसी हो सकती है जो काम न चला पाता हो, ऐसे ही कई कारण हो सकते है। हां यह बात जरुर है कि हम किसी का लोन माफ नही करते।

श्री ए0 सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, जितनी भी रुरल इंडस्ट्रीज़ लगी हुई है, मेनली उन में से बन्द पडी है। इसकी दो वजह है। सबसे बडी वजह यह है कि इनको बिजली नही मिलती

और उस इंडस्ट्रीज़ के जो मुलाजिम है, वे बिजली न होने के कारण बिना काम के बैठे रहते हैं छोटी इंडस्ट्रीज़ वाले जिन के पास पैसा कम होता है वे इस बात को अफोर्ड नही कर सकते कि प्रोडक ान हो न और तन्खाह देते रहें। क्योंकि मंत्री महोदया रुरल इंडस्ट्रीज़ को एन्करेजमेंट देने के लिए पर्याप्त बिजली सप्लाई करने के लिए सरकार द्वारा मेहरबानी करवाएंगी?

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया: स्पीकर साहब, यह सम्भव हो सकता है कि किसी ने बिजली न मिलने के कारण अपना यूनिट बन्द कर दिया हो, लेकिन हमने रुरल इंडस्ट्रीज को बिजली का कनैक ान देने में टापॅ प्रायोरैटी दे रखी है और उसकी डयूटी में भी छूट दे रखी है।

श्री ए0 सी0 चौधरी: स्पीकर साहब, मेरी अपनी इंडस्ट्री है, मुझे लगाए हुए चार साल हो गये है। एक रुरल एरिया में लगी हुई है। लगी हुई म ीनरी के मुताबिक उस में प्रोडक ान 50 लाख होनी चाहिए थी, लेकिन 50 हजार की भी प्राडक ान नही हुई। इसका कारण है कि जो रुरल फीडर है, उसको सिर्फ 5 घंटे आल्टरनेटिव दिन में बिजली सप्लाई होती है। कोई भी इंडस्ट्रीलिस्ट, जिसने दो चार लाख रुपया इंडस्ट्री पर लगा रखा हो, उसे कमाईन हो और उस पर उल्टा खर्चा पड रहा हो तो वह इतना खर्च बर्दा त नही कर सकता, परिणामस्वरुप उसको इंडस्ट्री बन्द करनी पडती है।

श्री अध्यक्षः इसका जवाब तो सुरलेवाला जी देंगे।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, जहां तक मुझे याद है कि श्री ए0 सी0 चौधरी साहब की इंडस्ट्री का कनैक ान नान–पेमैंट आफ बिल की वजह से कटा हुआ है। (विघ्न्) अध्यक्ष महोदय, इन्होने कहा कि कारखाने में पैदावार नही होती। जब कनैक ान कटा हुआ हो तो पैदावार कहां से होगी?

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडियाः स्पीकर साहब, चौधरी साहब एम0 एल0 ए0 हैं। भाायद इनकी इंडस्ट्री में प्रोडक ान इसलिए भी नही हो पाई होगी क्योंकि ये अपनी फैक्ट्री को पूरा समय न दे पायें हो।

श्री ए0 सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, जिस यूनिट के बारे में मैंने इन से बात की थी वह यूनिट दूसरा है, उसकी बिजली काट दी गई थी। (विघ्न्) स्पीकर साहब, इंडस्ट्रीज के मेरे दो और यूनिट्स है, एक रुरल एरिया में है और दूसरा अर्बन एरिया में है। इसका मतलब यह नही है कि मंत्री जी इवेसिव–वे में जवाब दें और हाउस को मिसगाईड करें। मैने तो एक फैक्ट्री का एक बिल छोड कर भोश बिजली के बिल की पेमैंट कर दी है लेकिन मै इनसे जानना चाहता हूं कि क्या सभी डिफाल्टर्ज़ के साथ इसी तरह सख्ती से पे ा आते है? स्पीकर साहब, हमारे नोटिस में तो यह बात है कि बिजली महकमे के कर्मचारी पैसे लेकर बिजली

सप्लाई करते है। स्पीकर साहब, मेरे जैसे ला–अबाइंडिंग आदमी का तो बिजली का कनैक ान कट जाता है, लेकिन जो बडे बडे डिफाल्टर है उनका कनैक ान नही काटते। स्पीकर साहब, मैंने इनसे कान्फिडैन ाली एक पर्सनल बात की थी। इन्हे इस हाउस में नही करना चाहिए था। स्पीकर साहब, जिस इंडस्ट्री का ये जिक कर रहे है, उस में लेबर प्रोब्लम थी। वहां 7 महीने से स्टाफ इंडस्ट्री के अन्दर नही जा सका। मैं भी उनसे मिल न सका। इसलिए बिजली के बिल की पमैंट नही हो सकी थी। मैं यह बात उनकी नालेज में लाया था। अगर मैं कोई पर्सनल कान्फिडैन ाली बात इनसे करता हूं तो इसका मतलब यह नही है कि ये उसका मजाक इस तरह उडाएं। इनको ऐसा नही करना चाहिए था। ऐसा करके इन्होने मेरा अपमान किया है।

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मैं ने कोई मजाक नही किया है और न ही अपमान किया है। चूंकि इन्होने खुद प्रोडक ान के बारे में जिक किया था, इसलिए मैंने इसका जवाब देना जरुरी समझा। इन्होने कहा था कि बिजली न होने की वजह से मेरी फैक्टरी में नुकसान है। अगर ये पर्सनल बात न करते तो मैं इस बात का जिक न करता। जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि कर्मचारी पैसे लेकर बिजली सप्लाई करते है, इस बात की इन्होने कभी कोई ि ाकायत नही की है। ये इस बात की ि ाकायत कर सकते थे। अगर ये ि ाकायत करते और मैं एक ान न लेता तो फिर ये इस तरह की बात कर सकते थे।

श्रीमी चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, इन्होने डाबरी वाले का कनैक ान क्यों नही काटा?

श्री अध्यक्षः यह बिजली के कनैक ान का सवाल नही है, आप बैठ जाइए।

डा0 औम प्रका ा भार्माः स्पीकर साहब, जगाधरी टाऊन भारतवर्श में स्टील के बर्तन बनाने में बडी भारी भाोहरत रखता है। वहां पर बर्तन बनाने वाले 80 परसैंट यूनिट बंद पडे है। क्या यह बात उनके नोटिस में है, अगर है तो क्या इनको बिजली देने की कृपा करेंगे?

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडियाः स्पीकर साहब, यह क्वै चन केवल किलोई कांस्टिच्यूएी का था। आप का सैपरेट क्वै चन है। फिर भी मैं आज ही स्थिती की जांच करवा दूंगी कि किस वजह से ये फैक्ट्री बन्द पडी है।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, कुछ युनिट्स इसलिए फेल हो जाते है क्योंकि मार्किट में कंपिटि ान तगडा होने के कारण उनका सामान नही बिकता। मैं मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि क्या कोई ऐसी नीति है जिसके तहत इन यूनिट्स द्वारा बनाए हुए माल को सरकार ले ले?

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडियाः जी हां। 28 आईटमस ऐसी है सरकार ने निधार्रित कर रखी है जिन्हे निगम या विभागो को अनिवार्यतः इन औद्योगिक इकाइयों से खरीदना पडता है।

श्री मंगल सेनः स्पीकर साहब, मुझ से पहले दो आदरणीय सदस्यों ने प्र न पूछे और बहन जी ने कहा कि 295 यूनिटस लगे हुए है तथा मुख्य मंत्री जी ने कहा कि वे हुडडा साहब के साथ डिसिट्रक्ट इंडस्ट्रीज़ आफिसर को भेज देंगे और आपने विज साहब का नाम भी साथ जोड दिया, यह कह कर कि वे पानीपत के इलाके में जा सकते है। लेकिन मैं आपके द्वारा इनसे कुछ क्लैरिफिके ान लेना चाहूंगा। स्पीकर साहब, इन्होने कहा कि 295 इंडस्ट्रीज़ किलाई इलाके में लगी हुई है लेकिन खुद ही इन्होने यह भी कह दिया कि 7 प्रसैंट इंडस्ट्रीज़ सारे हरियाणा मं बन्द है। यह बात ये जरा स्पश्ट करें। फिर इन्होने 28 आईटमज की बात कही है। इन्होने कहा कि विभागो और निगमो को इन आईटमज को लेना लाजमी किया गया है। मै आपके द्वारा इनसे यह जानना चाहता हूं कि क्या इनकी इंस्ट्रक ान की पालना हो रही है या नही? अगर नही तो क्या ये डिफाल्टर्ज़ के विरुद्ध ऐक ान लेगें? क्या इनकी नालेज में यह बात भी है कि रुरल इंडस्ट्रीज़ वालो ने क रिप्रैजैन्टे ान दिया है कि साहब, क्या करें, हम जो माल तैयार करते है, वह बिकता नही तथा उसे बेचने का उचि प्रबन्ध किया जाए? अध्यक्ष महोदय, मै चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जी इन बातों का विस्तार से जवाब दें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य गहराई में नही जाते। ये गहराई में गए बगैर ही ऐसी बात कह देते है। अध्यक्ष महोदय, पिछले 6 सालो में 19 हजार के करीब

औद्योगिक इकाईयां देहातो में लगी है और 18 करोड रुपया बकायदा लोन के रुप में उन लोगों को दिलाया गया है। 11 करोड के करीब का माल रुरल इंडस्ट्रीज़ का स्माल स्केल इंडस्ट्रीज़ कार्पोरे ान के माध्यम से सरकार ने बिकवाया है। इनको, अध्यक्ष महोदय, यह भी पता होना चाहिए कि देहात के अन्दर छोटे उद्योग वाले जो माल बनाते है, वह यदि बिकता नही है तो उस लेकर रख लिया जाता है और उसकी कीमत का 80 परसैंट एडवांस उन्हे दे देते है। बाकी का 20 परसैंट पैसा माल बिकने पर दिया जाता है। हुडडा साहब के इलाके में 3 करोड 60 लाख रुपये का लोन दिलाया गया है। तकरीबन 4 करोड रुपये का माल वहां बना है जो बिक गया है।

Non-availability of Nationalized Text Books

***954. Ch. Kundan Lal:** Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) whether it is a fact that Nationalized Text Books were not available to the students last year at the time of admission; if so, the reasons thereof; and

(b) the steps, if any, taken by the Government to supply such text books to the students as referred to in part (a) above at the time of admission during 1985?

Minister of State for Education (Sh. Jagdish Nehra):

(a) No. All school text books except two for primary classes were available at the time of admission last year.

(b) Yes, several administrative steps have been taken to ensure timely supply of nationalized text books in sufficient number at the time of admission during 1985-86.

चौधरी कुन्दन लालः स्पीकर साहब, पिछले साल बहुत लेट किताबें छप कर आई थी और वे सब ब्लैक मार्किट में बिकी जिन को हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज़ के बच्चे खरीद नही सके। इस वजह से रिजल्ट भी पिछले साल काफी खराब रहा। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि इस बारे में जिन अधिकारियों ने गलती की है उनके खिलाफ इंक्वायरी करके क्या उन्हे सजा दी जाएगी और भविश्य में ऐसा न हो इसके लिए कोई प्रबन्ध किया जाएग?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, तीसरी और चौथी कक्षा की अध्यन्न प्रवे ाका ये दो किताबे समय पर नही छप सकी थी। जहां तक रिजल्ट की बात है, क्लास 3 तक तो नो डिटै न पालिसी लागू है। इसलिए तीसरी क्लास तक तो रिजल्ट पर कोई फर्क नही पडता। चौथी क्लास के रिजल्ट पर जरुर इसका असर पडेगा। लेकिन स्पीकर साहब, अर्ज यह है कि जिसके यहां से ये किताबें छपवाई गई थी उसने इनको लेट छापा था। इसलिए उसके खिलाफ कार्यवाही की जा रही है।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मंत्री जी ने खुद माना कि तीसरी ओर चौथी की पुस्तके समय से नही आई और इसकी वजह से चौथी क्लास के रिजल्टपर असर पडा। क्या ि ाक्षा मंत्री जी यह बताऐंगे कि जो बच्चे सरकार की गलती से फेल हुए है, क्या उन्हे पास करने में कोई रियायत दी जाएगी?

Mr. Speaker: This is no question.

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, सरकार की गलती से वे फेल हुए है। जब किताबें ही नही होगी तो वे क्या पढेंगे?

Mr. Speaker: Please sit down.

डा0 भीमसिंह दहिया: स्पीकर साहब, इनसे सवाल यह पूछा गया था कि भविश्य में इस बात के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ताकि बच्चों को किताबें वक्त पर मिल जाए। जवाब यह आया है कि कई कदम उठाए है। आप खुद ही सोंचे, क्या यह जवाब ठीक है? इन्होने कौन से कदम उठाए है क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे?

श्री जगदी ा नेहरा: स्पीकर साहब, मै आपके जरिए हाउस को यह बताना चाहता हूं कि इस बार किसी किताब की मार्किट में कमी नही रहेगी। सभी किताबें वक्त पर मार्किट में आ जाएंगी। इसके लिए हमने जो कदम उठाए है वे इस प्रकार है–

(1) Printing orders were given in advance this year.

(2) Number of copies of each book in printing order were enhanced as compared to those of last year inter-alia to avoid hoarding and black-marketing.

(3) A high powered committee headed by Chief Minister has been constituted to review and streamline the working regarding the supply of paper and power.

(4) A monitoring committee headed by State Education Minister has been formed to review the working regarding preparation of manuscript and printing system.

चौधरी कुलबी सिंह मलिकः क्या मंत्री जी बताएंगे कि पिछले साल जिन किताबों की डैफिि ाएंसी रही थी वह कितनी देर रही? क्या वह सारे साल रही या केवल एक दो महीने ही रही? दूसरी बात अध्यक्ष महोदय यह है कि दुकानदार बडी ब्लैक मार्किटिंग करते है। वे किताब को जिल्द लगा लेते है और सजिल्द किताब दो रुपये महंगी देते है। क्या वे ऐसा कर सकते है?

Mr. Speaker: It is a good question.

श्री जगदी नेहराः अध्यक्ष महोदय, पिछले साल सारी किताबे बदली गई थी। कुल 13 टाईटल थे। जैसा मैने पहले अर्ज किया केवल दो किताबें, एक तीसरी की और एक चौथी की लेट आई। तीसरी की किताब 8—1—85 को आई और चौथी की किताब 29—1—85 को आई। जहां तक इस बात का सम्बन्ध है कि दुकानदार सजिल्द किताब धक्के से देते है, यह ि ाकायत हमें

आई थी। इस बार हम यह इंस्ट्रक ान जारी कर देंगे कि जो व्यक्ति सजिल्द किताब लेना चाहे उसे वैसे किताब मिल जाए और जो बिना जिल्द लेना चाहे उस बिना जिल्द के किताब मिल जाए।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने कहा कि पिछले साल चूंकि इन्होने सिलेबस बदल दिया था, किताबे बदल दी थी, इसलिए किताबें छपने में देरी हो गई मैं इनसे यह जानना चाहूंगा कि सिलेबस कब कब बदलते है, क्यों बदलते है और उसके बदलने का मापदंड क्या है?

श्री अध्यक्ष महोदयः डाक्टर साहब, आप इस बात से सहमत होगे कि यह सिलेबस बदलने का क्वै चन नही है।

10:00 बजे

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, इन्होने जो कारण दिये है उसी से मेरी सप्लीमैंटरी अराइज हुई है कि पब्लिके ान इस वजह से पूरी नही हो पाई। सिलेबस बदला गया था या कोई और कारण है। इसलिए मुझे उसके रुट कॉज़ में तो जाना ही पडेगा। हरियाणा की 1 करोड तीस लाख जनता है और इन छोटे छोटे मासूम बच्चो को यह सरकार कैसे लूट रही है, इसलिए मेरा सवाल यह है कि सिलेबस चेंज करने का क्या काईटिरिया है? दूसरे जो आपने कदम उठाये है कि अब ज्यादा पुस्तकें और एडवांस में प्रिंटिंग के आर्डर दे दिये, एक हाई पावर्ड कमेटी बना दी जिसके खुद ही प्रधान बन बैठे और एक माइनोरिटी कमेटी बना दी।

इसलिए मैं वजीर साहब से बडे अदब से पूछना चाहता हूं कि सिलेबस को बदलने का क्या काईटिरिया है, पिछले साल कितनी बुक्स प्रिंट करवाने के आर्डर दिये थे और कितनी हुई? दूसरे आपने यह भी कहा कि बुक्स की कमी हुई थी। इस बात कि किस पर रिस्पोंसिबिलिटी डाली और उसके खिलाफ क्या कार्यवाही हुई?

श्री जगदी ा नेहराः जहां तक सिलेबस की बात है किस काईटिरिया के हिसाब से बदला है, उसके बारे में तो ये दूसरा सवाल करें, जवाब दे देंगे। दूसरा सवाल यह किया कि क्या कार्यवाई की गई है दो जनवरी 1984 को प्रिंटिंग आर्डर दिया गया था। इस साल भी दिया है लेकिन इस साल तो किताबें आनी भाुरु हो गई हैं। पिछले साल जो आर्डर दिया गया था उसकी पूरी किताबे समय पर नही आ सकी क्योंकि उस प्रिंटिंग प्रैस के दो पार्टनर थे। उन दोनो का आपस में झगडा हो गया था। इसलिए समय पर किताबें नही आ सकी। किताबें छपवाने का आर्डर कंट्रोलर प्रिंटिंग एण्ड स्टे ानरी डिपार्टमैंट देता है और वही काइटेरिया फिक्स करता है। कंट्रोलर के आर्डर के मुताबिक अगर कोई फर्म एक हफ्ते तक किताबें नही दे तो पांच परसैंट पेनल्टी, एक महीने तक न दे तो 10 प्रसैंट, डेढ महीने तक न दे तो 15 प्रसैंट पेनल्टी लगती है। प्रिंटिंग के जो रुलज़ है उनके अनुसार कार्यवाही की जायेगी। अभी तक उनसे किताबे लेनी है और पैसे की सैंटलमैंट करनी है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, दो साल हो गए है। अभी तक भाव का फैसला नही हुआ।

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने बताया है कि तीसरी क्लास तक के बच्चों को फेल करने का हुक्म नही है और तीसरी क्लास के बच्चो को किताबें भी देर से मिली जिस कारण से उनकी पढाई नही हुई। अगर कोई टीचर न पढाए तो उनके काम को कैसे देखा जा सकता है? मैं मंत्री महोदय` जानना चाहता हूं कि गवर्नमैंट ने यह पालिसी क्यो बनाई और इसका क्या कारण है?

श्री अध्यक्षः यह सैपरेट क्वै चन है।

सेठ राम दास धमीजाः स्पीकर साहब, जहां तक किताबो की जिल्द की बात है इस बारे में अम्बाला जिले की ग्रिवैंसिज कमेटी में भी बात आई थी। जिल्द की आठ आने या 12 आने कीमत मुकरर्र कर देनी चाहिए। जो बिना जिल्द की लेना चाहे वह ले ले और जो मय–जिल्द के लेना चाहे वह ले ले दोनों किस्म की किताबो की कीमत मुकरर्र होनी चाहिए। क्या ऐसा करने का विचार है?

श्री अध्यक्षः यह सप्लीमेंटरी नही है?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इन्होने बताया कि दो जनवरी 1984 को प्रिटिंग के आर्डर दिये गये। 8–1–1985 और 29–1–1985 को बुक्स आ रही है। मैं यह जानना चाहता हूं कि

जिन फर्मज को आर्डर दिये हैं, उनके नाम क्या है? दूसरे जो बुक्स आई है, उनका साइज़ पेपर जो इस्तेमाल हुआ उसका वेट क्या स्पैसिफिके ान के अनुसार था या नही? क्या बुक्स के साइज़ और कागज के वेट के बारे में आपके पास कोई ि ाकायत आई है, यदि आई है तो आप क्या कार्यवाही कर रहे हैं?

श्री जगदी ा नेहराः पेपर की क्वालिटी के बारे में ि ाकायत नही आई। यदि आप ि ाकायत करेंगे तो कार्यवाही कर ली जायेगी। जहां तक इस बात का सम्बन्ध है कि छपने के लिए किस कि को किताबें दी गई, उस बारे में निवेदन है कि पहली से पांचवी क्लास तक 13 टाईटल थे। नौ टाईटल तो गवर्नमैंट प्रैस में छपे, दो टाईटल स्वान प्रिंटिंग प्रैस जालन्धर में छपे और दो टाईटल अरुण राजीव प्रिंटिंग प्रैस चण्डीगढ में छपे है। जो किताबे हमारे पास लेट आई है वे अरुण राजीव प्रैस चण्डीगढ से आई है।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या यह तथ्य है कि सन् 1980 से अब तक स्कूलो के बच्चो की किताबो की कमी होती रही है?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, सन् 1980 से तो मैं कह नही सकता कि कमी होती रही है लेकिन मैं हाउस को अ योरेन्स दे सकता हूं कि सन् 1985–86 मे किताबो की कोई कमी नही रहेगी। पिछले साल दो किताबों की कमी रही, इस साल वह भी नही रहेगी।

Opening of Primary Health Centre at Village Banwasa

***845. Shri Bhalle Ram:** Will the Minister of State for Health be pleased to state-

(a) whether it is a fact that for the purpose of opening a Primary Health Centre in village Banwasa in Kathura Block, (Sonepat District), the Panchayat of the said village has deposited the desired amount and has also provided the land required therefore; and

(b) if so, the time by which the said Primary Health Centre is likely to be opened?

स्वास्थय राज्य मंत्री (श्रीमती करतार देवी):

(क) हां। परन्तु पंचायत द्वारा उपलब्ध कराई गई भूमि अभी तक स्वास्थ्य विभाग को स्थनांतरित नही की गई है।

(ख) सातवीं पंच वर्शीय योजना के दौरान।

श्री भले राम: स्पीकर साहब, पंचायत से सरकार ने जो चाहा था वह जमा करवा दिया और जमीन भी दे दी। इस बात को हुए कई साल हो गये लेकिन वह जमीन अभी तक हैल्थ डिपार्टमैंट को ट्रांसफर नही हुई। क्यों नही उसका इन्तकाल हैल्थ डिपार्टमैंट के नाम हुआ? मंत्री महोदय ने दूसरा जवाब दिया है कि सातवीं पंचवर्शीय योजना मे इसे लागू करेंगे मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या सातवीं पंचवर्शीय योजना के पहले साल में काम चालू हो जाएगा?

श्रीमती करतार देवीः जहां तक काम भुरु करने का ताल्लुक है, वह तो तभी हो सकता है जब लैन्ड टरांसफर हो जायेगी। लैन्ड टरांस्फर होते ही काम भुरु हो जायेगा। जहां तक जमीन ट्रांसफर का सवाल है, वह हैल्थ डिपार्टमैंअ का काम नही है। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहती हूं कि दिनांक 21—2—1985 को डिप्टी कमी ानर ने डायरेक्टर आफ पंचायत को लिखा है कि यह जमीन ट्रांसफर कर दी जाये। अभी तक हैल्थ डिपार्टमैंट को ट्रांसफर नही हुई है।

श्री अध्यक्षः खानपुर जाटान गांव की जमीन भी ट्रांसफर हो चुकी है। चार एकड जमीन मांगी थी वह ट्रांसफर हो चुकी है। अब आपने यह कन्डी ान लगा दी कि छः एकड जमीन ट्रांसफर कर दी जाये। अब गांव में छः एकड जमीन मांगे यह बहुत ज्यादा है।

श्रीमती करतार देवीः सर, पहले ऐसा था कि एक ब्लाक में एक ही पी0 एच0 सी0 बनाते थे। अब थोडे से नार्मज़ चेंज हो गये है। अब यह तय हुआहै कि 30 हजार की आबादी एक एक पी0 एच0 सी0 बनेगा जिसमें खानपुर कोलियां का नाम भी आ जाता है। वहां पर भी हम जल्दी ही पी0 एच0 सी0 बनाने जा रहे है और काम भुरु करने जा रहे है।

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, अभी मिनिस्टर महोदया ने यह बताया है कि नामर्ज चेन्ज हो गये है। पहले एक ब्लाक में

एक प्राइमरी हैल्थ सैन्टर होता था लेकिन अब इन्होने जैसे बताया है, नार्म्ज चेन्ज होने की वजह से दूसरे ब्लाक्स को प्रायरिटी मिलेगी। मै यह जानना चाहता हूं कि कौन से ब्लाक्स ऐसे होगें जिनको प्रायरिटी मिलेगी और वहां पर दूसरे पी0 एच0 सी0 खुलेंगे? इसका काइटेरिया क्या होगा?

श्री करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, जैसे मैने बताया है कि पहले एक ब्लाक में केवल एक ही पी0 एच0 सी0 बनाते थे लेकिन अब 30 हजार की पापुले ान पर एक मोडिफाईड पी0 एच0 सी0 बनायेंगे जिनके भवन की लागत 20–22 लाख रुपये आयेगी। यह बात अलग है कि उसमें पी0 एच0 सी0 के मुकाबले में स्टाफ थोडा सा कम होगा लेकिन सातवीं पंचवर्शीय योजना के अंत तक हमने 395 पी0 एच0 सी0 खोलने है। हमारे कुछ सबसिडीयरी हैल्थ सैन्टर्ज आलरेडी बने हुए है, उनको हम पी0 एच0 सी0 में परिवर्तित कर देंगे। हमें 233 नये पी0 एच0 सी0 बनाने पडेंगे। हमारे पास भारत सरकार की यह डायरैक ान है कि सन् 2000 तक 2000 तक की जनसंख्या को कवर करने के लिए चिकित्सा सुविधाएं पहुंचानी है। इस लक्ष्य को हम सारे हरियाणा में 1999 तक पूरा कर लेंगे।

श्री निहाल सिंहः मैंने तो काइटेरिया पूछा था।

श्रीमती करतार देवीः काइटेरिया यही है कि 30 हजार की आबादी पर एक पी0 एच0 सी0 एक ब्लाक में हो जाएगा। पहले

जहां एक लाख की पापुले ान को एक पी0 एच0 सी0 कवर करता था वहां अब 30,000 की पापुले ान को कवर करेगा। मान लो एक ब्लाक की पापुले ान 2–3 लाख है, तो वहां पर इसी हिसाब से नम्बर आफ पी0 एच0 सी0 बढ जायेगा। अब क्राइटेरिया सिर्फ पापुले ान का रह गया है। उसके लिए नार्म्ज इस तरह से बनाये गये है कि हम पहले जहां 6 एकड जमीन मांगते थे, इसके लिए हम केवल साढे तीन–चार एकड जमीन मांगते है और पंचायत को 40 हजार रुपया जमा करवाने के लिए कहते है।

श्रीमती भाारदा रानीः स्पीकर साहब, मिनिस्टर महोदया ने यह कहा है कि ब्लाक की सारी पापुले ान को कवर करने के लिए 30 हजार की पापुले ान का क्राइटेरिया रखा गया है। देहात की पापुले ान तो एक ब्लाक के अन्दर आ जाती है लेकिन जहां पर आबादी बहुत बढ गई है और बहुत बडे बडे भाहर है, उनके लिए भी क्या कोई क्राइटेरिया बनाया गया है? क्या वहां पर भी कोई हस्पताल और डिस्पैंसरी अधिक बनाने का कार्यक्रम है?

श्रीमती करतार देवीः सर यह सवाल तो पी0 एच0 सी0 का है।

चौधरी कुन्दन लालः अध्यक्ष महोदय, मै अपनी बहिन हैल्थ मिनिस्टर साहिबा को यह बताना चाहूंगा कि पिछले 8–10 महीने से मेरे हल्के मुआना गावं में हैल्थ सैन्टर मंजूर हो चुका है और 45000 रुपया भी जमा करा दिया गया हैं। जैसे प्राअवेटल

तौर पर कहा था कि डाक्टरो और दूसरे स्टाफ के रहने का प्रबन्ध होना चाहिए। वह प्रबन्ध भी कर दिया गया है। लेकिन आज तक उस हैल्थ सैन्टर में स्टाफ नही गया है। मेरे हलके का यह सबसे बडा गांव है। इसकी कम से कम 15–20 हजार की आबादी है, आस पास कोई हैल्थ सैन्टर नही है। वहां पर स्टाफन भेजने का क्या कारण है? क्या जल्दी से जल्दी स्टाफ भेजने की कृपा करेंगे?

श्रीमती करतार देवीः स्पीकर साहब, मैने पहले बताया है कि 30,000 की पापुले ान के हिसाब से पी0 एच0 सी0 बनेंगे। उस हिसाब से हमारे पी0 एच0 सी0 जितने बनने चाहिए इनको बनाने के लिए भवनो का निर्माण कार्य इन जगहो पर चल रहा है। एक कुंजपुरा करनाल डिस्ट्रिक्ट में जल्दी ही स्वास्थय केन्द्र खोला जाना प्रस्तावित है। इसके अलावा कुरुक्षेत्र डिस्ट्रिक्ट में लाडवा में भी का चल रहा है। उन जगहो पर भी काम चल रहा है जहां पंचायतो से रकम प्राप्त कर ली गयी है और अनुमान तैयार करवा लिये गये है।

श्री मंगल सैनः कलानौर का भी बता दो।

श्रीमती करतार देवीः कलानौर का हस्पताल तो कब का चालू हो गया है। डा0 साहब भाायद आप कई दिनो से वैसे भी कलानौर गये नही हो। वैसे भी कलानौर की चिन्ता करने की आपको इतनी आव यकता नही है। इसी तरह से सफीदो हलके के माननीय सदस्य दृवारा पूछे गये मुआना गांव के बारे में मैं

उनको यह बताना चाहती हूं कि पंचायत से भूमि मिलते ही हम सबसिडीयरी हैल्थ सैंटर की कंस्ट्रक ान का काम भाुरु कर रहे हैं। (व्यवधान एवं भाोर)

डा0 औम प्रका ा भार्माः क्या स्वास्थ्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगी कि मेरे हलके बिलासपुर ब्लाक में, हरनौली गांव में, जहां पर सबसिडयरी हैल्थ सैंटर मंजूर हो चूका है, उसपर काम भाुरु कर दिया गया है या नही? अगर नही, तो कब तक भाुरु किये जाने की सम्भावना है?

श्रीमती करतार देवीः सर, इस समय हमारे पास सबसिडीयरी हैल्थ सैंटर्स की इन्फर्मे ान नही है। इस समय तो प्राइमरी हैल्थ सैन्टर्स के बारे में इन्फर्मे ान है। जहां तक सबसिडियरी हैल्थ सैन्टर का सम्बन्ध है, मै डाक्टर साहब को एक बात बता सकती हूं कि जब भी हम किसी ब्लाक में प्राइमरी हैल्थ सैन्टर बनाते है तो सबसिडीयरी हैल्थ सैन्टर की आव यकता नही रहती क्योंकि 30 हजार की पापुले ान के लिए हम मार्डन पी0 एच0 सी0 बनाने जा रहे है। सातवीं पंचवर्शीय योजना के अन्दर हम 233 नये पी0 एच0 सी0 बनायेंगे। यह बात सैद्धांतिक रुप में स्वीकार की जा चुकी है। जहां पर हम स्वीकृती दे चुके है, वहां पर हम ये मार्डन पी0 एच0 सी0 जरुर बनायेंगे। जहां तक किसी जगह पर बिल्डिंग बनाने की बात का सम्बन्ध है, इसके लिए फण्डज़ की बात सबसे पहले आती है। हमारे पास पिछले साल 597 लाख रुपया था जिसमें से निर्माण कार्य के लिए बहुत थोडा

पैसा रखा गया था। अब 1985–86 के लिए हमें 8.72 करोड रुपया दिया गया है जिसमें से 280.78 लाख रुपया निर्माण कार्य के लिए होगा।

डा0 औम प्रका ा भार्मा: मै तो यह जानना चाहता हूं कि हमारे यहां जो सबसिडीयरी हैल्थ सेंटर मंजूरहो चुका है, क्या उसकी बिल्डिंग आप इसी साल बनायेंगे?

श्रीमती करतार देवी: जरुर बनायेंगे। मैं यह बताना चाहती हूं कि जहां हम सैद्धातिक रुप से स्वीकृती दे चुके है, वहां जरुर बनायेंगे और नये साल में काम भ्ाुरु कर देंगे।

चौधरी धीर पाल सिंह: बहन जी को भी पता होगा और मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल जी को भी पता है। ये दो दफा बादली में गये थे। वहां की पी0 एच0 सी0 की बिल्डिंग की खस्ता हालत देखकर यह कह कर आये थे कि जल्दी ही हम आपको बना देंगे। मै मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि क्या उस पी0 एच0 सी0 के भवन को बनाने की योजना सरकार के विचाराधीन है?

श्रीमती करतार देवी: स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने बताया है कि वहां पर पी0 एच0 सी0 का भवन है तो परन्तु खस्ता हालत है। इसलिए वहां पर भवन निर्माण का कार्य जल्दी भ्ाुरु किया जाये। मै माननीय सदस्य को यह बताना चाहती हूं कि ज्यों ज्यों हमें पैसा मिलेगा और जहां जहां पर पी0 एच0 सी0 या

सबसिडीयरी हैल्थ सैंटर या दूसरे किसी भवन की हालत खस्ता है, उसका निर्माण कार्य पहले किया जाना चाहिए हम अव य ही इस बारे में कार्यवाही करेंगे।

Nathpa Jhakri Hydel Project

***875. Shri Hira Nand Arya & Dr. Bhim Singh Dahiya:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) amount of expenditure so far incurred by the Haryana State for the construction of Nathpa Jhakri Hydel Project situated in Himachal Pardesh; and

(b) whether there is any proposal to hand over the project to Government of India; if so, details thereof?

Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala):

(a) Tha State has incurred an expenditure of Rs. 2.12 crores on Nathpa Jhakri Hydle Electric Project so far.

(b) It has been recently decided that this project is now to be constructed in central sector by National Hydro-Electric Power Corporation with the association of Himachal Pradesh in view of limitation of financial resources. However, allocation of 30 to 35% of power to Haryana for meeting the deficit is under consideration of the Central Government.

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया है कि निर्माण केन्द्रीय सैक्टर में राश्ट्रीय जलीय विद्युत

परियोजना निगम द्वारा किया जायेगा। इन्होने यह बात तो मान ली है कि यह काम अब सैन्टर की एजेंसी के द्वारा किया जायेगा लेकिन हमारा बिजली में हिस्सा क्या होगा, इस बारे में यह कहा है कि यह अभी तक नि चत नही हो पाया है। मैं यह जानना चाहता हूं कि पहले जो एग्रीमैंट हिमाचल सरकार के साथ हुआ था, उसमें हमारा कितना हिस्सा था? जब हिस्से वाली बात पहले से ही तय भुदा थी तो फिर से कंसीडर करने की बात कैसे आ गई? जिस तरह से इस प्रोजैक्ट को हैण्ड ओवर किया गया है, उसी तरह से हमारा तय ुदा हिस्सा भी ट्रांसफर होना चाहिए था। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि पहले हमारा हिस्सा क्या था और अब क्या डिमांड किया गया है?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जहां तक हमारे हिस्से की बात है, इस बारे में मुख्य मंत्री जीने पहले ही हाउस में कैटेगोरीकली बता दिया है। मै उसी बात को दोबारा कह देता हूं। इनका कहना यह है कि जब यह फैसला हुआ कि यह काम एन0 एच0 पी0 सी0 करेगा, तो यह फैसला भी हो जाना चाहिए था। हरियाणा के पास दोनो प्रोजैक्ट को एक साथ एक्सीक्यूट करने के रिर्सोसिज नही है। सितम्बर, 1984 में गवर्नमैंट आफ इंडिया से यमुना नगर थर्मल प्लांट की एप्रुवल फाइनली आ चुकी है। इसलिए यह तय किया गया है कि हम यमुनानगर थर्मल प्लान का काम करेंगे। उसमें भी 400 करोड रुपये का खर्चा होगा, यह सातवीं प्लान का प्रोजैक्ट है। इसके साथ ही दूसरे प्रोजैक्ट में

भी 400–500 करोड रुपया खर्च होना है। इस बात को ध्यान में रखते हुए एक हजार करोड रुपया हम सातवीं प्लान में इस प्रोजैक्ट पर भाायद खर्च नही कर पायेंगे, इसलिए यह फैसला हुआ कि यमुनानगर थर्मल प्लांट का काम हम अपने आप एक्सीक्यूट कर ले और नाथपा झाखडी हाईडल प्रोजैक्ट का काम एन0 एच0 पी0 सी0 को सैन्ट्रली फन्डिड प्रोजैक्ट के तौर पर करने दें। जहां तक भोयर के डिटरमिने ान का सवाल है, वह एन0 एच0 पी0 सी0 और हिमाचल सरकार आपस मे फैसला करेंगे। अभी यह मसला बाकी है। फिलहाल यह सवाल पब्लिक इंवैस्टमैंट बोर्ड के सामने जाएगा और उसके बाद कैबिनेट में जाएगा। अभी वह स्टेज नही पहुंची है। हमें इस बात का आ वासन दिया गया है कि हमारा इंट्रस्ट सेफगार्ड रहेगा। स्पीकर साहब, जहां तक इंवैस्टमैंट का सवाल है कि अब कितनी रा ि ा है, इसके बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि लेटैस्ट ऐस्टीमेटिड कोस्ट आफ द जनरे ान की रा ि ा 656.17 करोड रुपये है और ट्रांसमी ान की रा ि ा 140.64 करोड रुपए है। दोनो को मिलाकर 796.81 करोड यानी लगभग 800.00 करोड रुपया बनती है।

श्री मनफूल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि 2.12 करोड रुपया नाथपा झाखडी प्रोजैक्ट के लिए हरियाणा सरकार ने दिया है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इस रुपए मै से लेबर पर कितना खर्च हुआ, दूसरे कामो पर कितना खर्चा हुआ और अपने पास कितना रखा?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, बारह लाख रुपया असठैबलि ामैंट पर खर्च हुआ और दो करोड हिमाचल बिजली बोर्ड को इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए दिया अगर फाइनल स्टेज पर यह फैसला हुआ कि रुपया इंवैस्ट करने में हरियाणा का कोई ताल्लुक नही होगा तो यह रुपया उस वक्त एडजस्ट हो जाएगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, अभी तो नाथपा झाखडी का प्रोजैक्ट भुरु भी नही हुआ। क्या मंत्री महोदय बताऐंगे कि यह 2.12 करोड रुपया कहां चला गया? क्या इसका कोई हिसाब किताब है?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, दो करोड रुपया हिमाचल बिजली बोर्ड को दिया था और इस रुपए से उसने वहां पर सडकें बनाई और कालोनीज़ बनाई है। इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए हिमाचल बिजली बोर्ड ने अपने पास से भी खर्चा किया और इस रुपए से भी खर्च किया।

श्री विरेन्द्र सिंहः गवर्नर ऐड्रैस पर बोलते हुए मुख्य मंत्री जी ने ए योरेन्स दी थी कि नाथपा झाखडी प्रोजैक्ट में जो हमारा हिस्सा तय हुआ था, वह हमको मिलेगा। लेकिन आज ये उस स्टैंड से डेविएट कर रहे हैं। स्पीकर साहब, इसमें हमे कोई आपत्ति नही है। मिनिस्टर आफ इरिगे ान एण्ड पावर ने कहा है कि हमने नाथपा झाखडी प्रोजैक्ट पर इसलिए खर्च करना बन्द कर दिया कि

हमरे रिर्सोसिज़ इतने नही थे कि हम उस पर भी पैसा खर्च करते और अपने ऑन गोइंग प्रोजैक्ट पर भी खर्चा करते। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह अच्छा नही होता कि जब हमारा हिमाचल सरकार से एग्रीमैंट हो चुका था और उसमें हमारी बिजली भी एन् योर हो चुकी थी, तो पहले हम उस प्रोजैक्ट को पूरा करते ताकि जो बिजली हमें वहां से मिलनी थी वह जल्दी मिलती और ज्यादा भी मिलती, और अपने प्रोजैक्ट को बाद में हाथ में लेते?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, बात यह है कि हिमाचल और हरियाणा में जो ऐग्रीमैंट हुआ था, उसके मुंताबिक उस प्रोजैक्ट को पूरा होने में सात–आठ साल लगेंगे और उसका बैनिफिट सात–आठ साल के बाद ऐक्रू होता। हरियाणा में जो ऑन गोइंग प्रोजैक्ट है उसमें से एक यूनिट इस साल के अन्त में कम्पलीट हो जाएगा। और इससे हमें 210 मैगावाट बिजली मिलेगी। एक प्रोजैक्ट अगले साल के जून तक कम्पलीट हो जाएगा। यमुनानगर का जो प्रोजैक्ट है वह सातवीं प्लान से पहले बनकर तैयार हो जाएगा और उससे 425 मैगावाट बिजली मिलेगी। इसलिए ऑन गोइंग प्रोजैक्ट को पहले कम्पलीट करना जरुरी था। स्पीकर साहब, नाथपा झाखडी और अपने ऑन गोइंग प्रोजैक्ट पर साइमल्टेनियसली रुपया इंवैस्ट करना हरियाणा सरकार के लिए फिजिबल नही था। प्रैक्टीकली हमने देखा है कि हमारी स्टेट से बाहर के जो प्रोजैक्ट, जैसे बदरपूर का है और

संगरोली का है जिनसे हमें बिजली मिलती है, वहां से हमें पूरा हिस्सा नही मिल पाता है। वहां से बिजली लाने में हमें दिक्कत रहती है। हमारी स्टेट के इंट्रैस्ट में यही था कि हम पहले अपने ऑन गोइंग प्रोजैक्ट्स को पूरा कर लें। स्पीकर साहब, जहां तक स्टेट को उस प्रोजैक्ट से बिजली मिलने का सवाल है, हमें इस बात की पूरी तसल्ली है, हमें जबानी आ वासल मिला है और वह आ वासन लिखित में भी आ जाएगा कि हमें 30–35 प्रसैंट भोयर उस प्रोजैक्ट में से मिलेगा। स्पीकर साहब, यह भोयर हमें बगैर इंवैस्टमैंट के मिल जाएगा। इससे ज्यादा लाभदायक प्रोपोजल हरियाणा के लिए और क्या हो सकती है?

चौधरी नेकी रामः स्पीकर साहब, बिजली आज के जमाने में तरक्की का एक बहुत बडा साधन है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि नाथपा झाखडी प्रोजैक्ट को सात आठ साल के बताये पांच साल में कम्पलीट कराने की कृपा करेंगे?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, यह प्रोजैक्ट लम्बा है, इसमें काफी समय लगेगा।

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने कहा है कि उस प्रोजैक्ट में हरियाणा का ोयर तीस से पैंती परसैन्ट तक होगा। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि जब हम प्रोजैक्ट में भोयर होल्डर नही रहेगे तो हमारा स्टेटस परचेजर का होगा या कुछ और होगा? दूसरा मेरा सवाल यह है

कि लाइनें बिछाई जाएंगी, इन की कोस्ट हम बीयर करेंगे या हिमाचल सरकार करेगी?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, जब हम खर्च में भोयर नही करेंगे तो बिजली में हमारा भोयर नही होगा। हमें कितनी बिजली मिलेगी, इसको ऐन योर करने के दो तरीके है। एक तो यह है कि जो सैन्टर का भोयर है उसमें से हमें बिजली मिल जाए। दूसरा यह है कि सैन्टर हमें ज्यादा बिजली एलोकेट कर सकता है। तीसरा यह हो सकता है कि हिमाचल को उतनी बिजली की जरुरत न हो और हम उससे बिजली परचेज़ कर लें। ये तीन चार बातें हो सकती है। सैन्टर के एनर्जी सैक्रेटरी ने यह कहा था कि हरियाणा को पूरी बिजली दी जाएगी। स्पीकर साहब, फैसला करते वक्त इस बात का पूरा ध्यान रखा जाएगा और यह एन योर करने की पूरी कोि ा ा की जाएगी कि हरियाणा को अधिक से अधिक बिजली मिल सके। स्पीकर साहब, हमारा स्टेटस परचेजर का होगा।

Mr. Speaker: Question House is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उत्तर

Lavatories for Women

***880. Smt. Basanti Devi:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state whether there is any scheme under consideration of the Government to

construct lavatories for women in any of the villages in the State, if so, details thereof?

विकास मंत्री(श्री राजिन्द्र सिंह): जी नही।

Electricity received from various sources

***908. Sh. Mangal Sein:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the total quantum of electricity required to be received and actually received by the H.S.E.B from various sources during the period from 1st January, 1984 to-date;

(b) whether it is a fact that the State Chief Minister and Irrigation and Power Minister made surprise visits to Panipat and Faridabad Thermal Plants during January and February. 1985; and

(c) if reply to part (b) is in affirmative whether any officers/officials were suspended as a result of the said visits; if so, the names and designations of all such officers/officials?

Irrigation and power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala);

(a) The total quantum of electricity required to be received and actually received by H.S.E.B. from 1-1-84 to 28-2-85 from various sources is as under:-

Total quantum of electricity required to be received	Actually Availability

(figures in lac units)	
56598	49038

(b) Yes.

(c) No.

T.A/D.A and Telephone Bills of Chief Minister, Ministers etc.

***922. Ch. Om Parkash & Sh.Ram Bilas Sharma:** Will the Chief Minister be pleased to state the total amount of expenditure incurred on T.A/D.A and telephone bills of Chief Minister, Ministers, Ministers of State and Chief Parliamentary Secretary from 1st April, 1984 to-date, separately?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अपेक्षित सूचना का एक विवरण (अनुबन्ध 'क') सदन के पटल पर रखा जाता है।

अनुबन्ध 'क'

मुख्य मंत्री, मंत्रियों, राज्य मंत्रियों, मुख्य संसदीय सचिव के यात्रा/दैनिक भत्ता तथा टैलिफोन बिलों का दिनांक 1–4–84 से 28–2–85 तक की अवधि के दौरान खर्च की गई राि ा की सूची

क्रम	नाम तथा पद	यात्रा भत्ता/ दैनिक	टैलिफोन के खर्चे के बिल (कार्यालय तथा	रिमार्क्स

		भत्ता	आवास)	
1	श्री भजन लाल, मुख्य मन्त्री	15903.00	294831.30	श्री राजे ा भार्मा राज्य मंत्री श्रम एवं रोजगार को अमेरिका में इलाज के लिए 2 लाख रु की रा ि ा या़त्रा भत्ता एडवांस दी गई है।
2	श्री भाम ेर सिंह, सिंचाई एवं विद्युत मंत्री	8737.00	90279.50	
3	कर्नल राम सिंह, परिवहन मंत्री	18606.00	72658.50	
4	श्री राजेन्द्र सिंह, विकास मंत्री	7584.00	92911.00	
5	श्रीमती प्रसन्नी देवी, लोक निर्माण मंत्री (जन–स्वास्थ्य)	12868.00	83472.00	
6	श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया, उद्योग मंत्री	7362.25	30576.00	
7	श्री कटार सिंह, आबकारी एवं कराधान मंत्री	7558.00	47356.60	
8	श्री कल्याण सिंह, खाद्य	8640.00	33917.60	

	एवं आपूर्ति मंत्री			
9	श्री अमर सिंह धानक, लोक निर्माण मंत्री (भवन तथा सडकें)	4797.25	21313.00	
10	श्री सागर राम गुप्ता, वित्त मंत्री	1500.00	4855.00	
11	श्री गोवर्धन दास चौहान, वन एवं जेल मंत्री	1200.00	1410.00	
12	श्री लाल सिंह, राज्य मंत्री प ुपालन	8148.00	80362.50	
13	*श्री राजे ा कुमार, राज्य मंत्री श्रम एवं रोजगार	4887.00	62042.90	
14	श्री चन्दा सिंह, राज्य मंत्री परिवहन	11282.00	98165.00	
15	श्री जगदी ा नेहरा, ि ाक्षा	8362.00	108368.00	
16	श्री लक्ष्मण दास अरोडा,	15114.00	69748.80	

	राजस्व			
17	श्री प्यारा सिंह, स्थानीय भाासन	4988.00	10571.20	
18	श्रीमती करतार देवी, स्वास्थ्य	3300.00	11886.40	
19	श्री रो ान लाल, मुख्य संसदीय सचिव	3675.00	10718.60	

भुतपूर्व मंत्री

1	श्री हरपाल सिंह, कृशि	1644.00	22473.30	30—12—84 से त्यागपत्र
2	श्री बिरेन्द्र सिंह, सहकारिता एवं डेरी विकास मंत्री	6414.00	70567.30	यथोपरि
3	श्री रहीम खान, सिंचाई एवं विद्युत	5760.00	30464.60	यथोपरि
4	श्री बृज मोहन सिंगला, आबकारी एवं कराधान	459.00	27861.30	31—5—84 से त्यागपत्र

Distance covered by the vehicles used by Ministers

***914. Shri Ram Bilas Sharma:** Will the Chief Minister be pleased to state the Minister wise number of kilometers covered by the vehicles used by the members of Haryana Cabinet during the period from 20th Nov, 1984 to 24th Dec, 1984?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): वांछित सूचना संलग्न सूची में दी जाती गई है।

सूची

क्रम	मंत्री परिशद के सदस्य का नाम	सरकारी यात्रा	निजी यात्रा	कुल
1	श्री भजन लाल, मुख्य मंत्री	6108	7402	13510
2	श्री एस एस सूरजेवाला, मंत्री	5016	600	5616
3	कर्नल राम सिंह, मंत्री	6471	—	6471
4	श्री राजेन्द्र सिंह, मंत्री	4266	—	4266
5	श्रीमती प्रसन्नी देवी, मंत्री	6120	—	6120
6	श्री सागर राम, मंत्री	8433	—	8433
7	श्री गोवर्धन दास चौहान,	1980	—	1980

	मंत्री			
8	श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया, मंत्री	5495	—	5495
9	श्री कटार सिंह, मंत्री	4802	984	5786
10	श्री कल्याण सिंह, मंत्री	3081	249	3330
11	श्री अमर सिंह, मंत्री	10053	—	10053
12	श्री लाल सिंह, राज्य मंत्री	7803	—	7803
13	श्री प्यारा सिंह, राज्य मंत्री	3537	—	3537
14	श्री राजे ा कुमार, राज्य मंत्री	3141	—	3141
15	श्री चन्दा सिंह, राज्य मंत्री	6709	311	7020
16	श्री लक्ष्मण दास, राज्य मंत्री	5715	—	5715
17	श्री जगदी ा नेहरा, राज्य मंत्री	3409	200	3609
18	श्रीमती करतार देवी, राज्य मंत्री	6561	—	6561
19	श्री रहीम खान, राज्य मंत्री	2530	40	2570

20	श्री हरपाल सिंह, मंत्री	3943	1178	5121
21	श्री बिरेन्द्र सिंह, मंत्री	783	412	1195
22	श्री रो ान लाल, सी0 पी0 एस0	4170	70	4240
23	श्री मोहन लाल पीपल, संसदीय सचिव	3015	—	3015

Converting the Surgical Centre Sonepat into Polytechnic

***935. Shri Devi Dass:** Will the Minister of State for Transport be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to convert Surgical Centre, Sonepat, into Polytechinc College;

(b) the names of such officers/employees of the said Surgical Centre, if any, as are working there for the last more than 5 years;

(c) whether any students of the said Surgical Centre went on strike during the last three years; if so, the details of their demands together with the action, if any, taken thereon; and

(d) whether any complaint alleging embezzlement in the said Surgical Centre has come to the notice of the Government; if so, the action, if any, taken thereof?

Minister of State for Transport (Ch. Chanda Singh):

(a) Yes.

(b) A statement is laid on the Table of the House as at Annexure-I.

(c) Yes. A statement showing the demands of the students and the action taken thereon is laid on the Table of the House at Annexure-II.

(d) Yes. An anonymous complaint alleging embezzlement in the purchase of some items purchased during the year 1979 & 1980 at this Institute was received by the Government during 1983. No embezzlement was found in these transactions on investigation.

ANNEXURE-I

List of Officers/Employees of Government Institute of Surgical Technology, Sonepat who are working there for more than 5 years as on 11-3-1985.

Sr.No.	**Name & Designation**	**Date since when working**

1	**Principal**	
	D. M. Talwar	10-5-61
2	**Senior Lecturer**	
	P. R. Dhawan	1-11-77
3	**Lecturers**	
	S. C. Abro	11-8-67
	Kuldip Singh	21-11-68
	N. K. Bajaj	14-4-69
4.	**Superintendent Workshop**	
	Gurdial Singh	16-4-60
5	**Junior Instructors**	
	B. D. Prothi	10-9-55
	P. K. Jain	4-3-62
	V. P. Sharma	10-3-62
	Madan Gopal	7-10-63
6	**Drawain Instructor**	
	N. D. Monga	25-3-72
7	**Mechanic**	
	Sham Dass	30-10-69

8	**Ministerial and other Supporting Staff**	
	M. L. Khurana, Head Clerk	29-11-67
	Ram Mehar, Accountant	2-8-66
	Ram Phal, Cashier	5-10-71
	Babu Lal, Storekeeper	1-5-73
	Tuli Ram, Daftri	19-6-48
	Raghu Nath, Lab. Attendant	5-1-79
	Guru Dutt, Lab Attendant	13-11-79
	Jagdish Chander, Lab Attendant	30-11-79
	Banwari Lal, Workshop Cooli	25-7-63
	Sukh Lal, Worksop Cooli	19-2-69
	Ram Dayal, Peon	18-12-65
	Sri Krishan, Peon	1-1-67
	Dalip Singh, Peon	21-1-67
	Pale Ram, Chowkidar	24-9-54
	Sunder, Chowkidar	14-8-75
	Hari Singh, Sweeper	13-11-65
	Itbari, Sweeper	2-6-76

	Total No of with more than 5 years stay as on 11-3-1985	29

ANNEXURE-II

Demand of students of Govt. Institte of Surgical Instruments Technology Sonepat, made in Nov. 1983 and March, 1984	**Action Taken**	**Remarks**
1. The Students demanded departmental audit of the students Fund Account.	The student fund Account was got audited by the local auditors of the examiner, local fund accounts, Haryana in Sep, 1983 and also by the Accounts Officer of Technical Education, Haryana, Chandigarh, during January/March, 1984 The Principal was directed to supply the documents and sanctions asked for to the Auditors. Necessary sanctions and documents will be produced to the audit at the time of next inspection.	
2. The diploma being given at Sonepat Institute should be made more broad based and cover more areas to increase the scope of	The matter was examined by an expert Committee of the Northern Regional Committee in the All India Council for Technical Education at Govt.	

employment. its nomenclature should also be changed.	Institute of Surgical Instruments Technology, Sonepat, on 24-1-85. The Committee recommended the introduction of three revised courses at this Institute for Production Engineering & Industria Management, Tool and Die Engineering and Chemical Engineering. Final action will be taken on receipt of Govt. of India's approval.	
3. The Principal should teach the classes himself.	This is being done.	
4. Repairs to the hostel should be expedited.	The P.W.D B&R has since completed the repairs during Nov. 1984.	
5. The hostel fund should be got checked and accounted for	The hostel funds were got checked and found to be upto date.	
6. An instructor in Sports should be posted	The post has been filled since 6-2-84.	
7. Sportsmen of the Institute should be given advantages as allowed in other Polytechnics.	Except reservation of 2% seats at the time of admission to the Institution, no other special benefit is given to any sportsmen/women of the Polytechnic in the State.	

	Facilities of equipment posting of a PTI and organizing of tournaments etc. are arranged for the sportsmen in the Polytechnics and in the S.I.T. Sonepat.	
8. The doctor may be appointed.	a part-time doctor stands appointed since 2-12-1983	
9. The employees of the Institute and hostel should work on their respective jobs.	This has been ensured.	

Taking Over Control of Agra Canal in Haryana Territor

***930. Ch. Khillan Singh:** Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to take over the control of the part of the Agra Canal as falls in the Territory of Haryana. if so, the time by which the said proposal is likely to materialize?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): जी हां। यह मामला उत्तर प्रदे ा और भारत सरकार के साथ तत्परता के साथ परस्यू कर रहे है। परन्तु यह अन्तर्राज्यी तथा नीति सम्बन्धी विशय होने के कारण इस समय यह नही कहा जा सकता कि यह चैनलें हरियाणा को कब तक स्थानान्तरण हो जायेंगी।

Class II, III and IV posts in the cooperation Department

***947. Master Ram Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total number of class II, III and IV posts in the cooperation Department at present separately; and

(b) the number of posts, out of those referred to in part (a) above, if any, filled up in accordance with the prescribed reservation quota separately?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): क तथा ख – विवरण सूची सदन के पटल पर रखी जाती है।

विवरण सूची

(क) सहकारिता विभाग में वर्तमान श्रेणी 2, 3 तथा 4 के पदो की कुल संख्या इस प्रकार है–

श्रेणी 2 – 47

श्रेणी 3 – 1934

श्रेणी 4 – 362

(ख) उक्त भाग (क) में वर्णित पदों मे से निर्धारित आरक्षण कोटा के अनुसार भरे गए पदों की संख्या निम्न प्रकार है:–

क्रम	पद संख्या	अनूसूचित जाति	पिछडे वर्ग	भूतपूर्व सैनिक	भाारीरिक तौर पर अपंग
1.	श्रेणी 2	8	2	1	—
2.	श्रेणी 3	293	148	70	7
3.	श्रेणी 4	87	55	42	8

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

श्री विरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरी एक सबमि ान है। मुझे अभी अभी श्री बलबीर सिंह, एक्स चेयरमैन, इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट फतेहाबाद, जो स्टेट एकजेक्टिव बी0 जे0 पी0 के मैम्बर भी है, की ओर से एक टेलीफोन मिला है। उन्होने टोहाना बाई–इलैक ान में श्री भाम लाल सरदाना की मदद की थी। उनका एक ट्रक ट्रक–यूनियन फतेहाबाद में है। मुख्य मंत्री महोदय के भाई ने उस ट्रक को ट्रक–यूनियन मे से निकलवा दिया है। उसे व्यापार करने की इजाजत नही दी जा रही है। आगे उन्होने टेलीग्राम में यह भी लिखा है कि मेरी लाईफ को भी खतरा है और ट्रक बिज़नेस से मुझे डिबार कर दिया गया है। इनके भाई का बकायदा नाम दिया गया है। स्पीकर साहब, यह बडा ही सीरियस मामला है। आपको इस तरफ खास तवज्जो देनी चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)।

चौधरी औम प्रका ा: स्पीकर साहब, कल दिनांक 18—3—85 को रात के साढे नो बजे एक ट्रक नम्बर एच0 वाई0 एफ0 2272 हिसार से चंडीगढ के लिए आ रहा था। रास्ते में कैथल और पिहोवा के बीच में पिहोवा के बैरियर पर जब वह ट्रक पहुचा तो बैरियर वालो ने उस ट्रक को जबरदस्ती रुकवाया और उस ट्रक वाले को कहा कि टैक्स देने के लिए तुम ने लाईट देने के बावजूद भी ट्रक क्यों नही रोका। उसने आगे कहा कि आपको पता है कि यह * * * का ट्रक है और भाराब की बोतले उस ट्रक में रखी हुई थी। (ाोर) स्पीकर साहब, यह बडा ही सीरियस मैटर है। मैने इस बारे में एक काल अटैन ान मो ान का नोटिस भी भेजा है। स्पीकर साहब, इस बारे में सरकार को अव य वक्तव्य देना चाहिए।

श्री अध्यक्ष: औम प्रका ा जी आप बैठिए। यह नाम नही आयेगा।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मुझे एक लैटर मिला है, उसमें लिखा है कि कुछ लोगों को हरियाणा राज्य परिवहन डिपो, यमुनानगर में रोजगार कार्यालय द्वारा 26—7—84 को लगाया गया था। यह पत्र 29 आदमियों द्वारा भेजा गया है। इस के अनुसार 56 प्रार्थियो को नियुक्त किया गया था। चीफ मैडिकल आफिसर, अम्बाला द्वारा उनका मैडिकल भी करवाया गया था, एक महीने की ट्रेनिंग भी दी गयी थी लेकिन उनमें से 29 प्रार्थियों को, तीन महीने बाद, बिना कारण बताए, बिना वेतन दिये, बिना कोई

नोटिस दिये निकाल दिया गया है। इसलिए मेरी आपके द्वारा सरकार से रिकवैस्ट है कि उन लोगो का क्या कसूर है जिनको हटा दिया गया है? उनको न्याय मिलना चाहिए और उन लोगो को दोबारा नौकरी में लिया जाना चाहिए। इन प्रार्थियों से पहले 5–5, 10–10 हजार रुपये लेकर भर्ती किया गया था। और अब बिना कारण बताये, नौकरी से निकाल दिया गया है। इसकी पूरी तरह से जांच होनी चाहिए। सर, मै इस लैटर को आन दी टेबल आफ दी हाउस पर रखने के लिए तैयार हू।

श्री अध्यक्षः आप इस लैटर को मेरे चैम्बर में भेज देना।

श्रीमती चन्द्रावतीः ठीक है जी।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, कल भी मैं जीरो आवर में अपनी बात कहने के लिए खडा हुआ था और आपने यह कहा था कि आपने जो नोटिस दिया था, मैं उसे देख लूंगा। आ ाा है आपने अब तक मेरा नोटिस जो फरीदाबाद में काम कर रहे मजदूरो की जिंदगी को खतरे के बारे में है, को देख लिया होगा।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, जो वर्क्ज़ से सम्बन्धित आपका काल अटैन ान नोअिस था, उस पर मैने 48 आवर्ज़ में सरकार से कामैंट्स मांग लिये है।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, भजन लाल जी रोहतक में एक चुनाव सभा में कह कर आये थे कि चुनाव के बाद मैं रोहतक में पानी ही पानी कर दूंगा। रोहतक की दो लाख के

करीब आबादी है और वहां पीने के पानी की बडी दिक्कत है। इन्होने यह भी कहा था कि घर धर में पानी पहूंचा दूंगा, वह तो पहूंच ही रहा है लेकिन छः दिन से वहां पर पीने के पानी की बडी भारी दिक्कत लोगो को हो रही है।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, इसी प्वायंट पर श्री औम प्रका ा बेरी की तरफ से भी एक काल अटैन् ान मो ान का नोटिस आया हुआ है। उस पर मैने 48 आवर्ज़ में सरकार से कामैंट्स मांग लिये है।

श्री मंगल सेनः तीसरी बात तार वाली है जिसके बारे मे अभी मेरे भाई विरेन्द्र सिंह जी ने भी जिक्र किया है। भजन लाल जी अभी इंकार कर देंगे जैसी की इनकी आदत है। सरकार को इस बात की जांच करवानी चाहिए।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, ये छोटी छोटी बाते है। आप यह बताएंगे कि हर बात की इस असैम्बली की ही जिम्मेवारी है?

श्री मंगल सेनः स्पीकर साहब, सरकार की हर बात के लिए जिम्मेवारी बनती है। लोगों की जिन्दगी का सवाल है। चुनाव में मुखालफत कर दी तो यूनियन से निकलवा दिया। कभी कह देते है कि यह कर देंगे, वह कर देंगे। कभी पिस्तौल छाती पर रख देंगे। स्पीकर साहब, मुकद्म्मे दर्ज हुए है, बडा सीरियस मैटर है। इन बातों की जांच होनी चाहिए।

Mr. Speaker: He is replying to your point.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, इन को तो फोबिया हो गया है। (ाोर एवं व्यवधान) चौधरी वीरेन्द्र जी ने अभी श्री बलबीर सिंह का एक टेलीग्राम पढ कर सुनाया। उनको मैं अच्छी तरह से जानता हूं। वे भारतीय जनता पार्टी फतेहाबाद के वर्कर है। मै भी उसी तहसील का हूं। कांग्रेसी तो वे कभी हुए नही। पहले जनसंध में थे और अब भारतीय जनता पार्टी में है। (ाोर) वहां पर हमे ाा कांग्रेस ने इलैक ान लडा है और बाई–इलैक ान भी फतेहाबाद में हुआ था जिन में कांग्रेस जीतती रही है। कोई व्यक्ति यूं ही नही कह दे कि फलां जगह मेरे साथ ज्यादती हुई है तो कोई बात नही बनती। उसका किसी के साथ झगडा हो गया होगा, किसी से क्ले ा हो गया होगा जिसकी वजह से उसका नम्बर काट दिया होगा। बगैर नम्बर के कोई माल लाद कर जा रहा होगा। इस किस्त का कोई कारण हो सकता है। लेकिन बगैर मतलब के यह कह देना कि भजन लाल के भाई ने नम्बर काट दिया गलत है। कोई आदमी रोहतक में गुनाह कर दे तो कह देते है कि भजन लाल के भाई ने कर दिया होगा। इनको तो हर बात का फोबिया हो गया है, इसका कोई अन्त नही है। कोई बात अगर कहनी है तो सबूत के साथ कहें मैं मानने के लिए तैयार हूं। इनकी तरह नही, गलती करे भी और माने भी नही, अगर कोई गलती हमसे हुई है तो हम ठीक करेंगे। इसलिए मै इतना ही कह सकता हूं कि इस तरह की बे–बुनियाद बेसलैस बाते सदन में कहना, जिनका कोई मतलब नही है, कोई तुक नही है जिन बातों में कोई सच्चाई नही है, उनको यहां सदन में कहना

भाोभा नही देता। (ाोर एवं व्यवधान) कोई ठोस बात हो तो कहे, हम खु ाी से सुनेंगे।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, भिवानी में पीने के पानी की समस्या है। बिजली की की के कारण भी फसलें तबाह हो गयी है। इस बारे में मैंने एक कॉल अटैन्ा ान मो ान का नोटिस दिया था उसका क्या बना है जी?

श्री अध्यक्षः मैने उस पर कमैंटस मंगवा लिए है।

चौधरी मनफूल सिंहः स्पीकर साहब, मुझे एक ऐप्लीके ान मिली है और इस बारे में अखबारों में भी खबर छपी है कि दहेज के लालचियों ने एक विवाहिता को जला कर मार डाला है। यह मेरे हलके असंध के एक गरीब परिवार की घटना हैं। ऐप्लीके ान में लिखा है कि 27–8–84 को मैने अपनी लडकी की भाादी बडी धूमधाम से की थी। भाादी के बाद मेरा दामाद दहेज का लालची हो गया (ाोर) मै भाार्ट मे बता देता हूं। 25–2–85 को उस लडकी को लडके वाले अपने घर ले गये और 1–3–85 को उस लडकी को आग लगाकर जला दिया। हिसार में उन्होने पुलिस में रपट दर्ज करवाई लेकिन सरकार ने अभी तक कोई कार्यवाही नही की। स्पीकर साहब, यह बडा ही जरुरी सवाल है। इसकी जांच होनी चाहिए। आम लोगों की बहु–बेटियों को दहेज के लालच में जला कर मारा जा रहा है। जिस परिवार ने इस तरह का कुकृत्य किया है, उसके खिलाफ सरकार को उचित

कार्यवाही करनी चाहिए ताकि आगे से ऐसे लोगो को इस तरह के काम करने की जुर्रत न हो। मै इस पत्र को आन दी टेबल आफ दी हाउस रखता हूं।

चौधरी भजन लालः चौधरी मनफूल सिंह जी, आप यह लैटर मेरे पास भिजवा दें।

चौधरी मनफूल सिंहः अच्छा जी।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, कुछ दिन पहले मुख्य मंत्री जी ने सिरसा जिले के रानियां कस्बे में जलसा किया था। वहां उन्होने लोगो की डिमांड को देखते हुए सब–तहसील बनाने की अनाउंसमैंट की थी लेकिन अब तक उस बारे वहां काम चालू नही हुआ। उसके बाद लोगों की यह भावना बन गई है कि मुख्य मंत्री जी केवल घोशणा ही करते रहते हैं और काम कोई करते नही। (ाोर) इस बारे में मैने लिख कर भी दिया है।

श्री अध्यक्षः मै इसे कंसिडर करुंगा।

श्री मंगल सेनः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै आपकी रुलिंग चाहता हूं कि सदन में गवर्नर एड्रैस पर या सप्लीमैंटरी एस्टिमेट्स पर हम अपनी बात कहते है जो हमें रुल्ज़ के मुताबिक कहने का अधिकार है अगर उस दौरान हम मुख्य मंत्री जी का ध्यान इनकी ज्यादतियों पर लाएं तो ये बडे नाराज होकर कहते है कि मै आपकी तरह बे आधारित बात नही करता। ये जो चाहे कब दें क्योंकि ये मुख्य मंत्री है * * * * * * * * * * * * * और

बडी अम्ब्रेसिंग पोजी ान हो जाती है। हमें तो बकायदा आपकी इजाजत लेकर बात करनी पडती है। मैं कहना चाहता हूं कि जीरो आवर इसी परपज़ के लिए है कि गवर्नमैंट की कोई ज्यादती हो या किसी इंडिविजुयल का फंडामैंटल राइट एनक्रोच होता हो तो हम इस वक्त मामला सदन में उठा सके। (विघ्न्) अगर ऐसी बात कहने के लिए यह फोरम नही है तो कौन सा फोरम है। किसी मैम्बर को अगर ऐसी बात कहने का भी राइट नही है तो क्या किा जाए (ाोर)।

राजस्व मंत्री (श्री लछमन दास अरोडा): @ @ @ @ @ @ @ @ @ @ @

श्री हरि चन्द हुडडा: स्पीकर साहब, मै आपकी मार्फत अपने दोस्तो से पूछना चाहता हूं कि चौधरी भजन लाल ने क्या कसूर किया है। पिछले 37 सालों में जो भी बडा आदमी हुआ उसने क्या नही बनाया। ** ** ** ** ** अगर हिन्दुस्तान का कोई बडा आदमी इससे बचा न हो तो उसका क्या कसूर है? (ाोर)

श्री अध्यक्ष: यह नाम रिकार्ड न किया जाएं।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, इनका तो सिवाए इन बातों के और कोई काम ही नही होता। ये कोई नीति की या स्टेट के हित की बात नही करते। जैसा कोई इन्सान खुद होता है वह वैसा ही दूसरो के बारे में सोचता है। यह प्रकृती का नियम

हैं। मैं घटिया बातों पर नही आना चाहता, अगर आना चाहूं तो सबके बारे में बता सकता हूं कि ये कैसे है? (ोर)

श्रीमी चन्द्रावतीः जनाब इनके परिवार के लोगो ने कानून अपने हाथ में ले रखा है। जब हम इनके बारे मे बात करते है तो इनको तकलीफ होती है। * * *

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाएं।

चौधरी औम प्रका ाः स्पीकर साहब, मैने दो तीन काल अटैन् ान मो ान दिये थे। उनमें से एक झज्जर जिला, रोहतक में पीने के पानी के बारे में था जिसके बारे में आपने कह दिया कि गवर्नमैंट के कमैंटस मांगे हुए है। एक दूसरा झज्जर भाहर में सीवरेज के बारे में रोंगफूल और इललीगल बिल्ज़ के बारे में था.... ....।

श्री अध्यक्षः यह मैने डिस–अलाउ कर दिया है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने इस बात का बुरा माना कि हमने टेलीग्राम क्यों पढा। स्पीकर साहब, जिस बात को हम ठीक समझते है उसी को ही आपके नोटिस में लाते है। हमारे पास बहुत से टैलिग्राम आते है लेकिन जो ठीक हो, उसी को आपके नोटिस में लाते हैं। यहां पर और भी मंत्री है और उनके भाई और रि तेदार है, उनके बारे में हमें कोई कभी टेलीग्राम रिसीव नही हुआ। अगर हम कोई बेजा बात कहे तो हमने अपनी तरफ से कही हो तो बताऐ। बाकी मंत्री यहां पर एक

नही बल्कि 25 की कतार बैठी है, इनके किसी भाई, लडके या रि तेदार के खिलाफ हमारे पास कोई बात नही आती। इन्ही के भाई के खिलाफ आती है इसका क्या कारण है? ये कहते है कि मैं सबकी पोल खोल दूंगा। मै चाहता हूं कि आप एक दिन इन को मौका दे दें ताकि इनकी तसल्ली हो जाए। स्पीकर साहब, आप आज ही इनको यह मौका दे दें ताकि इनके सामने जिसकी बोलने की हिम्मत हो वह बोल सके।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इनका तो एक ही प्रोग्राम है, टैलीग्राम्ज़ दिलवाने का। जब ये बात करते है तो यही कहते है कि इनके परिवार ने ज्यादती कर दी। कम से कम इन्सान को थोडा पिछै झांक कर भी देखाना चाहिए। मुझे अपने परिवार पर पूरा फख्र है। कोई भी कह दे कि मेरे परिवार का पोलिटिक्स में दखल है तो मैं सजा भूगतने के लिए तैयार हूं। * * * आप जैसा मेरा परिवार नही है। आपके बेटे दखल देते थे। यहां तक कि पोतों तक का भी दखल था। एक एक एम0 एल0 ए0 पोतों तक को नमस्ते करता था। जो फैसला वह * * * * * * करते थे वही फैसला माना जाता था। (ाोर)

श्री अध्यक्षः किसी का नाम रिकार्ड पर नही आएगा।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, पिछले दिनों उचाना के साथ लगते हुए एक गावं में, जहां भूगर मिल लग रहा है, वहां मुख्य मंत्री जी सूबे सिंह जी के लिए वोट मांग

रहे थे। वहां के लोगो ंसे इन्होने वायदा किया था कि भूगर मिल लगाने के लिए जिनकी जमीन ली जाएगी, उनके एक एक लडके को भूगर मिल में नौकरी देंगे। इन्होने वहां के 15–20 लडके डेली वेजिज़ पर लगाए थे लेकिन अब उनको हटा दिया गया है। क्या उनको दोबारा लगाया जाएगा?

चौधरी भजन लालः सभी भूगर मिलों में टैम्परेरी तौर पर लडके लगाए थे, उन सभी को हटा दिया गया है।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, आप कहते हैं कि सी0 एम.0 साहब हर बार खडे हो जाते है। अगर कोई हर बात में ऐलीगे ान लगाएगा और किसी 'वायदे' का लफ्ज़ लाएगा तो वे खडे होगें ही और उसका जवाब देंगे।

श्री मंगल सेनः मैने तो आपकी रुलिंग चाही थी कि एक मैम्बर के लिए अपनी बात कहने का और कौन सा फोरम है जहां हम स्पीकर साहब की अटैन्ा इन इनवाइट न कर सके। हमें ये कहते है कि हम गलत बोलते है, क्या सच के अवतार तो यही है।(ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी कह रहे है कि हम बार–बार उन पर एलिगे ान लगाते है। स्पीकर साहब, जब एक्टीविटीज ही ऐसी हो और हम फैक्टस देकर बात कहना चाहे तो क्यो न कहें? इनको तो विदआउट युअर परमि ान सब कुछ कहने की इजाजत है, जो चाहें एलिगे ान लगाऐं। लेकिन

जब हम खडे होते है तो इनको क्यों तकलीफ होती है? स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि फैक्ट्स के साथ नाम देकर, तारीखें दे कर, नोटिफिके ान नम्बर दे कर हम सबमिट करते हो और उसको भी ये बेबुनियाद चार्जिज कहे तो ठीक नही ।हम जो चार्जिज़ लगाते है, यदि वे बेबुनियाद है तो उस बारे में इन्कवायरी करवाने में क्या दिक्कत है? इनको ऐसा कहने से कोई फर्क नही पडता कि मैं इस्तीफा दे दूंगा यदि कोई गलत बात हो। आप ज्यूडि ियल इन्कवायरी करवा लें, सारा मामला तय हो जाएगा। आप जुडि ियल कमि ान बैठा दें चाहे लोकायुक्त बैठा दें, सारे मैम्बर्ज़ के खिलाफ जितनी भी बातें है, वह सारी क्लीयर हो जाएंगी। स्पीकर साहब, इनके खिलाफ जितनी ऐलीगे ान होगीं, ज्यादतियां इररेगुलैरिटीज़ होंगी यदि हम उनको विधान सभा के अन्दर प्वायंट नही करेंगे तो दूसरा कौन सा प्लेटफार्म हैं जहां पर हम इनकी इररेगुलेरिटीज़ को प्वायंट आउट करें।

मैने आपकी सेवा में एक काल अटैन ान मो ान का नोटिस दिया था जिसमें 4 प्रैस वालो के नाम लिखे थे। जब हम ऐसी बात कहते हैं, चाहे प्रैस स्टेटमैंट के जरिए कहते हैं या हाउस में कहते है और जब वे बातें प्रैस में छपती हैं तो यह सरकार प्रैस वालो का भी गला घोंटती है। स्पीकर साहब, इनके पास जनरल सैक्रेटरी, ने ानल यूनियन आफ जरनेलिस्ट (इंडिया) श्री एन0 के0 तिरखा का लैटर आया है जिसमें उन्होने लिखा है

कि सरकार हमारे प्रैस के चार आदमियों को तंग कर रही है या पुलिस से तंग करवाती है।

Shri Mangal Sein: If this is true then it is a very serious matter, Sir.

श्री अध्यक्ष: चौधरी भाम ोर सिंह की बात सुन लें, उसके बाद मैं इसका जवाब दूंगा।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा और दूसरे कई मैम्बरान ने भी कहा कि हम किसी मंत्री या मैम्बर के खिलाफ नही कहते, मुख्य मंत्री के खिलाफ क्यों कहते है। स्पीकर साहब, ये खुद ही बात करते हैं और उसका जवाब खुद ही रखना चाहते हैं। स्पीकर साहब, आपोजी ान के साथियों का यह डैलिब्रेटली परिप्लांड वाइल्ड एलीगे ांज़ इन्सीनिवे ांज, कंजेक्चर्ज और सरमाइजिज़ लगाने का काम था और एक ऐसी माहौल पैदा करने का प्रयत्न इन्होने किया। इन्होने सोचा कि इतना किचड फैंको उसमे से सारा नही उतरेगा तो कुछ न कुछ लगा रह जाएगा इसलिए इन्होने मुख्य मंत्री जी पर इन बातों का अटैक किया। मेरे अपोजी ान के भाईयों का यह ख्याल है कि इस तरह की बातें कह कर मुख्य मंत्री और मंत्रियों को डिवाइड करना चाहते है। यह उनकी गलतफहमी है। इसमें उनको कामयाबी नही मिलेगी। यदि वे चीफ मिनिस्टर को अटैक कर रहे है तो उसमें पूरी गवर्नमैंट भाामिल है। सारी रुलिंग पार्टी मुख्य मंत्री जी के साथ है।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।(ाोर)

* * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष: मेरी इजाजत के बगैर कोई बात रिकार्ड न कि जाए।

श्री मंगल सेन: स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। * * * *(ाोर)

श्री अध्यक्ष: यह भी रिकार्ड न कि जाए।

श्री मंगल सेन: स्पीकर साहब, पार्लियमैंटरी अफैयर्ज़ मिनिस्टर साहब ने कहा कि हमे ंवाइल्ड ऐलिगे ान लगाते की आदत है। It is absolutely wrong. We always speak on facts and truth, nothing but truth. In a democratic set up, it is a duty of a Member.

श्री अध्यक्ष: डा0 साहब, आपकी बात आ गई है। अब आप बैठिए। सम्पत सिंह जी इस सम्बन्ध में आपका अटैन ान मो ान नं: 16 था। I have disallowed this on the following grounds:-

(1) That the matter is not of urgent nature.

(2) That there is no resentment among the journalists in Haryana or the public.

(3) That there is no danger to the freedom of the Press as alleged.

वाक आउट

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अगर आप इस काल अटैन्शन मोशन को एडमिट नही करते और आप यह समझते है कि प्रैस को कोई खतरा नही है तो हम एज ए प्रोटैस्ट वाक आउट करते है।

(इस समय विरोधी पक्ष के सभी माननीय सदस्य सदन से वाक आउट कर गए)

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

(विलेज पालडी और राजुपूर, पी0 एस फारुखनगर जिला गुडगांव पर एक गैंग द्वारा अटैक किये जाने सम्बन्धी)

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, मुझे श्री राम विलास भार्मा, एम0 एल0 ए0 की ओर से विलेज पालडी और राजुपूर, पी0 एस फारुखनगर जिला गुडगांव पर एक गैंग द्वारा अटैक किये जाने के बारे में काल अटैन्शन नोटिस मिला है, मै इसे एडमिट करता हूं। श्री राम विलास भार्मा अपना नोटिस पढ दें। अगर मिनिस्टर साहब इसका जवाब आज देना चाहे तो दे दें।

श्री राम बिलास भार्माः इस महान सदन का ध्यान एक अत्यन्त महत्वपूर्ण और लोकहित के मुद्दे पर दिलाना चाहते है कि

20—0—85 को गावं पालडी (फारुखनगर) के पास गुडगांव जिले में रात्रि में एक गिरोह ने पूरे गांव पर हमला किया। इसमें कई औरतें और बच्चे घायल हो गए। इस के बाद 23—2—85 को पालडी के नजदीक राजुपूर गांव में थाना फारुखनगर मे इसी गिरोह ने फिर रात्रि को हमला किया वहां पर कई कारतूस चले। लगभग पांच घंटे घेराबंदी के बाद गांव वालो की मुकाबले से यह गिरोह वापस हुआ। 27—2—85 को इसी तरह छिलर गांव को घेर लिया। 6—3—85 को सायं 05:30 बजे गांव राजुपुर को फिर इसी गिरोह ने घेर लिया। वहां पर गांलियां चली। अब तक किसी की गिरफ्तारी नही हुई है। सारे इलाके में दह ात फैली हुई है। लोग आतंकित है। सरकार इस पर कार्यवाही करे तथा इस सदन को उससे अवगत करवाए।

स्पीकर साहब, इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि यह काल अटैन ान मो ान देने के बाद, उसी एरिया में एक गांव है जोड सांप, उस गांव में भी दो आदमियों को मार दिया गया है। इस कारण से उस एरिया में लोगों के अन्दर आतंक और दह ात फैली हुई है। इसलिए मैं सरकार से दरख्वास्त करुंगा कि उस एरिया के लोगों को आतंक से दूर करने के लिए सरकार सदन के अन्दर अपनी नीति स्पश्ट करें।

वक्तव्य

मुख्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, आदरणीय विधायक ने मान्य सदन का ध्यान जिला गुडगांव में डकैती के कुछ घटनाओं की ओर दिलाया है, उस घटना के तथ्य, जो 20/21–2–85 को ग्राम पलडी थाना फारुखनगर जिला गुडगांव में हुई, इस प्रकार है कि डाकुओं का एक गैंग जिसमें 9 अपराधी भाामिल थे, रात करीब 12:30 बजे ग्राम पलडी में धर्म सिंह पुत्र चन्द्र सिंह अहीर के घर के समीप आये। श्री चन्द्र सिंह जो अपनी बैठक में सोया हुआ था, जाग गया और उसने भाोर किया। डाकुओं ने उस पर गोली चलाई और जबरदस्ती उसके घर में घुस गये। उन्होने उसकी (चन्द्र सिंह) की पत्नी को धमकाया और उसे अलमारी की चाबियां देने के लिए कहा। जयपाल पुत्र चन्द्र सिंह डाकुओ के साथ गुथमगुथा हो गया परन्तु जख्मी हो गया।

डाकू सोने के आभूशण तथा 3500 रु की नकदी ले गए। श्री चन्द्र सिंह जो गोली लगने से जख्मी हो गया था, मर गया। डाकू मारु सिंह पुत्र हर सहाये, मंगल पुत्र राम सरुप, परभाती पुत्र नत्थू, अहीर और राम सिंह पुत्र मुन् ाी, सतपाल पुत्र मनफूल, मनोहर पुत्र राम नारायण, सुखपाल पुत्र सुल्तान सिंह, राजेन्द्र पुत्र श्री राम, रोहता सिंह पुत्र देवी सहाय और राम कुमार पुत्र सुल्तान सिंह राजपूत के घरों में भी घुसे। कुल मिलाकर 6 आदमी और 2 औरतें जख्मी हुए जिन में से 4 आदमी बन्दूक की गोलियों से जख्मी हुए जबकि 2 आदमी और 2 औरतो को मामूली

चोटें आई। उन्हे हस्पताल में दाखिल करवा दिया गया। यह कहना गलत है कि 20 घर लूटे गये।

यह कहना भी गलत है कि दिनांक 23–2–85 को गैंग ने ग्राम पालडी के नजदीक ग्राम राजुपूर पर भी आक्रमण किया। यह सच है कि उस रात को गोली चली। भय के कारण ग्राम वासियों ने गोलियों चलाई जबकि मध्यरात्रि में उन्होने एक वाहन को अपने ग्राम की ओर आते देखा। अनुसन्धान से पता चला है कि यह ग त डियूटी पर पुलिस जीप थी जिसे गलती से डाकुओ का वाहन समझ कर गोलियां चलाई गई थी। उस रात किसी तरह का कोई जानी नुक्सान नही हुआ।

दिनांक 27–2–85 को ग्राम छिलर नारनौल में कोई भी डकैती व लूट की घटना नही हुई।

दिनांक 6–3–85 की ग्राम राजूपुर घटना के बारे, जांच से पाया गया है कि कुछ ि ाकारी जीप में उस ग्राम मे आये, कुछ पक्षियों को मारा और उन्हे लेकर चले गये। किसी भी डकैती व लूट की कोई रिर्पोट नही मिली जैसा कि आरोप लगाया गया है। प्रभावी क्षेत्रो में पुलिस ग त तेज कर दी गई है। जैसा आरोप लगाया गया है वैसा वहां कोई भय व आतंक नही है। भोश अपराधियों को पकडने के लिए तेजी से अनुसन्धान किया जा रहा है। उपरोक्त उठाये हुए कदमो को ध्यान में रखते हुए इस मामले की कोई भी आव यक बात नही रह गई है।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने अपने लिखित जवाब में कहा है कि पुलिस के साथ मुठभेड हुई है, राव गणे ी लाल थाना प्रबंधक भी इसमें जख्मी हुआ और कई लोग मारे गए है। फिर ये कहते है कि इसमें कोई सच्चाई नही है। (विघ्न्) स्पीकर साहब, मै सरकार के हित की ही बात कर रहा हूं। वहां पूरे इलाके में गोलियां चली है। लेकिन ये कह रहे है कि छिलर ग्राम में कोई गोली नही चली और यह ग्राम नारनौल जिले में आता है। मै इनको बताना चाहता हूं कि ग्राम छिलर भी थाना फारुखनगर के अधीन ही आता है। इसको आप देख लें। वहां के लोगो मैं काफी दह ात फैली हुई है। मै पूछना चाहता हूं कि इस दह ात को खत्म करने के लिए कोई कम्पीटैंट आफिसर लगाएंगे ताकि लोगो में अमन–चैन कायम हो सके?

श्री अध्यक्ष: इस बारे में इन्होने बता दिया है कि प्रभावित क्षेत्रो में पुलिस ग त तैज कर दी गई है। इसके अलावा, छिलर ग्राम की घटना के बारे में बताया है कि वहां पर डकैती या लूट की कोई घटना नही हुई।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मैं फिर बताना चाहता हूं कि छिलर ग्राम नारनौल जिले में नही आता। यह गांव जिला गुडगांव मे ही पडता है। वहां पर थाना अध्यक्ष श्री गणे ी लाल जख्मी हुए है। ग्राम छिलर के अन्दर भी डाकुओ के साथ मुठ–भेड हुई है। मै चाहता हूं कि सरकार वहां लोगों में फैली दह ात को खत्म करने के लिए अधिक से अधिक कदम उठाए।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मैने पहले ही बता दिया है कि उस इलाके में पुलिस की ग त तेज कर दी है। इनको मुबारक बाद देनी चाहिए कि उस पुरे गैंग को हमारी पुलिस ने पकड लिया है। यह गैंग यु0 पी0 मथुरा–आगरा साइड की है। इस गिरोह के 12 सदस्य थे। जिसमें से 8 डाकू पकड लिए गए है। 4 डाकू अभी पकडने भोश हैं। जो डाकू पकडे गए है इनमें से 6यू0 पी0 के और 2 हरियाणा के रहने वाले हैं। जो 2 डाकू हरियाणा के रहने वाले है, यही उस गैंग को सी0 आई0 डी0 देते थे कि कहां कहां पर डाका डालना है। जो 4 डाकू पकडने भोश रहते है, उनको भी हमारी फोर्स जल्दी ही पकड लेगी। मै पुलिस को मुबारकबाद देता हूं कि उन्होने इन डाकुओ को पकड लिया। हमारी पुलिस की कोि ा ा रहती है कि प्रदे ा में किसी प्रकार की कोई घटना न घटे।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मैं सिर्फ एक सवाल और पूछना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आपने जो पहला सवाल पूछा है, मुझे तो वह भी ठीक नही लगा, क्योंकि जो सवाल आपने पूछा है, उसका जवाब तो पहले ही मुख्य मंत्री जी ने दे दिया था।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मेरा दूसरा सवाल यह है कि क्या इस डाके के अन्दर मेवात एरिया के किसी सरपंच का नाम भी भाामिल है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इस गिरोह में इस गिरोह में सरदार मलखान सिंह है। इसके भाई लखन सिंह को पुलिस ने पकड लिया है। मैने बताया है कि 12 आदमी इस डाके में भाामिल थे।

श्री अध्यक्षः ये पूछ रहे हैं कि क्या मेवात एरिया के किसी गांव का सरंपच भी गिरोह में भाामिल है या नही?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, हरियाणा के दो व्यक्ति इस गिरोह में भाामिल है। एक जनोला गांव का सुरे ा कुमार और दूसरा चुगाना गांव का महावीर है।

अध्यक्ष द्वारा घोशणा

पंजाब युनिवर्सिटी सैनिट के लिए चुनाव स्थगित करने सम्बन्धी

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, पंजाब युनिवर्सिटी की सैनेट में हरियाणा सभा के सदस्यो द्वारा 2 आर्डनिरी फैलोज़ का कल चुनाव होना है और जो सर्कुलर जारी हुआ है उसके मुताबिक 11:00 बजे से 3:00 बजे के बीच में मतदान होगा। इस सम्बन्ध में मेरा कहना है कि कल बजट पे ा होना है और उसके प चात् सै ान खत्म हो जाएगा। कवै चन आवर के बाद तकरीबन एक घण्टा बजट पे ा होने में लगेगा जिसका मतलब यह है कि 11:00 बजे के बीच सै ान समाप्त हो जाएगा और उसके बाद मैम्बर साहेबान यहां से

जाना चाहेंगे।इसलिए मेरा सुझाव है कि कम की बजाये इन आर्डनरी फैलोज़ का चुनाव परसों करा लिया जाये ताकि मैम्बर साहेबान अपना मतदान ठीक प्रकार से कर सके। (विघ्न्)

श्री अध्यक्षः सुरजेवाला साहब ने सुझाव दिया है कि पंजाब युनिवर्सिटी को सैनेट के लिए असैम्बली के मैम्बरो द्वारा आर्डनरी फैलोज़ के लिए जो चुनाव होता है, वह कल की बजाये परसों करा लिया जाए क्योंकि कल बजट पे ा होने के बाद मैम्बर साहेबान जाना चाहेंगे।

आवाजें: ठीक है जी, यह चुनाव परसों करा लिया जाये।

श्री अध्यक्षः अच्छी बात है, यह चुनाव परसों करा लिया जाये।

दि हरियाणा एप्रोप्रिए ान (नं0 1) बिल, 1985

श्री अध्यक्षः अब फाइनैंस मिनिस्टर, हरियाणा एप्रोप्रिए ान (नं0 1) बिल, 1985 को एन्ट्रोडयूस करने और कन्सीडर करने का मो ान मूव करेंगे।

Finance Minister (Shri Sagar Ram Gupta): Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No. 1) Bill, 1985

Sir, I beg also to move-

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill be taken in to consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill be taken in to consideration at once.

डा0 भीम सिंह दहिया (रोहट): स्पीकर साहब, इस सदन के सामने जो एप्रोप्रिए ान बिल आया है, मैं इके विरोध में बोलना चाहता हूं। इस बिल के जरिए जो एक्सैस पैसा खर्च हो गया है, वह मांगा गया है। सबसे पहले मैं इस बिल की डिमांड नं 2 जो पी0 डब्लू0 डी0 की है, पर बोलना चाहूंगा। स्पीकर साहब, वहां का सब–डिविजन जो पंचकुला और चण्डीगढ का है वह अपने कैबिनेट के लोगों की देखभाल करता है। इस सब–डिविजन के अन्दर काफी गडबड है और इस गडबड की वजह से यह काफी बदनाम और नटोरिय हो चुका है। स्पीकर साहब, इस सब–डिविजन के बारे में अखबारों मे भी किस्से आते रहते है। कल ही एक अखबार मै खबर थी कि वहां के एक कर्मचारी ने 6 हजार रु के चैक को 60 हजार रु का बनवा कर पैसे निकलवा लिए हैं। यहां पर एक एस0 डी0 ओ0 साहब है जो सरकारी काम के साथ साथ कान्ट्रैक्ट का और बिजनेस का काम करते है। यह एस0 डी0 ओ0 बैलेंस 1 लाख रु के करीब दिखाते हैं लेकिन जब वैस्ट की चैकिंग करते हैं तो एक पैसा भी नही मिलता। इस प्रकार यहां पर गलत पैसा इस्तेमाल किया जा रहा है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि जो इस प्रकार के डिवीजन या सब–डिवीजन है जिन में इस किस्म के कर्मचारी है उनके उपर चेक होनी चाहिए। ये हेराफेरी करके पैसा इधर–उधर करते रहते हैं। जो हर साल एक्सैस एक्सपैंडीचर होता

है उसकी तरफ भी सरकार को ध्यान नही है। सरकार ने आज तक इस तरह की कोई चैकिंग नही की। स्पीकर साहब, हम पी0 ए0 सी0 की मीटिंग में भी इस तरह के पैसे देखते है जिनमें हर डिपार्टमैंट में और वि ोश कर पी0 डब्लू0 डी0 में काफी पैसा एक्सैस खर्च किया जाता है। स्पीकर साहब, यह जो एक्सैस स्पैंडिंग की जाती है, यह गलत बजेटिंग का नमूना है। जो लोग पैसा खर्च करने वाले है, उनको पता है कि पैसा तो हाउस से पास करवा ही लेना है क्योकि इनकी मजोरिटी है, मैजोरिटी के बेसिस पर पास हो ही जाना है। अब मैं डिमांड नं0 3, जो होम के बारे में है, थोडा सा अर्ज करना चाहता हूं। सप्लीमैंटरी एस्टीमेट्स पर बोलते हुए भी मैने कहा था कि कई करोड रुपया खर्च किया जा रहा है क्योंकि गवर्नमैंट को पुलिस फोर्स बढानी है। हमें यह समझ नही आता कि हरियाणा बनने के बाद कई गुणा पुलिस फोर्स क्यों बढ गई। एक लिहाज से ठीक ही बढी है क्योंकि पुलिस का काम बहुत बढ गया है। पहले पुलिस को लॉ एण्ड आर्डर ही देखना होता था लेकिन अब कई किस्म के काम करने पडते है। चाहे पंचायत समितियों के इलैक ान हो, चाहे बाई–इलैक ान हो, चाहे पार्लियामैंट के जनरल इलैक ान हो, चाहें विधान सभा के इलैक ान हो इन में पुलिस का पुरा इस्तेमाल किया जाता है। पिछले दिनों, स्पीकर साहब, आपने सुना होगा, पंचायत के कुछ मैम्बर्ज को पुलिस उठा कर ले गई थी। उनकी मार पीट की गई क्योंकि ये चाहते थे कि किसी खास कैंडिडेट को वोटें दी जायें और उसको ब्लाक समिति का चेयरमैन बनाया जाए। स्पीकर

साहब, इससे मैं यही समझा हूं कि जब तक कांग्रेस की मैजोरिटी न हो जाए, तब तक ब्लाक मे ंइलैक ान नही होगें। इस में चाहे थानेदार का इस्तेमाल करना पडे, चाहे डी0 एस0 पी0 को इस्तेमाल करना पडे, इस्तेमाल किया जाता है। मतलब यही है कि इनकी मैजोरिटी होनी चाहिए। यह सारा काम पुलिस से करवाया जाता है। अपोजि ान के लोगेां को काबू करने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया जाता है ताकि अपोजि ान के लोग इनके गडबड घोटाले को प्रका ा में न ला सके। पुलिस के द्वारा टैरर क्रिएट किया जात है। सरकार के किसी नेता ने आना हो और भाशण देना हो तो उस जलसे में आदमी इकटठें करने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया जाता है। अगर लोग पुलिस द्वारा जबरदस्ती न आएं जो गांव के लम्बरदार या सरपंच को पकड कर ऐसा माहौल क्रिएट किा जाता है जिससे लोग डरें। इसके अलावा, पुलिस से और भी कई खतरनाक काम लिए जाते है। पानीपत में पिछले दिनों बडी गडबड हुई। एक खास कम्युनिटी के लोगों को मारा गया। इस में पुलिस का हाथ था। पुलिस के लोग प्लेन क्लोथज़ में गडबड करवाते हैं।मुझे समझ नही आती कि आजकल पुलिस का यह काम क्यों हो गया। सरकार को प्रजातंत्र को बचाने की जिम्मेवारी लेनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अगर आप यह देखेंगे कि हरियाणा में जो काम होंगे, वे कायदे कानून के हिसाब से नही होंगे। इस हिसाब से होंगे जिस में देखा जाएगा कि फलां काम किस आदमी का है। अगर कांग्रेस पार्टी का नेता होगा या उसका रि तेदार होगा तो सब कुछ हो जाएगा, अगर नही होगा तो कुछ

नही होगा। स्पीकर साहब, मैं परसों टोहाना गया था। वहां एक बंसल सिनेमा है। बंसल सिनेमा वाले का सिर्फ इतना ही कसूर था कि उसने लोकदल का झंडा लगा रखा था। इलैक ान के दौरान 5 तारीख की रात को उस सिनेमा को बहुत नुकसान पहुंचाया गया। (व्यवधान) मैं वहां देख कर आया हूं। वहां एक पब्लिक जलसा था। हमारी पब्लिक लाईफ है हमें जाना पडता है। मैने उस सिनेमा को खुद देखा है। 5 तारीख की रात को कुछ लोगो ने, जो कांग्रेस पार्टी के थे, उस सिनेमा पर हमला कर दिया। इन्होने नया नया इलैक ान जीता था, भाराब पी रखी थी और न ो में थे। इन लोगो ने सिनेमा को बहुत नुकसान पहुंचाया। सिनेमा के विंडो पैनज़ और लाईट समै ा कर दी। सिनेमा वाले डर कर स्ट्रांग रुम में घुस गए लेकिन इन लोगों ने उन पर बरछो के साथ हमला किया। जहां ऐसा वातावरण हो, वहां इन्साफ की क्या उम्मीद हो सकती है। जहां वोट देने का हक न हो, जहां यह भी हक नही कि अपनी पार्टी का झंडा लगा लें, वहां डैमोकसी कैसे जिंदा रह सकती है। जहां तक कांग्रेस पार्टी के झण्डे का ताल्लुक है कांग्रेस पार्टी के लोग इस झंडे को घरो पर नही लगाते, दुकानो और फैक्ट्रियों पर लगाते है ताकि लोग वहां आने से डरें। सरकार ने सारा वातावरण खराब कर रखा है। हरियाणा में किसी भी कायदे कानून का पालन कोई आफिसर नही करता।

स्पीकर साहब, अब मैं डिमांड नं0 5 पर बोलना चाहता हूं जो स्टेट एक्साईज के बारे में है। इस डिमांड के नीचे एक

आईटम है जि के बारे में मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि स्टेट में एक और डिस्टिलरी हरियाणा में लगेगी। आज हरियाणा में सरकार भाराब को जितना बढावा दे रही है, इतना भाायद हरियाणा बनने के बाद कभी भी बढावा नही मिला। यह तो कोई जरुरी नही कि डिस्टिलरी की ही फैक्ट्री लगनी है और कई अच्छी चीजें है जिनकी फैक्ट्रीज़ लगाई जा सकती है। बी0 एच0 ई0 एल0 यूनिट यूनियन गवर्नमैंट की एक बहुत बउी कंसर्न है, इसका प्लांट क्यों नही हरियाणा मे ंलगाया जाता? और भी कई बडे बडे उद्योग है वे लगाए जा सकते है, लेकिन इनको डिस्टिलरी ही मिलती है। एक सिस्टम इन्होने ठेके औक ान करने का बना रखा है। इस सिस्टम के द्वारा ये ज्यादा से ज्यादा पैसा इकटठा करते है। हर साल ठेका नीलाम होता है और हर साल इसमें 40 प्रसैंट की बढोतरी होती है। बाद में ठेकेदार चाहे कुछ भी मिलावट करे, लेकिन अगर पिछले साल ठेका 5 लाख में गया तो इस साल 7 लाख में देते है। अगर 5 लाख का ठेका 7 लाख मैं देंगे तो जाहिर है कि ठेकेदार को हेराफेरी करनी पडेगी, तभी वह कमायेगा। इससे लोगों की सेहत खराब होगी। इस तरह अडल्ट्रे ान से हूच ट्रेजडी होती है। आप अन्दाजा लगा सकते है कि साल भर में कितनी बोतले बिकती है और उनसे कितना मुनाफा हो सकता है। आपके पास अमला है, आप चाहे तो सारी फिगर्ज इकटठी कर सकते हैं। हिसाब किताब लगाने से जो जायज मुनाफा है वह ठेकेदार को छोड दिया जाए लेकिन इस तरह से पांच–पांच सात–सात लाख में औक ान करना ठीक नही है। ठेके की औक ान एक तरह से

गैम्बलिंग है। लोगों के दिमाग में यह बात बैठ जाती है कि एक बार सरकार को औक ान में ज्यादा से ज्यादा पैसा दे दो, फिर बाद में जो कुछ मर्जी आये, करते रहेंगे। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि लोगो को इस जहमत से छुडा दिया जाए, यह बडी गलत बात है। इस सिस्टम को बदलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः अब आपका समय हो गया है।

डा0 भीम सिंह दहियाः ठीक है जी, मैं बैठ जाता हूं। इन भाब्दो के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री फतेह चन्द विज (पानीपत): स्पीकर साहब, ऐप्रोप्रिए ान (नं 1) बिल, 1985 हाउस के सामने है और उस पर डिस्क ान हो रही है। मै सरकार का ध्यान खास तौर पर फाईनैंस मिनिस्टर साहब का ध्यान इस ओर दिलाउंगा कि यह ऐप्रोप्रिए ान किस कदर मिसऐप्रोप्रिए ान हो रहा है या होगा। मै कुछ प्वायंट्स आपके सामने रखूंगा पानीपत के जी0 टी0 रोड से जब यू0 पी0 की रोड भ्रुरु होती है उस रोड को उंचा करने के लिए दो अढाई महीने पहले मिटटी पडनी भ्रुरु हुई थी। उसमे ंकही पर तीन फूट, कही पर दो फुट और कही पर एक फुट मिटटी पडनी है। लेकिन पिछले एक महीने से काम बन्द पडा है। उस रोड से यू0 पी0 और हरियाणा का ट्रैफिक, ट्रक और बसें आदि सैंकडो की तादात में रोजाना आता जाता है। जब कभी कोई ट्रक या बस वहां से गुजरती है तो आंधी की तरह मिटटी उड कर दुकानो के अन्दर

दाखिल होती है। जब महकमे से पूछा गया कि यह काम बन्द क्यों हो गया है तो बताया गया कि ठेकेदार से कोई झगडा है। स्पीकर साहब, चौधरी कटार सिंह जी भी अपने हलके में जाने के लिए वहीं से गुजरते हैं। मैने जब इसके बारे में इनसे पूछा तो कहने लगे कि वाकई दिक्कत वाली बात हैं। स्पीकर साहब, अगर एक बारि ा हो गई तो सारा ट्रफिक रुक जाएगा। आगे छानबीन करने पर पता यह लगा कि जब टैन्डर मांगे गए थे तो उसमें यह कंडी ान लगा दी गई थी कि मिटटी 14 किलोमीटर दूर से आएगी। पता नही किस गर्ज से यह लिख दिया गया। मिटटी जितने फुट डलवाई जानी थी वह बात इसमें लिखी जाती। ठेकेदार ने टैन्डर तो दे दिया लेकिन उस कहीं दो तीन किलोमीटर की दूरी पर मिटटी मिल गई और वह उसे डाल रहा था। इस पर डिपार्टमैंट ने उससे कहा कि आप 14 किलोमीटर दूर से मिटटी क्यों नही ला रहे हो? इस झगडे में वह काम अब वह एसे ही पडा है। स्पीकर साहब, आप दिल्ली जाते है। आप देखै कि वहां जी0 टी0 रोड पर जितनी भी दुकाने है, उनके आगे पर्दे लगे हुए है क्योंकि सारी मिटटी अन्दर जाती है। पब्लिक वर्क्स मिनिस्टर के नोटिस में भी मैं यह बात लाया हूं।

लोक निर्माण मंत्री (श्री अमर सिंह): वह सडक बन रही है।

श्री फतेह चन्द विज: स्पीकर साहब, वहां बाई–पास बनाने का काम भी कई सालो से पैंडिंग पडा है। वैसे तो उसे

सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने बनाना है लेकिन प्रदे ा सरकार द्वारा सारा पैसा खर्च होता है और प्रदे ा सरकार ही उसे बनवाती है। जनता सरकार के टाईम में वह बाई–पास मंजूर हुआ था लेकिन अभी तक उस पर कोई काम नही हुआ। हाउस में यह कहा भी गया था कि वह जरुर बनेगा लेकिन कुछ नही हुआ। अब तो पांच छः मील तक वह इलाका आबाद हो गया है। जमीन भी बडी उपजाऊ है। पहले उसे बनाने के लिए तीन करोड रुपये का ऐस्टिमेट था लेकिन अब वह 10 करोड रुपये से भी नही बन सकता। इसके बारे में मैने पिछले सै ान में भी एक सुझाव दिया था और उस`अब मैं फिर देता हूं। भाहरों के अन्दर आज देखने में आ रहा है कि जमीन न मिलने के कारण 20–20 मंजिली ईमारतें बननी भाुरु हो गई है ताकि अधिक से अधिक परिवार थोडी सी जगह पर रह सके। आप भी वहां पर जमीन एक्वायर न करे बल्कि यह जो पहला जी0 टी0 रोड है, इसी पर फलाई ओवर बना दें। दूसरे मुल्को के अन्दर आपकी कई टीमें जाती हैं और आफिसर्ज जाते हैं। उन्होने कई जगह देखा होगा कि वहां 4–4, 5–5 किलोमीटर लम्बे फलाई ओवर बने हुए है। मैने सी0 एम0 साहब को भी इसका हवाला दिया था। सी0 एम0 साहब अमेरिका में जहां आपरे ान करवाने गए थे, उसी हस्पताल के पास 7 किलोमीटर लम्बा फलाई ओवर बना हुआ है। अगर उसी तरह के फलाई ओवर बनाने का काम ये अपने प्रदे ा में भी भाुरु कर दे ंतो एक तो इन्हे जमीन एक्वायर नही करनी पडेगी दूसरे 8 करोड रुपये का काम तीन चार करोड रुपये में हो जाएगा। यह तजुर्बा अपनी स्टेट में पानीपत से

भाुरु किया जाना चाहिए। वहां म्युनिसिपल लिमिट के अन्दर फलाई ओवर बना दिया जाए। इन्होने पिछले सै ान में यह ए योरैं ा दी थी कि ये सैन्ट्रल गवर्नमैंट को इ बारे में लिखेंगे। पता नही इन्होने कहां कहां लिखा है और उस पर क्या विचार हो रहा है?

स्पीकर साहब, हुडडा की जमीन के मुताबिक कल यहां बात आई थी। इन्होने जिस वक्त जीमन ली तो गरीब आदमियों को 9–10 रुपये प्रति मीटर के हिसाब से पैसे दिए। कई लोग पैसे लेकर घर बैठ गए। वे अपील नही कर सके क्योंकि गरीब थे। जिन लोगो ने अपील की उन्हे तिगुने और चौगुने पैसे मिले है। कई केस अभी कोर्ट में पैंडिंग हैं। सैन्ट्रल गवर्नमैंट के पास भी इस सिलसिले में कम्पलैंट गई थी। उन्होने एक तो कानून में तरमीम की है और दूसरे स्टेटस को लिखा है कि अगर किसी जगह एक प्लाट की कीमत तीस चालीस रुपये प्रति मीटर के हिसाब से दी गई हो तो डायरैक्टर को चाहिए कि वह अपने लैवल पर ही बाकी पैसा दे दे ताकि लोग मुकदमेबाजी से बचें। तो स्पीकर साहब, मेरी आपके द्वारा सरकार से यह प्रार्थना है कि उन गरीबों को भी पैसा दिया जाना चाहिए जो मजबूरी के कारण कोर्ट में नही जा सके थे।

स्पीकर साहब, इंडस्टरी के मुताल्लिक आज भी यहां काफी बात हुई है। कहने को तो ये यहां तक कह देते है कि देहात के अन्दर काफी रुरल इंडस्टरीज़ लगी है लेकिन वहां देखने से पता लगता है कि ज्यादातर इंडस्टरीज़ को ताले लगे हुए है।

उसका कारण यह है कि जो गरीब लोग देहात के अन्दर इंडस्टरीज़ लगाते है, उनका माल फरोख्त के लिए अच्छी तरह से प्रबंध नही किया जाता। माल न बिकने की वजह से वे न तो नया रा–मैटीरियल खरीद सकते हैं और न ही बैंको की कि त दे सकते है जिसने उन्होने रुपया लिया होता है। इसलिए वे ताला लगा कर भागे हुए है। आगे आगे वे होते है और पीछे पीछे बैंक वाले होते है। स्पीकर साहब, जब तक सरकार उनका माल बेचने का अच्छा प्रबंध नही करेगी, तब तक यह फिगर देने से कि किलोई हलके में 295 इंडस्टरीज़ लगी है, कोई फायदा नही होगा। इसके अलावा स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा सरकार के नोटिस में यह बात भी लाना चाहता हूं कि जिस किसी इंडस्ट्री वाले ने 25 हजार रुपया लोन लेने के लिए ऐप्लाई किया हुआ है, उसे चार पांच हजार रुपया बैंक में या दलाल को दिए बिना लोन नही मिला। जो कोई भी लोन लेकर गया है, वह 25 हजार रु की बजाय 20–21 हजार रुपया लेकर गया है। बाकी केस अभी पैंडिंग पडे हैं। मैने पिछले साल सैन्टर के फाईनेंस मिनीस्टर श्री प्रणव मुखर्जी जी को एक लैटर लिखा था। उनका जवाब मेरे पास आया हुआ है। उन्होने लिखा था कि हमारे पास भी इस तरह की ि ाकायतें आई है और हम बैंकस की मिटिंग बुला रहे है। स्पीकर साहब, यहां जो फिगर्ज़ दी जाती है कि 8 हजार लोगों को लोन दे दिया या 10 हजार लोगों को लोन दे दिया, ये गलत दी जाती हैं। इसकी तरफ भी सरकार ध्यान दें। जिनके केस आपने रिकैमैंड करके भेजे हैं, उनको कम से कम रुपया जरुर दिलाएं। जो बैंक

लोन नही देते उनके खिलाफ ऐक ान लेने के लिए सैन्ट्रल गवर्नमैंट को लिखा जाना चाहिए।

ट्रांसपोर्ट के मुताल्लिक भी यहां काफी जिक हुआ। स्पीकर साहब, आप जानते है कि पहले वक्त में जब राजे महाराजे होते थे, सौ या दो सौ साल पहले, तो वे रात को भेश बदल कर देखा करते थे कि प्र ाासन कैसे चल रहा है। सी0 एम0 साहब और ट्रांपोर्ट मिनिस्टर साहब चूंकि इस समय यहां नही बैठे है, इसलिए मैं फाइनैंस मिनिस्टर साहब से कहना चाहूंगा कि वे भेश बदल कर एक ट्रक के अन्दर अम्बाला से बैठ जाएं। माल भी उस ट्रक में उतना ही लोड है जितना होना चाहिए। माल की ऊंचाई भी उतनी है जितनी होनी चाहिए। आप अगली सीट पर अपना आदमी बैठा दिजिए और देखें कि ट्रक वाला कितने रुपये दे कर अपने नि चत स्थान पर पहुंचता है। इस बारे में मैने पिछले बार भी कहा था कि सौ मील के सफर मे गरीब आदमी को कितने रुपये दे कर पहुंचना पडता है।

यहां पर यह कहा गया कि पांच फलाइंग स्काड और बना दिये गये है जो चैंकिंग करेंगे। यह तो वही बात हो गई जैसे कोई नौकर दूध पिलाता हो, वह पहले आधा दूध पी जाता है और फिर पानी मिला देता है। उसमें से आधा फिर पी गया और पानी मिला दिया। इस तरह से चौथे हिस्से का दूध रह गया सो आपने जो ये फलाइंग स्काड बनाये हैं, उनसे तो ज्यादा करप ान बढती जा रही हैं। फाइनैंस मिनिस्टर साहब से कहंगा कि दिन की

रो ानी में और रात के अंधेरे में ट्रक वालो को लूटा जा रहा है। सौ मील के सफर में जब इतने पैसे देने पडते है तो जहां वे हजार मील का सफर तय करते है और एक स्टेट से दूसरी स्टेट में जाते है वहां आप अन्दाजा लगायें कि उन्हे इस तरह कितनी नाजायज पेमैंट करनी पडती होगी। इस तरह से रि वत का पैसा इकटठा किया जा रहा है। इसलिए मै आपके जरिए सरकार को सुझाव दूंगा कि इस ओर ध्यान दिया जाए। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला छावनी): स्पीकर साहब, ऐप्रोप्रिए ान बिल (नं0 1) 1985 जो सदन में पे ा है मै उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। यह पैसा अब खर्च हो चुका है, अब लकीर पीटने से कोई फायदा नही। मैं अपोजी ान के भाईयों से दरखास्त करुंगा कि यह बिल पास कर देना चाहिए, फिजूल में हाउस का टाईम क्यो खराब कर रहे हैं?

स्पीकर साहब, मैं मांग नम्बर दो के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। हरियाणा में लॉ एण्ड आर्डर की हालत और सारे प्रदे ाो से काफी अच्छी है। अगर हरियाणा से ज्यादा अच्छी लॉ एण्ड आर्डर की पोजी ान किसी प्रदे ा में हो तो अपोजी ान के साथी बता दें। साथ में प्रदे ा के डाके मारे गये कितनी ही गडबड हुई लेकिन हमारे यहां फिर भी भाांती रही। यह कह देना कि यहां पर हालात ठीक नही है और कुछ भी नही हुआ तो काम नही चलता बराबर का सूबा चाहे दिल्ल, पंजाब, राजस्थान, यू0 पी0

हो, इन सब से अच्छे हालात हरियाणा में है। कभी कभी ये हवाला देते है कि यहां पर बूथ कैपचरिंग की जाती है। यह बात अलग है। अम्बाला मे 24 दिसम्बर को लोक सभा के इलैक ान हुए अम्बाला में सात सौ के करीब बूथ थे। एक बूथ की भी कैपचरिंग नही हुई। अपोजी ान के भाई 1 लाख 77 हजार वोटो से हार गए। ये असल बात को छुपाने की कोि ा ा करते हैं। इन्हे हार को हार और जीत को जीत समझना चाहिए। यह कहना कि बूथ कैपचरिंग कर ली हमने उनके वोट अपने डिब्बों में डाल लिए गलत बात है। अगर हम ऐसी करते तो आन्ध्र प्रदे ा में या उसके बराबर के सूबे मे अपोजी ान की जीत कैसे होती? वहां पर जनता पार्टी का राज हो गया। यह तो मानी हुई बात है कि आप को लोगो की राय को नमस्कार कहना पडेगा। अच्छी बात तो यह है कि हार को हार और जीत को जीत मानना चाहिए। लोक सभा के इलैक ान में इनकी हार हुई और अभी तीन विधान सभा के बाई इलैक ान में भी हार हुई। जब यहां हरियाणा में इनकी बात नही चली तो ये हिमाचल में गये। पहले बी0 जे0 पी0 की 28 सीटें थी इस बार ये 28 से 7 ही ले पाए और जिसको चीफ मिनिस्टर बनाना चाहते थे, उसे हरा कर चुपके से आ गए। इन्होने वहां पर यह कहा कि एक रुपये किलो आटा देंगे और दो रुपये किलो चावल देंगे। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) डिप्टी स्पीकर साहब, लोक सभा में कुल तीन सीटें डी0 एम0 के0 पी0 को और दो सीटें बी0 जे0 पी0 को मिली हैं। ये 508 में से मिली है, यह एक प्रसैंट भी नही बैठती। जनता ने इन्साफ दिया है।

एक्साइज एण्ड टैक ोसन डिपार्टमैंट के बारे में एक तजबीज देना चाहता हूं। जितने टैक्सिज़ कम होंगे उतनी ही आमदनी ज्यादा बढेगी। भारत सरकार ने इन्कम टैक्स में जो रियायत दी है, उसका नतीजा अगले साल पता लगेगा। भारत सरकार की आमदन बढेगी। हरेक आदमी हमसूस करेगा कि चोरी कम हुई है और इनकम टैक्स ज्यादा मिला है। इसलिएअगर सेल्ज़ टैक्स कम करेंगे तो हरियाणा सरकार को आमदन ज्यादा होगी।

डिमांड नम्बर आठ रोड्ज और बिल्डिंग्ज के बारे में है। हमारे यहां म्यूनिसिपल कमेटी की सडको की हालत बहुत खराब है। म्युनिपिल कमेटीज़ के पास इतना पैसा नही है कि वे उन्हे ठीक करा सके। उनसे सडको की मैनटैनैंस भी नही होती। अम्बाला भाहर और कैन्ट की सडके बहुत बुरी हालत में है। अगर 15 मिनट बारि ा हो जाए तो सडक पर चलना मु कल हो जाता है। इसलिए मैं सरकार से तजवीज दूंगा कि पी0 डबल्यू0 डी0 वाले सडकें बनवा दें ताकि वह दस पन्द्रह साल तक ठीक तरह से रह सके और उनकी मेन्टेनैंस म्यूनिसिपल कमेटी करवाती रहे। अम्बाला टाउन में टोटल 15–20 किलोमीटर की सडके होगी। इन पर कोई लम्बा चौडा खर्चा नही आता। इनकी हालत ऐसी है कि अगर कोई आदमी साईकिल पर चलना चाहे तो साईकिल पर भी नही चल सकता। इस आने वाले बजट में सडको के लिए ज्यादा पैसा रखें ताकि लोगो को कुछ सूविधा मिल सके।

दूसरी बात मैं हस्पतालो के विशय में भी अर्ज करना चाहता हूं। अस्पतालो के लिए नैट रुपया थोडा रखा गया है, वह ज्यादा रखा जाए। पी0 डबल्यू0 डी0 ने अम्बाला कैन्ट में सडक का साढे तीन मील का टुकडा बनाया है। यह नया ही बनाया है। इसके लिए मैं इनकी तारीफ करता हूं। वह सडक ऐसी है जहां पर सिविल हस्पताल है, डी0 ए0 वी0 स्कूल है जिसमें 1000 बच्चे पढते है, सनातन धर्म कालेज है जहां 1800 बच्चे हैं। उस सडक पर बडी भीड रहती है इसलिए उस सडक को चौडा किया जाए। जब तक इस सडक को चौडा नही किया जायेगा। तब तक वहां एक्सीडेन्ट्स होते रहेंगे। वह हस्पताल 50 बैड का है, उसमें ज्यादा केसिज़ एक्सीडैन्टस के ही आते हैं। अगर इस सडक को चौडा कर दिया जाए तो हादसे नही होगें। फोरलेन कर दिया जाये तो और भी ज्यादा अच्छा होगा जो हस्पताल केवल 50 बैड का हो और इतने ज्यादा एक्सीडेन्ट्स हो तो मरीज कहां जाएंगे। डिप्टी स्पीकर साहब, यह हस्पताल सन् 1901 में बना था। उस टाईम से ही पचास बैडज का है। इस हस्पताल के बारे में कई बार वायदा किया गया है कि इसे सौ बैडज का बना दिया जाएगा। भाायद अब 75 बैडज का प्रोविजन किया है। वहां पर डेढ लाख की आबादी है। इस हस्पताल के आस पास के एरिया में श्री निर्मल सिंह, श्री फूलचन्द मुलाना और मेरा हलका आता है। तीनो हलको की काफी आबादी है और इन तीनो को यही हस्पताल फीड करता है। भाहर में सौ बैडज का हस्पताल है लेकिन हमारे यहां पचास का ही है। यह सौ साल पुराना हस्पताल है। इस को जल्दी से जल्दी दोबार

बनाया जाये। जब कोई काम भुरु होगा तभी वह मुकम्मल होगा। यहां पर बहुत बडी बिल्डिंग बनाने की जरुरत नही है। जमीन काफी पडी हुई है। एक कमरा बनाने से ही 25 बैडज लग जाते है। थोडे से खर्चे से उस काम को किया जा सकता है। उसी रास्ते पर ब्लाइंड इंस्टीच्यूट है और उसी के उपर एस0 डी0 कालेज है। इसके अलावा दूसरी ओर भी बहुत सी संस्थाएं हैं। उस के ऊपर इतनी घटनाएं रोज होती है जिनका कोई हिसाब नही है। अगर उसे साढे तीन किलोमीटर के टुकडे को फोर लेन कर दिया जाए तो एक्सीडैंट्स सिर्फ एक परसैन्ट ही रह जाएंगे। डिमांड नं0 9 एजुके ान की है। तालीम के लिए अम्बाला कैन्ट में टोटल 12 सरकारी स्कुल है। इनमें से 8 तो प्राइमरी है, तीन मिडल स्कूल है, और एक हाई स्कूल है। यहां पर एक भी सरकारी कालेज न ही लडको का और न ही लडकियों का है। सो ाल और धार्मिक संस्थाएं ही वहां पर कालेज वगैरह चला रही है। यह तो इन संस्थाओं की मेहरबानी है जो बच्चो को ि ाक्षा दे रही है। यह बात सरकार को माननी चाहिए कि इनकी वजह से मदद हो रही है वरना इतनी बडी आबादी में 12 स्कूल बहुत थोडे हैं। मेरी मांग यह है कि वहां पर लडकियों का एक सरकारी कालेज अव य होना चाहिए।

एक आवाजः मैडिकल कालेज की मांग भी कर लो।

सेठ राम दास धमीजाः उसके लिए तो खर्च बहुत आता है। हां मै यह मांग करता हूं कि अगर सरकार वहां पर प्राइवेट

मैडिकल कालेज खोलने की इजाजत दे दे तो बहुत मेहरबानी होगी। इसके चलाने पर 5 करोड रुपये साल का खर्चा आता है। अगर सरकार इस को चलाने की इजाजत दे दे तो अम्बाला के लोग यह काम कर सकते है। मांग नम्बर 23 जो ट्रांस्पोर्ट के बारे में है, मै अब इसके बारे में कुछ कहना चाहता हूं। अम्बाला कैन्ट का बस स्टैण्ड उस समय बना था जब पंजाब हरियाणा और हिमाचल प्रदे ा इकट्ठे हुआ करते थे। वह बस स्टैण्ड सरदार प्रताप सिंह कैरों के वक्त का बना हुआ है। आज भी वह उतना ही है, हालांकि आबादी पहले से मुकाबले में 4–5 गुणा ज्यादा बढ गयी है। उस बस स्टैण्ड को बढाने के लिए एक हाईपावर्ड कमेटी बनी थी ओर एक फैसला हुआ था।.....

चौधरी हरिचन्द हुडडाः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। धमीजा साहब जो डिमांडज रख रहे है वह तो प्रोप्रो ानेटली मांगे। यह एप्रोप्रिए ान बिल पर बहस हो रही है। इस पर डिस–प्रोप्रो ानेटली अगर वह डिमांड करेंगे तो ठीक नही है। जब बजट आएगा, उसमें किस इलाके के लिए क्या प्रोवीजन है, वह ठीक है या नही है, उस वक्त देखने वाली बात है। (ाोर एवं व्यवधान)

सेठ राम दास धमीजाः मै बिल्कुल रैलैवन्ट बोल रहा हूं। सरकार ने जो डिमांड्ज पे ा की है, मै उनका समर्थन कर रहा हूं और आइन्दा के लिए तजबीज दे रहा हूं। यह मेरी तजबीज है कि बस स्टैण्ड के बिल्कुल पीछे 6.1 एकड जमीन पडी है जो सरकार की ही है। सरकार ने इस बात को मान भी लिया था कि जल्दी

ही बस स्टैण्ड बना देगी। अगर आने वाली सांतवी पंचवर्शीय योजना के पहले साल में ही इसके बनाने के लिए प्रोविजन रख दिया जाए तो बहुत अच्छा होगा। मेरे हलके में एक घडवा नाला है। उसमें जब फलड का पानी आ जाए तो सारे भाहर में बडा भारी नुकसान होता है। उसको ठीक करने के लिए केवल सात आठ लाख रुपये का खर्चा होना है। उस नाले के पहले से चार मुहं हैं। फिर उसके तीन मुह है, फिर दो मुहं है और फिर एक मुहं है। उसमें चार हकुमतें इन्वालवड हैं। एक तो मिल्ट्री आती है, दूसरी म्यूनिसिपैलिटी आती है, तीसरे रेलवे बोर्ड आता है और चौथे एम0 ई0 एस0 आ जाता है। मेरा कहना यह है कि इस नाले को सुधारने के लिए कोई न कोई बन्दोबस्त जल्दी ही किया जाना चाहिए। (घंटी) डिप्टी कमी नर साहब, इतना कहते हुए मैं एक से लेकर 25 डिमांड तक रखे गये सप्लीमैंट्री एस्टीमैट्स का समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

ठाकुर बहादुर सिंह (दडवां कलां): मान्यवर डिप्टी स्पीकर साहब, आज जो यह एप्रोप्रिए ान बिल हरियाणा सरकार की तरफ से यहां पर पे ा हुआ है, मैं उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। सरकार ने एक से लेकर 25 तक जितनी भी डिमान्डज़ रखी हैं, हकीकत तो यह है कि इसमें कहने के लिए कुछ भी नही है। किसी भी प्रदे ा की बहतरी के लिए, तरक्की के लिए, और हिफाजत के लिए जो यह डिमान्डज रखी गई हैं, यह जरुरी है। आपको पता है कि हरएक काम के लिए पैसे की जरुरत

होती है। हमारे भाई इसकी निंदा भी करते हैं लेकिन उसके साथ साथ डिमांडज़ भी रखते हैं कि यह होना चाहिए, वह होना चाहिए, मेरी कांस्चुएंसी में यह नही हो रहा है, वहां पर लॉ एण्ड आर्डर की सिचुए ान ठीक नही है, वहां पर डकैती हो गयी। हर तरह की बातें यहां पर इस सदन में हमारे भाई करते है। जहां पर यह बात आती है कि किसी मद में कुछ ज्यादा खर्च हो गया तो उसके लिए हाउस एप्रुवल देता है। जब वह रा ि ा मांगी जाती है तो यह विरोध करने के लिए खडे हो जाते हैं और दूसरी तरफ कहते है कि सडको की मुरम्मत नही हो रही है। सडकों की मुरम्मत या वाइंडिंग होनी चाहिए। प्रदे ा की बेहतरी के लिए पैसा खर्च होना चाहिए। अगर किसी मद में मंजूर ाुदा से ज्यादा पैसा खर्च हो जाता है तो उसके लिए जब डिमांड पे ा होती है तो हमारे यह भाई विरोध करते है। बडी ही अजीब बात है। एक तरफ तो कुदरती आपात की वजह से, हमारे वह सिस्टम यानि पास किए हुए पैसे कम पड जाते है, और जरुरत और पैसे की पडती है। फालतू पैसा खर्च हो जाता है। दूसरी तरफ एक भाई यहां यह कहते हैं कि फलां सडक क्यो नही मुरम्मत हुई। कोई अगर सडक मुरम्मत कर दी जाती तो ये कहते कि इतना पैसा कहां खर्च हो गया। डिप्टी स्पीकर साहब, अगर हमने तरक्की करनी है, लॉ एण्ड आर्डर की सिचुए ान बरकरार रखनी है, तो हमें पैसा खर्च करना पडेगा। जहां तक जनरल एडमिनिस्टरे ान की बात है हम बेहतर एडमिनिस्टरेटर हैं। इसी एडमिनिस्टरे ान की वजह से, जैसे अभी मुख्य मंत्री जी ने ब्यान दिया था कि एक डकैती की वारदात

हरियाणा में हुई थी, उसको बहुत लम्बा चौडा फैलाया गया। उन डकैतो को हमने बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया। यह हमारी एडमिनिस्टरे ान की एफिसिएन्सी की नि ानी है। जिस एफिसिएन्सी से इस किस्म की बुराईयां दूर करनी हो या फौरी तौर पर काईम करने वाले पकडे जा सकते हों, उस के ऊपर अगर कुछ पैसा ज्यादा खर्च हो जाता है तो मैं समझता हूं कि यह बहुत जरुरी चीज है। हर हरियाणा वासी यही चाहता है कि हमारे यहां पर इस किस्म के काईम्ज़ न हो। होम डिपार्टमैंट की इसमें बात आती है। इसके लिए हमारी पुलिस फोर्स का होना बहुत जरुरी है। उसकी बेहतरी के लिए जितना भी बजट का हिस्सा खर्च किया गया है, मै समझता हूं कि अगर उससे भी कुछ ज्यादा खर्च कर दिया जाता तो यह उनका हक था। आज हमें इस बात की जरुरत है कि हमें वो फोर्स चाहिए जो हमें भाान्ति से रहने का मौका दें। उस फोर्स को ज्यादा से ज्यादा हिमायत देनी चाहिए। बिल्डिंग एण्ड रोड्ज की बात आगे आती है। हमारे हरियाणा में इस तरह से सडके बननी चाहिए कि जो बीच के टुकडे छोड दिए गए थे वे पुरे होने चाहिए। आज कोई भी गावं दूसरे गांव से जुडा हुआ नही है। एकदम से सूरज की भाुआओं की तरफ से सडके फेला दी गयी है। आज भी इस बात की जरुरत है कि इनको मिलाया जाए। आज यह कहते है कि इस पर इतना पैसा क्यों खर्च कर दिया गया और दूसरी तरफ यह कहते है कि हमारे यहां सडकें बनायी जानी चाहिए। मैं तो इसमें एक और बात एड करना चाहता हूं। हमारी जो सडकों की भाुआएं फैली है, एक भाहर से किसी जगह

तक जाने के लिए इनको मिलाया जाए। 15 किलोमीटर की सडक तो बना दी गयी है लेकिन उसके साथ ही कुछ डिस्टैन्स पर जो 4 किलोमीटर की दूसरी सडक चल रही है, उसको जोडने का कोई प्रावधान नही है।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यह प्रोपोज करुंगाकि इस तरह की सडके है उनको जोडने के लिए सरकार को प्रयत्न करना चाहिए ताकि उस प्वायंट पर वापिस न आना पडे। इसलिए भी इन सडको को जोडना जरुरी है कि इससे पैट्रोल का खर्चा कम होगा, डीजल का खर्चा कम होगा। जनता को ज्यादा किराया अदा करना पडता है वह नही करना पडेगा। इसलिए अगर सरकार इन सडकों को जोडने पर विचार करे तो अच्छा रहेगा।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं एग्रीकल्चर के बारे में कुछ बातें कहना चाहूंगा। हमारा प्रदे ा मुख्य कृशि प्रधान दे ा है और इस मद में जो पैसा खर्च किया गया है मेरे विचार से वह कम है। डिप्टी स्पीकर साहब, कुदरती आपत्तियों के मुकाबले वह पैसा बहुत कम है। इसमें और पैसा खर्च करना चाहिए था। हम सब चाहे इधर बैठे हुए मैम्बर्ज है, चाहे उधर साईड में बैठने वाले मैम्बर्ज है, सभी एग्रीकलचरिस्ट हैं। हम सब की जिम्मेवारी बनती है कि एग्रीकल्चर के बारे में जब भी कोई डिमांड हो तो हमारी मांग यह होनी चाहिए कि उस पर अधिक से अधिक पैसा खर्च किया जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, अचानक ही कुदरत का कोई अटैक हो जाता है, औलावृश्टी हो जाती है, बाढ आ जाती है, सूखा पड

जाता है या हवाओं का रुख बदल जाता है तो किसान का बहुत नुकसान हो जाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, इस साल भी पानी न मिलने के कारण फसलों का काफी नुकसान हुआ। बिजली भी समय पर किसान को नही मिली और इस कारण वह टयूबवैल का पानी फसलो को नही दे सका। इसलिए यह जरुरी है कि जिस तरह से भाखडा नहर टूटने पर सरकार ने किसानो को सबसिडी दी, उसी तरह स`अब भी दी जानी चाहिए। किसानो की सब तरह से मदद की जानी चाहिए ताकि वे अपनी फसलो को बचा सके। एग्रीकलचरिस्ट की ज्यादा से ज्यादा मदद की जानी चाहिए। इससे प्रदे ा की तरक्की होगी। मै अपने अपोजी ान के मैम्बर्ज से प्रार्थना करुंगा कि जहां भी एग्रीकल्चर की बात आए, वहां इस बात की जरुरत है कि किसान की इमदाद के लिए हम सब आवाज उठायें।

श्री उपाध्यक्षः ठाकुर साहब, अब आपका समय खत्म हो गया। आप बैठ जाएं।

ठाकुर बहादुर सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, अभी तो बोलने का मूड बना था और अभी आम कह रहे है कि टाईम खत्म हो गया। मेरी सभी सदस्यों से प्रार्थना है कि जो डिमान्डज़ है और जिन पर हरियाणा की जनता की भलाई के लिए पैसा खर्च किया गया है, वे उनको मंजूर करें और मैं भी अपना पूरा समर्थन देता हूं।

श्री हीरा नन्द आर्य (लोहारु): डिप्टी स्पीकर साहब, कृशि सम्बन्धी डिमान्डज के बारे में ठाकुर बहादुर सिंह बोल रहे थे, मैं भी उसी सम्बन्ध में चर्चा करना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, आप सब जानते है कि हमारा प्रदे ा कृशि प्रधान दे ा है और अगर हम कृशि को प्रोत्साहन नही देंगे तो हमारा प्रदे ा तरक्की नही कर सकेगा। इस मद के अन्दर जो पैसा मांगा गया है उसमें यह बात आई थी कि भाखडा नहर में कट होने के कारण यह पैसा एडी ानल खर्च करना पडा है। प्राकृतिक प्रकोप के कारण यह रकम बांटी गई। टयूबवैल्ज़ के लिए प्रावधान किया गया या पीने के पानी का इन्तजाम किया गया, इन सब कामो के लिए यह पैसा खर्च किया गया। मै वित्त मंत्री जी से यह कहना चाहूंगा कि क्या ये अच्छा होता कि जहां सात–सात आठ–आठ साल से, चाहे वह भिवानी का इलाका है, चाहे महेन्द्रगढ या सिवानी का इलाका है, कहर पड रहा है और वहां के लिए आज तक सरकार ने फैमिन रिलीफ के लिए कोई प्रावधान नही किया, उसके लिए भी कोई प्रावधान इन डिमांड में लाते। डिप्टी स्पीकर साहब, हालात यह है कि आज खेतीहर मजदूर भागने के लिए मजबूर हो रहा है। क्या ही अच्छा होता अगर यह सरकार प ाुओं के लिए चारे का प्रावधान करती, जिससे किसान के प ाुओं की रक्षा होती। अगर यह सरकार अपने आप को किसान का हितैशी कहती है तो इसको किसान की भलाई के लिए पैसे का प्रावधान करना चाहिए था। जहां इस सरकार ने कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते की मांग की है, वहां किसानो के लिए भी रुपया मांग सकती थी। डिप्टी स्पीकर

साहब, 1979 मे वर्ल्ड बैंक की सहायता से एक स्कीम भाुरु की गई थी जिसका नाम ट्रेनिंग एण्ड विजिट था। आज हालात यह है कि एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट, उस स्कीम में जो कर्मचारी काम करते है, उनको जनवरी और फरवरी की तनखाह भी नही दे पाया हैं। उनकी तनखाह क्यों नही दी गई है, जहां तक मुझे जानकारी है उसका कारण यही है कि डायरैक्टर आफ एग्रीकल्चर इस बारे में एक मिटिंग के लिए बाहर गए थे। वहां पर वर्ल्ड बैंक के साथ मीटिंग होकर कोई एग्रीमैंट साईन होना था। इस काम के लिए दूसरी टीम का दौरा बनाया जाना है। जिससे कि दूसरे लोगों को भी बाहर घूमने का मौका मिल सके। अब दूसरी टीम जाएगी, वर्ल्ड बैंक के साथ एग्रीमैंट होगा और पैसा एप्रूव होगा, तब जाकर कर्मचारियों को तनखाह मिलेगी। मेरा ख्याल है कि इस स्कीम में एक हजार या आठ सौ कर्मचारी होंगे जिनको तनखाह नही मिली है। 1979 में, जब यह स्कीम भाुरु की थी, तब इसका नाम ट्रेनिंग एण्ड विजिट था और अब इसका नाम बदलकर नै ानल एग्रीकल्चर ऐक्सटैन्ान प्रोग्राम रखा गया है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै सरकार का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हूं कि सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने एग्रीकल्चर इम्पलीमैंट्स तक एक्साइज डयूटी माफ कर रखी है और राजस्थान सरकार ने सेल्ज़ टैक्स माफ कर रखा है। इसी प्रकार हरियाणा सरकार को एग्रीकल्चर इम्पलीमैंटस पर सेल्ज टैक्स माफ करना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, अगर एग्रीकल्चर इम्पलीमैंटस सस्ते होगे तो गरीब आदमी को सस्ता अनाज मिलेगा। डिप्टी स्पीकर साहब, दुर्भाग्य की बात यह है कि 1982 में एक

स्प्रिकलर सैट पर 25 प्रति ात या मैक्सीमम पन्द्रह हजार रुपए की सबसिडी मिलती थी। 1983 मे उसको घटाकर चार हजार कर दिया गया था और इस साल तीन हजार कर दिया। डिप्टी स्पीकर साहब, हालत यह है कि जो सबसिडी पहले पच्चीस परसैन्ट या मैक्सीमम पन्द्रह हजार थी, उसको घटाकर तीन हजार कर दिया और फिर यह सरकार कहती है कि हम किसान के हितैशी हैं। उपाध्यक्ष महोदय अब मैं स्प्रे–पम्प के बारे में कहना चाहता हूं। ऐप्रूव्ड सोर्स से अगर एक स्प्रे पम्प खरीदा जाए तो उसकी कीमत 420.00 रुपया सरकार ने फिक्स कर रखी है। जबकि प्राइवेट सोर्स से खरीदा जाए तो केवल 250.00 रुपये मे मिल जाता है। जो स्टैंडर्ड की कम्पनीज़ है, उनसे अफसरो को कमी ान नही मिलता और घटिया किस्म की कम्पनीज़ से कमी ान मिल जाता है इसलिए उसकी कीमत ऐप्रूव कर रखी है। सरकार इन स्प्रे–पम्प पर 50 प्रसैंट सबसिडी देती है। इसका मतलब यह हुआ कि सरका की ओर से 210.00 रुपया सबसिडी के तौर पर दिया जाता है, लेकिन इसका फायदा न किसान को हुआ और न ही सरकार को। इसी संदर्भ में, मैं यह बताना चाहता हूं कि एक अमेरिकन स्प्रे कम्पनी है, वैसे तो वह इंडियन कम्पनी ही है। **12:00 बजे** ऐसी कम्पनी जो स्टैंडर्ड की हो और आई0 एस0 आई0 मार्क की हो, इसका माल न लिया जाए, इसके पीछे क्या कारण हो सकता है? इसके साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि चाहे डिजल इंजन हो, चाहे पाईप्स हो, इन सब चीजों पर सेल्ज टैक्स तुरन्त ही खत्म कर देना चाहिए जिससे किसानो को काफी राहज मिले।

इससे आगे डिप्टी स्पीकर साहब, एसे ाऐटिड डिसटिलरी प्राइवेट लिमिटेड, हिसार में एक फर्म है, इन्होने पहले फॉरेन लीकर बाटलिंग का लाईसैंस ले लिया था और अब देसी भाराब की बाटलिंग का लाईसैंस भी ले लिया है। इस फर्म ने हरियाणा तक ही अपना दायरा नही रखा बल्कि हिमाचल प्रदे ा के अधिकारियों से भी मिलकर यह आर्डर्ज करवा दिये कि वे भी इसी फर्म का ही परमिट काटें लेकिन असलियत यह है कि एक भी ठेकेदार इस कम्पनी का माल लेने को तैयार नही है। इस फर्म को पोलिटिकल संरक्षण मिला हुआ है। चाहे इस फर्म का माल घटिया क्यों न हो लेकिन फिर भी इसी फर्म के नाम से परमिट इ ाू किये जाते है। वहीं से माल खरीदना पडता है। इसलिए मैं सरकार को सतर्क करना चाहता हूं कि कही इस फर्म के कारण फिर कालांवाली और नरवाना जैसी ट्रेज्डीज़ दोबारा न हो जाएं, इस तरफ ध्यान दें। आप लोगो को तबाह होने से बचायें। इसी तरह की एक और इंडस्ट्री * * * * के नाम से यहां हरियाणा में चल रही हैं।

श्री उपाध्यक्षः इस इंडस्ट्री का नाम नही आएगा क्योंकि यह रैलेवैंट नही है।

श्री हीरा नन्द आर्यः उपाध्यक्ष महोदय, मै कहना चाह रहा था कि पांच करोड रुपये की रा ि ा उस फर्म को दी गयी है (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः आर्य साहब, आप कितने अच्छे सुझाव दे रहे थे। आप एप्रोप्रिए ान बिल पर ही बोलें। चाहे एप्रोप्रिए ान बिल हो चाहे कोई दूसरा सबजैक्ट हो, रुल्ज के अनुसार सब पर चर्चा की जानी चाहिए। किसी का नाम यहां नही आना चाहिए।

श्री हीरा नन्द आर्यः उपाध्यक्ष महोदय, मै पूरी पूरी कोि ा ा करुंगा कि रुल्ज़ के अन्दर अन्दर बातें कहीं जाए और एप्रोप्रिए ान बिल पर ही कहीं जाएं। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं एक दो और बातों का यहां पर जिक्र करुंगा।1—11—84 को लैण्ड मोर्टगेज बैंक, आदमपूर की बिल्डिंग का हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने ि ालान्यास किया था लेकिन वह बिल्डिंग बनी नही है। अब जो किराए का भवन लिया गया है, वह एक साधारण सा बना हुआ है, इस में कोई स्ट्रांग रुम नही है जोकि बैंकिंग के लिए आव यक है। इस में कोई प्रोविजन भी नही है लेकिन यह भवन तीन हजार रुपये किराए पर लिया हुआ है। दूसरा एक और कोओपरेटिव बैंक है, उसके लिए एक कमरा लिया हुआ है, जिसका 800 रुपया महीना किराया है। उपाध्यक्ष महोदय, एक न्यू बैंक आफ इंडिया की एक ब्रांच आदमपुर मैं है, उन्होने पहले ही उसके लिए एक मकान किराए पर लिया हुआ है जिसका वे 250 रु महीना किराया दे रहे हैं। अब उसी बिल्डिंग का किराया बढा कर ढाई हजार रु कर दिया गया है क्योंकि वह भवन किसी हाई अपस के परिवार से सम्बन्ध रखता है। मैं किसी का नाम नही लूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, वहां के ए0 जी0 एम0 और डी0 जी0 एम0 की पत्नियों को सरकार

ने डिसकि ानरी कोर्ट में से पंचकूला और सोनीपत में प्लाट्स दिये हुए है। मैनेजर द्वारा आबजेक ान करने के बावजूद भी इनके आदमियों को 60–60 हजार रुपया बैंक से दिलवाया गया है। इसलिए मेरी रिकवैस्ट है कि सरकार को इसकी जांच करवानी चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

इसके आगे, मैं उपाध्यक्ष महोदय, यह कहना चाहता हूं कि हमारे वित्त मंत्री महोदय का मजदूरो से बहुत बडा सम्बन्ध रहा है। उनके हितो के लिए उन्होने बहुत से काम किये भी है। मेरे नोटिस में यह बात है कि जिन हस्पतालो की बिल्डिंग्ज़ 1979–80 में मंजूर हो चुकी थी, जिनको बनाने का सारा खर्च भारत सरकर ने ही देना था, उन बिल्डिंगो को बनाने का काम अभी तक इस सरकार की तरफ से भाुरु नही हुआ। यह सारा काम मजदूरों और दूसरे हरिजन परिवारों की भलाई का ही है, जिस तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। इन अस्पतालो को जल्दी से बनाया जाना चाहिए ताकि गरीब आदमी इन हस्पतालो का लाभ उठा सके।

उपध्यक्ष महोदय, जहां तक बेरोजगारी का ताल्लुक है, इस बारे में मैं इतना ही कह सकता हूं कि आज गरीबी सारे हरियाणा में है। जहां पहले 5000 लोग काम करते थे जैसे कि टी0 आई0 टी0 मिल भिवानी है, आज वहां पर केवल 500 के करीब ही मजदूर रह गये हैं। यह भी मजदूरो के साथ, गरीब लोगों के साथ अन्याय है। सरकार को इस तरफ भी पूरा ध्यान देना चाहिए।

इसके बाद डिप्टी स्पीकर साहब, मै एक दो बातें और कह कर अपना स्थान लूंगा। 15 अगस्त, 1982 को मुख्य मंत्री महोदय भिवानी में गये थे और वहां पर 13 हरिजन और बैकवर्ड लोगो की तरफ से मुख्य मंत्री महोदय को एक ऐफीडैविट दिया गया था कि उनसे अधिकारियें ने हजार हजार, दो दो हजार रुपये इकटठे किये है। लगभग 18–20 हजार रुपये की रा ि ा वे स्वयं ही खा पी गए है, हेराफेरी की गयी है। इसके बावजूद हमें अभी तक इस बात का पता नही लगा कि मुख्य मंत्री महोदय ने इस बारे में कोई कार्यवाही भी की है या नही (घण्टी)। मै तो यही कह सकता हूं कि भ्रश्टाचार का प्रदे ा मे ंबोलबाला है लेकिन यह इस प्र ाासन को स्वच्छ प्र ाासन का नाम देते है। इन भाब्दों के साथ मैं इस प्रस्ताव का विरोध करता हुआ अपना स्थान लेता हूं। जय हिन्द।

चौ अजमन खां (नूह): मोहरीतम डिप्टी स्पीकर साहब, आज हरियाणा विधान सभा में एप्रोप्रिए ान बिल पर बहस चल रही है। मै इस पर बोलने और इसकी पूरी तरह से हिमायत करने के लिए खडा हुआ हूं। लेकिन इस बिल पर मैं पहली बार हाउस में बोल रहा हूं, हो सकता है मुझसे कई गलतियां भी हो जाएं। जहां तक एडमिनिस्ट्रे ान का ताल्लुक है, इसको सारा हिन्दुस्तां मानता है कि हरियाणा जैसा एडमिनिस्ट्रे ान सारे दे ा में कही नही है। लॉ एण्ड आर्डर की सिचुए ान की कोई मिसाल नही है। लेकिन कभी कभी लॉ एण्ड आर्डर की आड में कुछ अफसरान लोग

बेगुनाहों को बिना वजह तंग करते है, जुल्म ढाते है, जिसकी तरफ मैं सरकार की खास तवज्जोह दिलाना चाहता हूं। सरकार जहां लॉ एण्ड आर्डर को मैंटेन करने के लिए जिम्मेवार है वहां इस बात का भी ध्यान रखें कि किसी गरीब आदमी के ऊपर बिना वजह जुल्म न ढाया जाए। इस तरह का भी कोई प्रावधान होना चाहिए।

इसके साथ साथ मैं एक्साईज़ एण्ड टैक्से ान के बारे में कहना चाहता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे एक मित्र ने बोलते हुए कहा था कि भाराब की जितनी बोतलें बिकें उसके हिसाब से ही लोगों से पैसे लिए जाएं और ठेके ज्यादा न उठाए जाएं। मै यह कहूंगा कि ठेके अगर ज्यादा न छोडे जाएंगे, तो जो बेईमानी करने वाले ठेकेदार हैं, क्या वे लोगों से थोडे पैसे लेंगे? वे तो उतने ही कमाएंगे जितने कि उन्होने कमाने है, लेकिन हरियाणा की आमदनी जरुर घट जाएगी। जैसे बापू ने कहा था कि हिन्दुस्तां में भाराब नही बिकनी चाहिए। वह बात तो ठीक है लेकिन भाराब को पीने वाले लोग बढते जा रहे है। इससे कम से कम जो पैसा मिलेगा वह गरीब लोगो की भलाई के लिए काम आएगा। इसके बाद मैं पब्लिक वर्क्स के बारे में कहना चाहता हूं। इस महकमे पर जितना रुपया खर्च किया जाता है, अगर उस पर चैकिंग की जाए तो उसी पैसे में से और ज्यादा काम निकाल जा सकते हैं। अक्सर यह देखने में आता है कि जो रुपया हम दे है, उसको सही मायनो में यूटिलाइज नही किया जाता। बे–वक्त काम किये जाते है। सडको पर बरसात के दिनों मे मिटटी डाली जाती है। इसलिए

मैं गुजारि ा करुंगा कि एसे अफसरान पर चैक रखा जाए। खास तौर से जहां मिटटी डाली ही नही जाती और बिल तैयार कर दिए जाते है वहां ज्यादा चैक रखा जाए। इससे एक तरफ तो स्टेट को नुकसान होता है और दूसरी तरफ पब्लिक को नुकसान उठाना पडता है। उनका वक्त पर कोई काम नही होता क्योंकि आने जाने में दिक्कत होती है। इसलिए इस डिपार्टमैंट को जहां हम ज्यादा से ज्यादा पैसे देने की हिमायत करते हैं, वहां हम यह भी चाहते है कि जिन अफसरों की आनॅस्टी डाउटफूल पाई जाए, उनके खिलाफ सख्त से सख्त ऐक ान लिया जाए। इससे ही भ्रश्टाचार में कमी हो सकती है। (विघ्न्) जिसको आप भ्रश्टाचार कह रहे है उसमें आप लोग भी हिस्सेदार हैं। लॉ एण्ड आर्डर को खराब करने के लिए जितना भाोर आप लोगों की तरफ से दिया जात है, उसकी मिसाल नही है। इसके साथ साथ अगर किसी के साथ ज्यादती हो जाती है तो उसके लिए आप भी उतने ही जिम्मेवार है जितनी की सरकार। आप अपना रवैया हाउस में भी और हाउस के बाहर भी बदलें। डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक पब्लिक हैल्थ की बात है, मैं यह चाहूंगा कि इस पर जो रुपया खर्च हो रहा है, इससे भी ज्यादा खर्च किया जाए। मैं चाहता हूं कि खासतौर पर मेवात के अन्दर लोंगों को पीने के पानी की सुविधा दी जाए। पहले जमाने में तो लोग कच्चे कुएं का पानी पिया करते थे और गुजारा कर लिया करते थे लेकिन मेवात के बहुत बडे एरिया के अन्दर पीने का पानी नही है। पहाड के दामन में दोनो पहाडियों के साथ साथ पीने का पानी है लेकिन बीच का एरिया खाली पडा

हैं। चौधरी देवी लाल जी ने स्कीम मंगवाई थी और फ्लड का पानी कंट्रोल किया गया था। उस वक्त मैने कहा था कि क्योंकि फ्लड का पानी कंट्रोल होगा इसलिए पीने का पानी नही होगा। हमने कहा था कि मेवात में जो यह लंडवार नाला आता है, यह मेवात के लिए रहमत बनकर आता है, जहमत बनकर नही आता। उस वक्त अफसरान ने कहा था कि टैक्नीकल आदमी हम है। आज पोजी ान यह हो गई है कि तीन चार साल से बारि ा न होने के कारण और पानी को कंट्रोल करने की वजह से किसी भी गांव में पानी नही है। इसलिए दोनो ंपहाडो के दामन में से एम0 आई0 टी0 सी0 के बडे बडे टयूबवैल्ज लगाएं जाएं। उससे यह फायदा होगा कि एक तरफ तो इरीगे ान होगी और दूसरी तरफ लोगों को पीने का पानी मिलेगा। पीने का पानी सिर्फ पहाडो के दामन से ही निकाला जा सकता है। इलाके में और बहुत कम पानी है जिसके लिए लोंगो मे हाहाकार मचा हुआ है। जानवरो के लिए पीने के पानी का भी फौरी तोर पर बन्दोबस्त करना बहुत जरुरी है। जानवर जो है वे उधर से हमारे इलाके में अकसर ि ाफ्ट होते रहते हैं। मै ज्यादा न कहता हुआ इतनी ही कहुंगा कि मेवात के इलाके की तरफ तवज्जोह दी जाए और मै इस डिमांड की हिमायत करता हूं। एजूके ान के बारे में मेरी अर्ज है कि जिस एरिया में एजूके ान के लिहाज से पीछे है, वहां ज्याद तवज्जोह दी जाए। उसमें खास तौर पर मेवात का इलाका आता है। (धंटी) इन भाब्दों के साथ मैं अर्ज करुंगा कि इस खर्च को मंजूर किया जाए।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवाल (मुंढाल): डिप्टी स्पीकर साहब, यह जो एप्रोप्रिए ान बिल रखा गया है, मै इस पर बोलने के लिए खडा हुआ हूं। मै तीन चार डिमांडज पर बोलूंगा। मेरे कुछ साथी कहेंगे कि सरकार की नुक्ताचीनी करना आपकी आदत हो गई है। हम नुक्ताचीनी के साथ साथ कंस्ट्रक्टिव सुझाव भी देंगे। मेरे लायक दोस्त राम दाम धमीजा जी, जनरल एडमिनिस्ट्रे ान पर बोल रहे थे और कह रहे थे कि क्योकि हम चुनावो मे हार गए हैं इसलिए हम आउट आफ फस्ट्रे ान बोल रहे थे। डिप्टी स्पीकर साहब, ये चुनाव आउट आफ सैंटीमैंट्स हुए थे। श्रीमती गांधी के कत्ल के बाद सारे दे ा में लोगो को सैंटीमैंट्स भडक गए और सरकार की विफलताओं को भूल गए और कहा कि बहुत बुरा हुआ। विपक्ष की पार्टियों मे जितने भी प्रोग्राम थे, उसको लोगो ने छोड दिया और कांग्रेस पार्टी को वोट देकर भारी बहुमत दे दिया। (**इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए**) इसमें कोई भाक नही कि हरियाणा में लॉ एण्ड आर्डर बहुत बढिया है लेकिन जो घटनाएं उस कत्ल के बाद हुई, वे बहुत दुर्भाग्यपूर्ण थी।उस पर मैं ज्याद चर्चा नही करुंगा। इसके अलावा, दो तीन डिमांडज और है जिन पर मैं चर्चा करुंगा। एक रैवेन्यू की डिमांड है। हमारे माल विभाग में इतना भ्रश्टाचार है, इतनी बेईमानी है कि कोई भी काम बगैर पैसे दिए नही होता। अब चीफ मिनिस्टर या दूसरे मिनिस्टर कहेंगे कि आपकी तो आदत है, आपने तो नुक्ताचीनी करनी है। कोई रजिस्ट्री करवानी हो तो बगैर पैसे दिए नही होती। किसानो से रजिस्ट्री और इन्तकाल के लिए पांच पांच

सौ, हजार हजार रुपया लिया जाता है। इसका मैने सबूत भी दिया है। मैने अपने हलके में ही नही बल्कि पूरे जिले में कह रखा है कि रजिस्टरी के लिए और इन्तकाल के लिए किसी को कोई पैसा नही देना है। किसी ने करवानी है तो हमें बताए, हम साथ चल कर करवाएंगे। एक बार मैं बाई चांस 15–20 दिन के लिए बाहर गया हुआ था। जब मैं वापिस आया तो एक आदमी कहने लगा कि आपने कहा था कि रजिस्टरी के लिए पैसे नही देने लेकिन मैने रजिस्टरी करवानी थी इसलिए मुझे पांच सौ रुपये देने पडे। मैने उसको कहा कि आप मेरे साथ फलां तारीख को आएं और मैं आपके पैसे वापिस दिलवाने के लिए कोि ा ा करुंगा। मैने अपना एक साथी उस तहसीलदार के पास भेजा जिसने रजिस्टरी की थी। उसको कहा गया कि भले मानस, आपको तनखाह मिलती है, किसानो को क्यों लूटते हो। उसने एक महीने के बाद पांच सौ रुपए वापिस भेज दिए क्यांकि वह हालात को समझ गया था। स्पीकर साहब, मै आपके नोटस मे लाना चाहता हूं बल्कि मेरी सजै ान है कि मुख्य मंत्री जी और मिनिस्टर साहेबान इंस्ट्रक ान भेजें कि रजिस्टरी के वक्त कोई पैसा नही लिया जाए। जहां तक हमार ताल्लुक है, हम चाहेंगे कि हमारी एन्टरटेनमैंट कोई न करे और हमारा जो खर्चा है वह हम खुद करें। अगर सरकार की तरफ से इंस्ट्रक ान चली जाए तो ये तहसीलदार या दूसरे अफसर इस खराबी को छोउ देंगे। आज ये लोग रैड क्रास का बहाना लगा कर लोगों से पैसे ले लेते है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि इस

तरह की इंस्ट्रक ान जरुर भेजी जाए जिससे कि किसान लुटने से बच जाएं।

इसके अलावा स्पीकर साहब, डिमांड नम्बर 8 रोड्ज के बारे में है। इस बारे में मैं मंत्री महोदय के नोटिस में लाना चाहूंगा कि भिवानी जिले में कुछ ऐसी सडके है, कुछ एसे गांव है, जिनको एक दूसरे गांव में आने जाने के लिए 20–20 किलामीटर घुम कर आना जाना पडता है। मैने इस बारे में पिछले सै ान में भी जिक किया था लेकिन अभी तक उन लिंक रोड्ज को नही बनाया गया। ये रोड्ज जरुर बनानी चाहिए ताकि उन गांवो को 20–20 किलोमीटर का चक्कर काट कर आना जाना न पडे। यदि उन गावों के लिए छोटे छोटे सडके के टुकडे बना दिए जाएं तो लोगो को काफी सहूलियत हो सकती है। उन हलको से अपोजी ान के एम0 एल0 ए0 हैं इसलिए सरकार उन सडको को नही बना सकती, भाायद यह सरकार की मजबूरी है, लेकिन उन गावों के किसानो की कठिनाईयों की तरफ तो सरकार को पूरा ध्यान देना चाहिए। इसलिए जहां जहां टिब्बे है वहां पर तो कम से कम सरकार को सडक बना देनी चाहिए। यदि सडक बना दी जाए तो सरकार फेल नही होती। उन गावों के लोगो ने सरकार को कई बार लिख करके दिया है कि हमारे यहां सडकों के छोटे छोटे टुकडे बनाने बाकी रहते है, उनको बना दिया जाए। मेरे हलके में एक गांव है, यदि मंत्री जी उस गांव का नाम पूछेंगे तो मैं बता दूंगा। उस गांव के किसानो को दूसरे गांव में आने जाने के लिए 15 किलोमीटर

का चक्कर काट कर आना–जाना पडता है। यदि उनके लिए सीधा लिंक रोड बना दिया जाए तो उस गांव के लोगो का एक रुपया 20 पैसे किराया भी बच सकता है। लेकिन सरकार कोई ध्यान नही देती, ये सिर्फ यह कह देते है कि हम नुक्ताचीनी कर रहे है। यह सरकार हमारी जायज बातों को भी नही मानती। स्पीकर साहब, चाहे हम विपक्ष के है, हमारी बात माननी चाहिए। डेमोक्रेसी का यह कायदा है कि चाहे किसी भी पार्टी का राज हो, सरकार को किसानो की तकलीफो की तरफ ध्यान देना चाहिए। राज किसी भी पार्टी का आ सकता है, सरकार किसी भी पार्टी की बन सकती है। एक समय ऐसी भी आया थाकि कांग्रेस पार्टी का भी लोगों ने सफाया कर दिया था। लेकिन जो अफसरान है वे सोचें कि सरकारे तो आती जाती रहती है, इसलिए मंत्रियों की गलत बातो को कम से कम अफसरान न माने। यदि अपोजी ान के एम0 एल0 ए0 की कोई बात सही है तो उसको जरुर माने। इसके अलावा स्पीकर साहब, अब मैं एग्रीकल्चर के बारे में कुछ बाते कहना चाहूंगा। हमारे दे ा में 80 प्रति ात लोग खेतीबाडी पर निर्भर करते हैं, इसलिए खेतीबाडी को ज्यादा महत्व दिया जाना चाहिए। आज दे ा में एग्रीकल्चर के बारे में ऐसी एटीच्यूड बन चुका है कि जिस के कारण गावों में किसानो की हालत बहुत बुरी है। आप गावों में जाकर देखें, किसानो को उनकी प्रोडयूस का भाव बहुत ही कम मिलता है। आप किसानो की कोई भी प्रोडयूस ले लें, चाहे गेहूं है, आलू है, चावल है, सरसों है, काटॅन है, यदि इनके दाम बढेंगे तो केवल एक या दो प्रसैंट ही बढेंगे लेकिन मैनुफैक्चरड

गुड्स के भाव 12–12, 15–15 और 20–20 प्रसैंट बढ जाते है। आप सब को यह पता है कि गावों के अन्दर किसान अपनी प्रोडूस का भाव लेने के लिए किस तरह से पिट रहा है। अगर मैं ज्यादा कहूं तो आप कहेंगे कि हम उनके लिए मगरमच्छ के आंसू बहाते है। जनता पार्टी के भाासन के समय चौधरी चरण सिंह ने भाुगरकेन के भाव के बारे में कहा था कि यदि गुड का एक्सपोर्ट किया जाए तो किसार भाुगरकेन के भाव में पिटने से बच जाएगा, लेकिन कुछ ऐसे हालात हो गए जिनके कारण उनकी यह नीति गलत हो गई। मै इसकी तफसील में नही जाना चाहता। आज किसान उसकी हर प्रोडयूस के भाव में पिट रहा है वह चाहे काटन की पैदावार है चाहे सरसों की पैदावार है, चाहे तोरिए की पैदावार है और चाहे कोई भी पैदावार है, आज किसान को उसकी पैदावार का सही भाव नही मिल पा रहा। यदि गेहूं बाहर से मंगवाया जाएगा तो हमें बहुत महंगा पडेगा।

श्री अध्यक्षः ग्रेवाल साहब, आप वाइंड अप करें।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, मै दो चार मिनट में ही खत्म कर दूंगा। स्पीकर साहब, एक बहुत बडे इकानोमिस्ट डा0 मैकलोम एडीसे ि ायाह, सैवंथ प्लान पर बैटर टर्म्ज़ आफ ट्रेड फार दी फारमर्ज़ के बारे में बोल रहे थे। वे नई दिल्ली में सैवंटीन्थ लाल बहादुर भाास्त्री मैमोरियल लैक्चर दे रहे थे। उन्होने इन्डियन एग्रीकल्चर रीसर्च इंस्टीच्यूट, नई दिल्ली में कहा कि किसानो की फसल लूटी जा रही है, उनको फसल का

कुछ भी भाव नही मिलता है, उनको लगातार लूटा जा रहा है और जो किसानो के नुमाइंदे है, वे ब्यूरोक्रेटस के जाल में फंस चुके है। उनका दृश्टीकोण अर्बनडाइज्ड है, उनका दिमाग अर्बनडाइज्ड है इसलिए वे किसानो की तकलीफो को नही समझते। लिहाजा वे किसानो की फसलो का सही दाम नही दे पाते है। उस इकोनोमिस्ट ने ऐसा लैक्चर दिया है। मै इस सरकार से निवेदन करुंगा कि वे गावों मे जाकर किसानो की माली हालत को देखें, आपको सारा पता लग जाएगा। अगर आपको बहुत बडी मैजोरिटी मिल जाए तो इसका मतलब यह नही है कि मैजोरिटी मिलने के बाद किसानो की समस्याओ की तरफ कोई ध्यान न दें। आज गावों मे बहुत समस्याए है। अनएम्पलामैंट की समस्या है, भुखमरी की समस्या है, डिसपैरिटी की समस्या है और आर्थिक समस्या हैं। इन समस्याओ को हल करना चाहिए। सरकार का यह फर्ज है ि कवह इन समस्याओ का कोई न कोई हल जरुर निकाले। किसानो की ऐसी समस्याएं दूर होनी चाहिएं।

इसके अलावा स्पीकर साहब, मैं सिंचाई के बारे में कुछ बातें कहना चाहूंगा। हमारे भिवानी जिले के किसानो को नहरी पानी बहुत ही कम मिलता है और बिजली की सप्लाई भी काफी कम होती है। जिसकी वजह से भिवानी जिले में 50 प्रसैंट स्टैंडिंग फसलें बर्बाद हो चुकी है। चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला जी यहां हाउस में बैठै है, मै उनसे कहना चाहता हूं कि वे भिवानी जिले में जा कर इस बात का पता लगा लें कि उस जिले में एक

महीने में केवल एक बार ही नहरो में पानी आता है। आपको यह पता है कि गेहूं की फसल 7 या 8 पानी लगने से पकती हैं। यदि गेहूं की फसल को दो या तीन बार पानी मिलेगा तो वह फसल कुछ भी नही हो पाएगी। आपको कोई ऐसा प्रोविजन करना चाहिए जिसके तहत किसानो के उनकी गेहूं की फसल के लिए कम से कम 7 या 8 बार पानी अव य मिल जाए। भिवानी का इलाका डैजर्ट इलाका है। यदि किसान गेहूं की फल को जब तक 10 या 12 बार पानी टयूबवैल्जसे नही देंगे तो वह फसल नही पक सकती। इसलिए मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि यदि टयूबवैलज़ से गेहूं की फसल को 10 या 12 बार पानी न मिले तो उनसे बिजली के बिल न लिए जाएं और यदि नहरी पानी 8 या 9 बार नही मिल पाता है तो उनसे आबियाना न लिया जाए। सरकार को इस बात की घोशणा करनी चाहिए कि यदि टयूबवैलज से 10 या 12 बार पानी और नहरो से 8 या 9 बार पानी गेहूं की फसल को नही मिलेगा तो उनसे बिजली के बिल और आबियाना नही लिया जाएगा। इन भाब्दों के साथ मै इस एप्रोप्रिए ान बिल का विरोध करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

वित्त मंत्री (श्री सागर राम गुप्ता): स्पीकर साहब, एप्रोप्रिए ान बिल पर हुई बहस का जवाब देने के लिए खडा हुआ हूं। मुझे इस बात की खु ाी है कि जिन माननीय सदस्यों ने आज बहस में हिस्सा लिया है, उन्होने अपने आपको सबजैक्ट तक ही कन्फाइन किया है। मै उनको इस बात के लिए मुबारकबाद देता

हूं। मेरे अपोजी ान के काफी माननीय सदस्य बोलते हुए पहले इधर उधर की बातों में चले जाया करते थे लेकिन आज सारी बातें एप्रोप्रिए ान बिल के बारे में कहते रहे हैं। स्पीकर साहब, सबसे पहले मैं श्री हीरा चन्द आर्य जी की एक बात का जवाब देना चाहूंगा। इन्होने कहा कि इस सप्लीमैंटरी एस्टीमेट्स में यह चीज क्यों नही लाए, वह चीज क्यों नही लाए और यह फैसिलीटीज़ क्यों नही दे पाये। मै उनके इस सुझाव से तवक्को नही करता हूं। आप सभी माननीय सदस्य यह जानते है कि सप्लीमैंटरी डिमांडज हे, बजट नही। आप सभी जानते है कि सप्लीमैंटरी एस्टीमेटस लाने का एक ही कारण होता है कि जो गुजर गया, इस साल के दौरान किन्ही कारणो की वजह से जिस पैसे का बजट में प्रावधान नही हो पाया था और कुछ खर्चा ज्यादा हो गया, उसको पास करवाने के लिए हम सप्लीमैंटरी डिमांडज आपके सामने लेकर आए हैं। मै यह कहना चाहता हूं कि इसके लिए नई स्कीमें, नई चीज और नए सुझाव नही आ सकते। लेकिन जो पैसा खर्च हो चुका है उसको पास करवाने के लिए हम आपके सामने सप्लीमैंटरी एस्टीमैटस लेकर हाजिर होते है। कल बजट आएगा उस पर बोलते हुए आप ये सारी बातें कहें कि यह चीज और आनी चाहिए थी ओर यह फैसिलीटीज होनी चाहिए थीं। आप काफी पुराने माननीय सदस्य हैं, मै उनकी इस बात से तवक्को नही करता। कुछ थोडा सा पासिंग रिमार्क ग्रेवाल साहब ने भी किया कि पार्टियां चुनाव में जीतती रहती है और हारती रहती है। इन्होने इस बारे में बोलते हुए जो कुमैंट्स किये थे वे ठीक नही

किए। मै इनको बता देना चाहता हूं कि अभी पार्लियामैंट के चुनाव मे और हरियाणा के तीनो उपचुनावों में अपोजी ान पार्टीज का जो हाल हुआ है, वह सब को पता है। साथ ही साथ मैं यह भी बताना चाहूंगा कि 1977 में भी कांग्रेस पार्टी का ऐसी हाल नही हुआ था जो आपका हुआ है (ाोर एवं विघ्न्)

श्री हरि चन्द हुडडा: साउथ में तो आपकी एक ही सीट आई थी (विघ्न्)

श्री सागर राम गुप्ता: हम तो अढाई साल बाद ही वापिस आ गए। अब कहां गई जनता पार्टी।(ाोर एवं विघ्न्) आप क्यों पासिंग रिमार्क करते हैं? अगर आप ऐसे रिमार्कस देंगे तो उनका जवाब तो देना ही पडेगा। (ाोर एवं विघ्न्) मेरे कहने की बहुत ज्यादा जरुरत नही है। जहां तक पी0 डबल्यू0 डी0 हरियाणा का सवाल है, वह बहत अच्छा काम कर रहा है। आज के दिन दूसरे प्रांतो के मुकाबले सबसे ज्यादा सडकें हमारे यहां पर बनी हुई है। आज के दिन 98 प्रति ात गावों को पक्की सडको से जोडा हुआ है। यह कोई छोटी बात नही है। मै इन भाईयों से निवेदन करुंगा कि वे दूसरे प्रान्तो में जा कर वहां की सडको की हालत देखें कि वहां पर कितनी सडकें है और कैसी है। (ाोर एवं विघ्न्) डा0 साहब, आप जैसा मैम्बर भी कटाक्ष करे तो अच्छी बात नही है। एक पी0 डबल्य0 डी0 सब–डिवीजन चण्डीगढ–पंचकूला का जिक यहां पर आया है। मै हाउस को बताना चाहूंगा कि यह डिवीजन जब से हरियाणा प्रान्त बना है,

उसी समय से है और बडा अच्छा काम कर रहा है। लेकिन डा0 दहिया साहब की यह बात ठीक है कि पीछे उस डिवीजन में एक फ्राड का केस या एम्बजलमैंट का केस नोटिस में आया। उस डिवीजन के अन्दर किसी ने 6 हजार के चैक या ड्राफ्ट को टैम्पर विद करके 60 हजार रुपए बना लिए और वह पैसा ले लिया। यह कार्यवाही 6 फरवरी को हुई थी। ज्यों ही गवर्नमैंट के नोटिस मे यह मामला आया तो गवर्नमैंट ने उसी समय ऐक ान लिया और जो ए0 टी0 औ0 मि0 विज वहां पर थे, उनको वहां से हटाया गया। गवर्नमैंट के नोटिस में आते ही इस केस की जांच पडताल की गई। अब एक केस धारा 420/467/468/ और 479 के तहत दर्ज किया गया है। हमारी सूचना के मुताबिक जो एस0 डी0 ओ0 वहां पर थे उनको 14–3–85 को गिरफतार कर लिया गया। अब वे बेल पर है। इसके साथ ही साथ उस ए0 टी0 ओ0 को भी निलम्बित कर दिया गया है। इसके अलावा, पी0 डबल्यू0 डी0 द्वारा भी अपनी कार्यवाही की जा रही है। मै डा0 साहबा को बताना चाहूंगा कि गवर्नमैंट ने इस मामले में किसी भी प्रकार की कोई गफलत या देरी नही की। स्पीकर साहब, यहां पर एक बात यह कही गई कि हरियाणा के कुछ एसे स्थनों पर सडके बनी हुई है जहां धूम कर लोगों को जाना पडता है। इसके लिए सुझाव दिया गया है कि कुछ छोटे छोटे लिंक रोड्ज बना दिए जाएं ताकि लोंगों को घूम कर न आना पडे और ज्यादा किराया न खर्च करना पडे। यह सुझाव ठाकुर बहादुर सिंह का बहुत अच्छा है। मै सरकार की तरफ से वि वास दिलाना चाहता हूं कि यह मामला सरकार के

विचाराधीन है कि ऐसे डायरेक्ट लिंक्स रोड्ज को कैसे और किस रफतार से जोडे जाएं। आप जानते है और सारा हाउस भी इस बात को जानता है कि यह कोई छोटा–मोटा काम नही है। ये लिंक्स 5,10 या 15 हजार रुपए में बन कर तैयार नही हो सकते। आज के दिन एक किलोमीटर सडक बनाने पर एक लाख रुपया खर्च आता है।

श्री हरिचंद हुडडाः जहां जहां गांव वाले मिटटी डलवा दें वहां तो आप ये रोड्ज जल्दी बनवा दें?

श्री सागर राम गुप्ताः हम हुडडा साहब की ऑफर का फायदा उठायेंगे।

श्री हरि चन्द हुडडाः मैं वायदा करता हूं कि जहां जहां पर मेरे हलके में ऐसी सडके बननी है वहां वहां पर मिटटी डलवा दूंगा।

श्री सागर राम गुप्ताः इस मामले में सरकार बिल्कुल जागरुक है और कोि ा ा यह होगी कि अगले 5–7 सालों में जो ऐसे कुछ लिंक्स है जहां काफी दूर से घूम कर आना जाना पडता है, उनसे बचा जा सके। इन लिंक्स को सरकार जल्दी से जल्दी बनाने की कोि ा ा करेगी। धमीजा साहब ने जिक्र किया है कि म्यूनिसिपल कमेटीज के जो रोड्ज़ है, उनकी बहुत खराब हालत है। इस बारे में मैने कल भी हाउस को बताया था और आज फिर दोहराता हूं कि सरकार इस बात को मान करके चल रही है कि

बहुत से भाहरों की सडकों की हालत बहुत ही खराब है। मै सदन को बताना चाहूंगा कि म्यूनिसिपल कमेटीज के पास इतना पैसा नही है कि वे नई सडके बना सके और पुरानी सडको की मुरम्मत अच्छी प्रकार से कर सके। सरकार इस बात पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर रही है कि भाहरो की जो सडके है उनकी मुरम्मत पी0 डबल्यू0 डी0 द्वारा जल्दी से जल्दी करवाई जाए। आप इस बात को देखेंगे इस पर जल्दी ही कार्यवाही भ्रुरु हो जाएगी। इसी प्रकार से अम्बाला के बारे में धमीजा साहब ने जिक्र किया है कि वहां पर फोर लेन सडक बननी चाहिए। इनका यह सुझाव बहुत अच्छा है लेकिन फिर भी सरकार इस बात पर विचार करेगी और पी0 डबल्यू0 डी0 नि चित तौर पर कोई कदम उठाएगा। इसी प्रकार से अम्बाला छावनी में जो बस–स्टैण्ड बना हुआ है, वह ज्वायंट पंजाब का बना हुआ है। इनकी मांग है कि वहां पर नया बस–स्टैण्ड बनाया जाए। मै इनकी सूचना के लिए और दूसरे साथियों की सूचना के लिए बताना चाहता हूं कि गवर्नमैंट के पास पहले ही यह मामला अंडर कंसिडरे ान है कि वहां पर एक नया अच्छा सा बस–स्टैण्ड मार्डन टाइप का बनाया जाए। अम्बाला कैंट में नया बस–स्टैण्ड बनाने के लिए रवैन्यू डिपार्टमैट से जमीन ट्रांसफर करवाई जा रही है। सदस्यों को जानकर इस बात की खु ाी होगी कि इस बस–स्टैण्ड के निर्माण का कार्य अगले साल यानि 1985–86 में भ्रुरु कर दिया जाएगा।

श्री अध्यक्षः आप अपने जवाब को छोटा करके जल्दी खत्म करने की कोि ा ा करें क्योंकि अभी एक आइटम और आनी है।

श्री सागर राम गुप्ताः ठीक है जी, लेकिन जो सवाल इन्होने किए है उनका जवाब तो देना ही पडेगा। अजमत खां जी ने एक बात कही है कि सडको पर जो मिटटी डाली जाती है वह वक्त–बे–वक्त डाली जाती है और उसमें हेराफेरी होती है। सरकार के नोटिस मे ऐसी हेराफेरी की बात नही है। अगर ये ऐसी कोई बात नोटिस में लाएंगे तो नि चत तौर पर इन्कवायरी करवायेंगे और जो अधिकारी इस मामले में लिप्त पाए जाएंगे उनको बख्भाा नही जाएगा। इसी प्रकार से डा0 दहिया ने पुलिस के खर्चे का जिक्र करते हुए कुछ बातें कही है। दरअसल इस मामले में यदि मेरी व्यक्तिगत राय पुछें तो मैं डा0 साहब से ऐसी उम्मीद नही कर सकता कि वे भी ऐसी बातें कहें। डा0 साहब को अच्छी तरह से पता है कि ज्यों ज्यों किसी दे ा में आबादी बढती है त्यों त्यों लॉ एण्ड आर्डर की सिचुए ान खराब होती है। मेरे भाई बुरा न माने तो मै ंएक बात जरुर कहूंगा कि ये विरोधी पक्ष के भाई ही जनता को गलत काम करने के लिए भडकाते हैं जिससे पुलिस का खर्च बढता है। स्पीकर साहब, इस डिमांड मे ंपुलिस का ज्यादा खर्च इन्वाल्वड नही है। अधिकतर खर्च तो महंगाई भत्ते का है जो कर्मचारियों को दिया गया है, इसी वजह से इतना खर्चा बढ पाया है। दूसरी बात यह है कि हमने पुलिस फोर्स नही बढाई। टोटल

फोर्स 23 हजार है। वर्श 1984–85 में मामूली इन्क्रीज़ हुई है। यह इन्क्रीज़ इतनी कम है जो न होने के बराबर है, भाायद दहिया साहब को यह मालूम नही है।

श्री हरि चन्द हुडडाः ये तो यह चाहते है कि हरियाणा मे ऐसे हालात हो जाए जिससे पुलिस फोर्स की जरुरत ही न रहे।

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य को एक बात मालूम नही कि 450 के करीब कांस्टेबल हटाये गये थे। इनको हरियाणा सरकार ने हटाया था। इन्होने सुप्रीम कोर्ट में रिट कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट के आर्डर्ज़ के मुताबिक इन कांस्टेबल्ज़ को हरियाणा सरकार को वापिस नौकरियों में लेना पडा और फैसले के मुताबिक इनकी तन्खाह का एरियर भी देना पडा। पुलिस पर जो इतना खर्चा हुआ है यह उसकी वजह से हुआ है। यह बात नही है कि इस साल पुलिस फोर्स बढा दी गई है। लेकिन स्पीकर साहब, जब पुलिस अच्छे तरीके से काम करेगी, ला एण्ड आर्डर को मैन्टेन करेगी, चोरियों और डकैतियों की रोकथाम करेगी तो इस में कुछ खर्चा बढना मुनासिब बात है। हमने पुलिस को वायरलैस सैट प्रोवाईड किये है, मोटर साइकल प्रोवाईड किये है, एम्बूलैंस गाडियां प्रोवाईड की है और जीपें प्रोवाईड की हैं। पुलिस को इलैक्ट्रोनिक इक्विपमैंटस दिये गये है ताकि एफिि ाएंसी बढे, इसीलिए यह खर्चा हुआ है। स्पीकर साहब, डा0 दहिया ने कहा कि पुलिस का मिसयूज़ होता है। यह बिल्कुल गलत है। न तो जलसों मे हाजिरी बढाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है और न ही

पुलिटिकल पर्पज़ के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया जाता है। यह तो उनकी भ्रान्ति है। स्पीकर साहब, चौधरी भागीराम ने एक बात कही थी, मैने उसका ख्याल रखा है। रानियां सब–तहसील बनाने की बात कर रहे थे। मै इनको मुबारकबाद देता हूं कि वह स्कीम सैंक ान हो गई है। स्पीकर साहब, एक और बात का जिक दहिया साहब ने किया था कि झंडो का बडा मिसयूज़ हो रहा है, इस बात से दहिया साहब को बडी तकलीफ है। मै इन्हे बताना चाहता हूं कि अगर 100 झंडे दिखाई देते है तो इन में से 95 परसैंट झंडे ट्राईक्लर के होते है। मेरे पास इस का कोई ईलाज नही है। अगर कोई इलाज है तो वह यही इलाज है कि वे उधर से रिजाईन करके कांग्रेस पार्टी ज्वाइन कर लें। इस का यही एक इलाज है।

डा0 भीम सिह दहियाः स्पीकर साहब, मैने कहा था कि बिजनैस प्रिमिसिज में जो झंडे लगाते है, वह न लगाए जाएं। अपने अपने घरों में लगाओ।

श्री सागर राम गुप्ताः अगर कोई आदमी अपने ट्रक्टर पर झंडा लगा लेता है, खेत वाला खेत में लगा लेता है तो इसका इलाज मेरे पास क्या हो सकता है?

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, वित्त मंत्री ठीक बात कह रहे है कि झंडे लगाये जाते है, लेकिन सवाल कांग्रेस झंडे का नही है, सवाल इस बात का है कि कांग्रेस का झंडा राश्ट्रीय झंडे

से मिलता जुलता है। किसी भी दे ा का जो राश्ट्रीय झंडा होता है, वह किसी एक पार्टी का झंडा नही होता। ** ** ** ** ** **

श्री अध्यक्षः यह बात रिकार्ड न की जाए।

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मैने अर्ज किया है कि इस पर हम रोक नही लगा सकते क्योंकि यह क्या मालूम कौन किस पार्टी में जाता है, कौन किस पार्टी का झंडा लगाता है। अगर कोई व्यक्ति अपने मकान पर कोई झंडा लगाता है तो हम उसको कैसे उतार सकते है? मै इनको सुझाव दे चुका हूं कि वे रिजाईन करके देखें, तब इधर आ सकते हैं। स्पीकर साहब, दहिया साहब ने एक बात एक्साईज डिपार्टमैंट के बारे में कही कि हरियाणा में एक डिस्टिलरी खोली जा रही है। यह डिस्टलिरी इसलिए नही खोली जा रही कि हरियाणा सरकार को डिस्टिलरी खोलने का कोई भाौक है। इसका कारण यह है कि हमारे यहां भाुगरमिल्ज़ बहुत हो गई हैं। पिछले साल हरियाणा में तीन भाुगर मिल्ज़ चालू की गई। अगर प्रान्त में गन्ना ज्यादा पैदा होगा और चीनी ज्यादा बनेगी तो मोलैसिज़ की क्वालिटी दे ा में बढेगी। यह हमारा रा–मैटीरियल है और हम चाहते है कि हमें अपना रा–मैटीरियल स्टेट के बाहर न भेजना पडे और वह भी बहुत सस्ते दामों पर। हम इसका बैस्ट यूज इन दी इन्ट्रस्ट आफ द स्टेट करना चाहते हैं। हमें डिस्टिलरी खोलने का कोई भाौक नही है। कांग्रेस पार्टी के लोग भाराब तो पीते ही नही जिसके लिए

डिस्टिलरी खोली जाए। डिस्टिलरी बनेगी तो हम इन भाईयों की ही सेवा करेंगे। मोलैसिस प्रदे ा से बाहर जाए तो ठीक नही है।

Mr. Speaker: Gupta Ji, be brief please.

श्री सागर राम गुप्ता: स्पीकर साहब, एक बात मैने कल भी बताई थी और आज फिर बताना चाहता हूं कि हरियाणा में हूच ट्रैजडी की कोई गुंजाइ ा नही है। पहले जो हूच ट्रैजडी हुई थी, इसको कारण यह था कि पहले कोटे कम थे। अब हमने कोटे बढा दिये हैं। अगर कहीं इस किस्त की भांका होगी तो हम उसका इलाज कर देंगे। स्पीकर साहब, पुलिटिकल बात ले ओ कि साहब, हिसार की एक कम्पनी है जिसका नाम एसेि ाएटिड डिस्टिलरी है। इस कम्पनी को अनड्यू ऐडवांटेज दिया जा रहा है।और इस कम्पनी के मालिक चीफ मिनिस्टर साहब के रि तेदार है। ऐसी बातें कहना इनको भाोभा नही देती। न जाने इस किस्म की बातें यें क्यों करते है? बिना बेसिज़ के बात करना हाउस में बदमग्जी पैदा करता है। स्टेटमें अलकोहल की जो रियलाइजे ान होती है वह ठीक ढंग से होती है। जो सरप्लस अलकोहल होती है, वह लाइसैंस होल्डर्ज़ को दी जाती है लेकिन किसी पर थ्रस्ट अपौन नही करते। वे अपनी जरुरत के मुताबिक परचेज़ करते है। यह एसोि ाएटिड डिस्टिलरी रजिस्टर्ड है और डी0 जी0 टी0 डी0 इसका कंसर्न्ड डिपार्टमैंट है जिस पर गवर्नमैंट आफ इंडिया का कंट्रोल है। स्टेट गवर्नमैंट इस में कोई दखल नही दे सकती। यह बिल्कुल गलत किस्म की बात है जो इन्होन कही।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, आप देहातों में जाकर देखें। वहां बोरियो में भर कर भाराब जाती है। इस तरह भाराब गावों में जा, इससे गलत बात और क्या हो सकती है?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, फाइनैंस मिनिस्टर साहब ने एसोि ाएटिड डिस्टिलरी की बात की है और कहते है कि ह प्रदे ा में कंट्रैक्टर्ज़ पर थ्रस्ट अपौन नही करते। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से इनके नोटिस में लाना चाहता हूं कि इसी कंसर्न की पहले डिस्टिलरी थी जो बन्द हो गई थी। इसके बाद मैसर्ज़ ए ाोसिए ान ने इसी कंसर्न नाम से एक और डिस्टिलरी भ्ाुरु की थी जिस में इंडियन मेड फारेन लीकर बनती थी। इसके बाद इन्होने देसी भाराब का लाईसैंस ले लिया लेकिन देसी भाराब का प्रोडक ान लाइसैंस लेने से पहले ही यह भाराब मार्किट में आ गई थीं। एक्साईज डिपार्टमैंट के आफिसर हर ठेकेदार को कहते है िकइस कम्पनी की रुस्तम ब्रांड है, उसी को खरीदो, हालांकि रुस्तम ब्रांड का स्तर बहुत ही घटिया है।

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मै यह अर्ज करना चाहता हूं कि यह बात भाोभा नही देती कि इस तरीके से हमे ाा पोलिटिकल आदमियों को जान बुझकर इंवौल्व करने की कोि ा ा की जाए। (विघ्न्) खैर, मै सदन की सूचना के लिए यह बता दूं कि हरियाणा सरकार को अपने ऐक्साइज़ डिपार्टमैंट के उपर फख्र है क्योकि यह काफी अच्छे ढंग से काम कर रहा है। पिछले साल इस डिपार्टमैंट की आय 296 करोड रुपये की थी लेकिन जो साल

अब जा रहा है इसमें 338 करोड रुपये की अर्निन्गज इस डिपार्टमैंट के थ्रू हुई है। यहां कोई एरीयर्ज नही रखे जाते। 99 परसैंट वसूली साथ के साथ हो जाती है। कुछ पुराने एरीयर्ज है और कुछ मामले कोर्ट में पडे है उनको भी जलदी से सुलझाने की हम कोि ा ा कर रहे है। (विघ्न्) स्पीकर साहब, यहां वर्ल्ड बैंक के प्रोजैक्ट का भी जिक्र आया। मै सदन की सूचना के लिए बताना चाहता हूं कि यह जो प्रोजैक्ट वाला मामला है यह बहुत जल्दी ही फाइनेलाइज़ होने वाला है।

प्रो0 सम्पत सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर, स्पीकर साहब, पिछली बार भी हाउस मे बौंडिड वेयर हाउसिंग का जिक्र आया था। उसके बारे में केसिज़ दर्ज हुए थे और कोई 15–20 करोड रुपए की गडबड हुई थी। अब फाइनैंस मिनिस्टर साहब की यह जिम्मेवारी बनती है कि वे हाउस को बताएं कि उस 15–20 करोड रुपये की ऐम्बजलमैंट का क्या रहा? क्या उनसे कुछ पैसा लिया गया था या नही लिया गया। अगर यह पैसा आ जाए तो स्टेट को और आमदनी हो सकती है।

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, सम्पत सिंह जी ने जो सवाल उठाया है, वह गलत है। कोई एम्बैजलमैंट की बात नही है। इस तरीके से खामखाह बेबुनियाद बात करना मुनासिब नही है।

प्रो0 सम्पत सिंहः पिछली बार सरकार ने यह माना था। (विघ्न्)

डा0 मंगल सेनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। (विघ्न्)

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): स्पीकर साहब, ये वैसे ही टाईम वेस्ट कर रहे हैं।(विघ्न्)

डा0 मंगल सेनः स्पीकर साहब, मैं आपको रुलिंग चाहता हूं। इस सदन में यह बात कैटेगरीकली मानी गई थी कि कुछ बौंडिड हाउसिज़ ने ऐक्साइज डिपार्टमैंट से मिलकर भाराब निकलवा दी थी और ऐक्साइज की चोरी हो गई थी। अब फाईनैंस मिनिस्टर साहब, जो अभी नए नए बने हैं, इस बात को गलत बता रहे है। If he is ignorant about it, he must have asked from his friend sitting with him. अगर उनको भी पता नही तो बृज मोहन सिंगला जी से पूछ लें जो ताजे ताजे सुप्रीम कोर्ट से बचकर आए है। (विघ्न्)

एक सदस्यः बचकर नही, जीत कर आए है।

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मै डा0 मंगल सेन जी की सूचना के लिए बता दूं कि हरियाणा सरकार बहुत पुरानी है, कोई नएपन की बात नही है। यह बात ठीक है कि कोई बौंडिड वेयर हाउस का स्कैंडल हुआ था लेकिन उसमें इवेजन 15 करोड रुपये का नही था बल्कि 3 करोड रुपए का था और उस

इवेजन के बारे में सरकार ने उचित कदम उठा लिए हैं। इसमें कोई गुंजाइ ा की बात नही है।

डा0 मंगल सेनः क्या कदम उठाए हैं?

श्री सागर राम गुप्ताः सरकार जो उचित समझती थी, वे कदम उठा लिए गए हैं। स्पीकर साहब, ये क्वै चन कर दें, हम जवाब दे देंगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, माननीय सम्पत सिंह जी ने जो बात कही है, इस कम्पट्रोलर एंड औडिटर जनरल आफ इंडिया ने भी माना है। एक बात जिसे सरकार पहले मान चुकी है उस पर वित्त मंत्री को अव य रो ानी डालनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः जितना वे बता सकते थे उन्होने बता दिया है। मै उन्हे जवाब देने के लिए फोर्स नही कर सकता।

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, यहां यह जिक आया की फरीदाबाद में अभी एक झगडा हुआ है जिसमें एक व्यक्ति मारा गया है। यह भी कहा गया कि बौंडिड लेबर के बारे में हरियाणा सरकार जागरुक नही है। यह बात बिल्कुल गलत है। मैं बता दूं कि सुप्रीम कोर्ट ने 295 बौंडिड लेबर के बारे में जो आर्डर दिया था, उस पर सरकार ने ऐक्टिवली काम किया है। 72 आदमियों को रिलीज करवा कर री–पैट्रिएट कर दिया है। 78 के करीब आदमी अपने आप चले गए है। 73 के करीब आदमी ऐसे है

जो जाना नही चाहते क्योकि बहुत से लोगों की अपनी मजबुरियां होती हैं, लेकिन उनको आइडैंटिफाई कर लिया गया है। 44 के करीब लोग ऐसे हैं जो ट्रेसेबल नही हैं। 28 आदमियों को हम रीपैट्रीएट करने के प्रोसैस में हैं। जहां तक फरीदाबाद वाली बात का सम्बन्ध है, वहां एक ठेकेदार और मजदूरो के बीच झगडा हुआ था। ठेकेदार ने बाहर से कुछ बाहर से कुछ आदमी बुला लिए थे और मजदूरो ने भी पथराव आदि किया। इस झगडे में एक आदमी मारा गया। सरकार इस मामले में सतर्क है। केसिज़ रजिस्टर करवा दिए गए है। दोनो तरफ के आदमी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। लॉ एण्ड आर्डर की कोई प्रोब्लम अब वहां नही रही है।

स्पीकर साहब, मेवात की डिवैल्पमैंट के बारे में चौधरी अजमत खां जी ने एक बात कही। कल भी मैने जिक्र किया था और आज फिर कह देता हूं कि सरकार उसकी डिवैल्पमैंट के लिए बहुत कोि ा ा कर रही है। यह बात ठीक है कि पीने के पानी की बहुत जगह तकलीफ है। इस साल हमने 800 प्रोब्लम विलेजिज़ की पीने के पानी की तकलीफ को हल किया है। अगले दो सालों में हरियाणा की प्रोब्लम विलेजिज़ में चल रही ड्रिंकिंग वाटर सप्लाई स्कीमो को पूरा कर देंगे। इन भाब्दो के साथ, स्पीकर साहब, मै हाउस से गुजारि ा करुंगा कि इस ऐप्रोप्रिए ान बिल को पास किया जाए।

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Appropriation (No. 1) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

श्री अध्यक्षः अब सदन बिल पर क्लाज वाई क्लाज विचार करेगा।

श्री हीरा चन्द आर्य (लोहारु): अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने 138, 52 करोड रुपये का सप्लीमैंटरी बजट हाउस के सामने पे ा किया है। अध्यक्ष महोदय, मेरे ख्याल से यह सारे साल के बजट का एक तिहाई से भी ज्यादा बनता है। अगर कोई ऐमरजैंसी आ जाए, कोई नैचुरल कैलेमिटीज़ आ जाएं तब तो कोई 5–10 परसैंट सप्लीमैंटरी बजट की बात समझ में आ सकती है लेकिन बिना किसी ऐमरजैंसी के, बिना किसी नैचुरल कैलेमिटिज के यदि इतना बडा सप्लीमैंटरी बजट पे ा किया जाए तो बात जंचती नही। स्पीकर साहब, यह बडा अन–प्लैंड बजट है। अध्यक्ष महोदय, किसी दे ा और प्रदे ा के लिए ि ाक्षा बहुत महत्वपूर्ण होती है। उसके लिए भ्रुरु साल में कोई योजना नही थी, कोई स्कीम नही थी कि कितने स्कूल अपग्रेड करने है लेकिन जब इनकी तबीयत की तो 93 स्कूल अपग्रेड कर दिए। उसके लिए 13,56,590 रुपए रखे गए है। अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा का स्तर अगर उठाना है तो बकायदा प्लानिंग करनी पडेगी लेकिन ये बडे अनप्लैंड–वे से काम कर रहे हैं। एजुके ान बोर्ड कई साल से इनसे ठीक प्रकारसे

कंस्टिच्यूट नही हो पाया है। अगर ये कोई अच्छे काम करते तो हमें खु ाी होती।

श्री अध्यक्षः अब आप कृप्या बैठिए।

प्र न है–

कि क्लाज 2 बिल का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ।

क्लाज 3

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 2 बिल का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हआ।

भाड्यूल

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि भाड्यूल बिल का भाड्यूल हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लाज 1

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि क्लाज 1 बिल का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

अनैक्टिंग फार्मूला

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि अनैक्टिंग फार्मूला बिल का अनैक्टिंग फार्मूला हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

टाईटल

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि टाईटल बिल का टाईटल हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

Mr. Speaker: Now the Minister will move that the Bill be passé

Finance Minister (Sh. Sagar Ram Gupta): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि बिल पास किया जाए।

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि बिल पास किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

सरकारी संकल्प

संविधान (तिरपनवां संशोधन) विधेयक 1984 की रेटिफिकेशन सम्बन्धी

श्री अध्यक्ष: अब मिनिस्टर साहब औफिशियल रैजोल्यूशन मूव करेंगे।

Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That this House ratifies the amendment to the Consitution of India falling within the purview of the proviso to clause (2) of article 368 thereof, proposed to be made by the Consitution (Fifty-third Amendment) Bill, 1984 as passed by the two House of Parliament.

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, हमें इसके सम्बन्ध में कोई कागज तो मिले नही। न हमारे पास अमैंडिड बिल है और न ही ओरिजनल बिल है। हम कैसे डिसकशन में पार्टीसिपेट करैंगे?

श्री अध्यक्ष: जो डाक्यूमैंटस टेबल आफ दी हाउस पर ले लिए है, वही सब मैम्बरान को भेजे थे, दो कापियां भेजी थी।

13:00 बजे

आवाजें: हमें एक भी कापी नही मिली।

श्री अध्यक्षः अगर हुडडा साहब को मिल गई है तो आपको भी मिलनी चाहिए थी।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः मिस–प्लेस हो गई होंगी।

श्री अध्यक्षः ठीक है, गलती भी हो सकती है। लेकिन जब हुडडा साहब को पहुची है तो आपको भी पहुंचनी चाहिए थी।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हुडडा साहब को पहुंची होगीं लेकिन हमें नही पहुंची।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, विधान सभा ने 31 मार्च, 1980 को एक रैज्योलू ान पास किया है और भारत सरकार से यह दरखास्त की है कि उनकी अपनी असैम्बली में और लोक सभा में भी, अनुसूचित जनजातियों के लिए स्थानों के रिजर्वे ान के लिए उपलब्ध किया जाये। दोनो जगहो पर रिजर्वे ान के लिए दरखास्त की है। इस प्रस्ताव का समर्थन नागालैंड, अरुणाचल प्रदे ा और मिजोरम की सरकारो ने अपने अपने क्षेत्रो के बारे में किया है। इन्होने यह प्रपोज़ किया है कि आर्टिकल 330 में सं ाोधन इसलिए किए जाने का प्रस्ताव है कि इसमें लोक सभा की सीटों में रिजर्वे ान के लिए प्रोविजन है। आर्टिकल 332 का सं ाोधन इसलिए किए जाने का प्रस्ताव है कि नागालैंड और मेघालय की विधान सभाओं में ऐसे ही आरक्षण के

लिए उपलब्ध हो जाए। स्पीकर साहब, यह जो प्रस्ताव आया है, इसका कांस्टीच्यु ानल अमैंडमैंट बिल पार्लियामैंट में पास हो चुका है और हमारी विधान सभा में रैटीफिके ान के लिए आया है। इस प्रस्ताव को लाने का कारण यह है कि उनकी स्टेटस में दूसरे लोग बहुत ज्यादा आ रहे है और उनकी ओरिजनल पापुले ान गिनती में इतनी कम न हो जाए कि वे असैम्बली में अपने तौर पर आ ही न सकें। इसलिए उनकी आकांक्षाओ को, इगोज को, कस्ट्मज को पूरा करने के लिए ऐसा किया जा रहा है ताकि उनकी पूरी तरह से हिफाजत हो सके। इन बातों को पूरा करने के लिए यह अमैडमैंट ले कर आये है। इस अमैंडमंट को जो प्रैजन्ट लोक सभा पर कोई असर नही पडेगा यानि उनकी सीट्स पर कोई असर नही पडेगा। इस अमैडमैंट के पास होने के बाद इलैक ान कमी ान डीलिमिटे ान ओर डेजिने ान आफ कांस्टच्युएंसी करेगा। जब अगला इलैक ान लोक सभा और विधान सभा का होगा उसमें ट्राइबलज के लिए सीट्स रिजर्व होंगी। इसका हिन्दुस्तान की किसी दूसरी स्टेट के साथ कोई सरोकार नही है और न दूसरो पर इसका कोई असर हैं। इस का बहुत ही अच्छा मुद्दा है और इस में ट्राइब्लज् लोगो की आकांक्षाओ को पूरा करने के लिए रिजर्वे ान का प्रावधान किया गया है। इसलिए मै हाउस सर दरखास्त करुंगा कि इस सं ाोधन का अनुसमर्थन करें।

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House ratifies the amendment to the Consitution of India falling within the purview of the proviso

to clause (2) of article 368 thereof, proposed to be made by the Consitution (Fifty-third Amendment) Bill, 1984 as passed by the two House of Parliament.

श्री मंगल सेन (रोहतक): स्पीकर साहब, पार्लियामैंट अफेयर्ज़ मिनिस्टर ने कुछ भूमिका के साथ संविधान के सं ाोधन का अनुसमर्थन का प्रस्ताव रखा है। मेरे कुछ मित्र यहां हाउस में कह रहे थे कि इस अमैडमैंट के बारे में हमे पूरा मैटीरियल नही मिला।

श्री अध्यक्ष: सब को लैटर भेजे हैं।

श्री मंगल सेन: स्पीकर साहब, राज्य सभा की डिबेट इसके साथ मिली है लेकिन लोक सभा की नही मिली। अच्छा तो यही होता कि लोक सभा की डिबेट भी भेज देते। यह तो वही बात हुई कि छोटे मियां सो छोटे मियां, बडे मियां सो सुभान अल्ला। सन् 1980 में मेघालय की विधान सभा ने यह पास किया। आज पांच साल होने वाले हैं। हम तो सोचते थे कि हमारे यहां ही जल्दी से काम होता है, वहां तो सैन्टर में हम से भी जल्दी काम होता है। पांच साल तक कुम्भकर्ण की तरह सोये रहे और अब ये अमेडिंग बिल ले कर आए है। ये बडा मासूम चेहरा बना कर कह रहे थे कि उनकी आकांक्षाओ को देखते हुए, उनके कस्टम, इगोज खत्म न हो जायें, उन्हे कायम रखने के लिए भारत सरकार ने यह अच्छा कदम उठाया है। बडी अच्छी बात है परम्परागत प्रथाओ को जीवित रखना चाहिए। आदिवासियों,

वनवासियों की आरक्षण मिलना चाहिए। हमारे संविधान के निर्माताओ ने बडी दूरी की सोच कर आर्टिकल 330 और 332 में रिजर्वे ान आफ सीट्स फार ि ाडयूल्ड कास्टस एण्ड ि ाडयूल्ड ट्राइब्ज रखी हैं। इन्होने चार पांच प्रदे ाो को गिनवाया है जिसमें नागालैंड, अरुणाचल प्रदे ा, मिजोरम आदि है। स्पीकर साहब, हरियाणा में भी बसने वाले जो पसमान्दा लोग है, जन–जातियां है जो निर्धनता की रेखा के नीचे है, उनकी तरफ कोई ध्यान नही दिया गया। इन्होने इकोनोमिकली बैकवर्ड क्लासिज के नाम से एक कार्पोरे ान बना दी। उसका एक चेयरमैन बना दिया जिसको आने जाने का खर्चा और भत्ता आदि भी दिया जाता है। * * * * *

श्री अध्यक्षः डा0 साहब ने जो यह बात कही है यह रिकार्ड न की जाये।

श्री मंगल सेनः स्पीकर साहब, मै यह कहना चाहता हूं कि कांस्टीच्यू ान की अब 53वीं अमैडमैंट कर रहे है। स्पीकर साहब, आप खानदानी वकील है क्योंकि आपके पिता जी भी वकील रहे है। खुद भी वकील हो और आज जिस कुर्सी पर आसीन हो, वह आपकी काबलियत का नमूना है।

श्री अध्यक्षः यही नही मेरे दादा जी भी वकील रहे हैं।

श्री मंगल सेनः यही से तो इन्सपीरे ान लेने वाली बात है। आपसे इन्सपीरे ान लेकर हम भी एल0 एल0 बी0 कर रहे हैं। मै यह कहना चाहता हूं कि कांस्टीच्यूएंसी की जो 53 वी बार

अमैडमैंट होने जा रही है, इससे हमारा दुनिया में मजाक उड रहा है। इस संविधान की कुछ धाराएं 26 नवम्बर, 1949 को लागू हो गयी थीं, मुझे इस बात का इसलिए पता है क्योंकि मै भी भारत के उच्चतम न्यायालय में एक बार प्रार्थी यानी पैटीि ानर डिफैंस बन कर गया था। मेरी सिटीजनि ाप को आपकी चेयर पर विराजने वाली एक बहिन श्रीमती भान्नो देवी ने एक दफा चैलेंज किया था। इसलिए मुझे पता है कि कुछ धाराएं 26 नवम्बर, 1949 को लागू हो गयी थी जैसे फंडामैंटल राईट्स की बात है। बाकी धाराएं और पूरा संविधान 26 जनवरी, 1950 को ही लागू हुआ था। मेरा कहने का मतलब यह है कि हमारे संविधान को लागू हुए 35 साल हो गये है और अब 53वीं बार इसमें अमडैमैंट हो रही है। दुनिया के दूसरे दे ाो के कांस्टीच्यू ान्ज़ में, मै समझता हूं कि इतनी ज्यादा अमैडमैंटस नही हुई है जितनी हमारे कांस्टीच्यू ान में हुई है। स्टेटसमैन इयर बुक ट्वंटी–फर्स्ट एडी ान में यह दिया हुआ है कि यू0 एस0 ए0 का कांस्टीच्यू ान 1776 में लागू हुआ था। 209 साल हो गये है लेकिन उसमें 20 से भी कम बार अमैडमैंट हुई है। यहां पर आए दिन अमैडमैंट होती रहती है। ठीक है, एण्टी डिफैक ान बिल द्वारा जो अमैडमैंट की गयी है, वह तो होनी चाहिए थी। उसके ऊपर एक ान भी हेाना चाहिए था। हरियाणा के मुख्य मंत्री पर सबसे पहले एक ान होना चाहिए था और सारी कैबिनेट पर एक ान होना चाहिए था। लेकिन बहुत अफसोस है कि उस पर कोई अमल नही हो रहा है। (व्यवधान एवं भाोर)

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): आपके ऊपर अमल हो तो रहा है। अब आप लोग इधर नही आ सकतें।

श्री मंगल सेन: नेहरा साहब, मैं आपको क्या कहूं। आपको कुछ कहना मैं जरुरी भी नही समझता। आप इतने इन्नोसैंट् है कि आप बात कर जाते है। आप इतने भोलेपन से बात कह जाते है कि आप उसका मिनिंग भी नही समझते। इसलिए मै आपको कुछ न कहते हुए इतनी ही बात कहना चाहता हूं कि कांस्टीच्यू ानसी के जो फ्रेमर्ज थे, जो हमारे संविधान निर्माता थे, जो विद्वान लोग थे और आजादी के बाद संविधान सभा में बैठकर जिन्होने करोडो लोगो की भावनाओ को रिप्रैजैंट किया, उन्होने कभी यह कल्पना नही की थी कि उनके किये हुए काम की इस तरह से आने वाली पीढी चीर–फाड कर देगी। 42 वे या 43 वें संविधान सं ाोधनो के द्वारा, जिसके अन्तर्गत हमारा बोलना बन्द कर दिया गया था, हमारे मौलिक अधिकार भी छीन लिये गये थे, उसके खिलाफ कुछ वकील लोग कोर्टस में चले गये थे। ये कहने लगे कि इसका कोई चककर ही नही है। अगर कोई गोली मार दे या कोई आजादी छिन ले तो इसकी कोई अपील नही होनी चाहिंए। मुझे खु ाी है कि हिन्दुस्तान की जनता ने इन सं ाोधनो को ठुकराया। आज चाहें कुछ भी कहते रहें। हमारे कई मित्र जो आज उधर बैठे हैं, हमारे पास जनता पार्टी का टिकट लेने आया करते थें। अन्त में मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि संविधान में जो इतने ज्यादा सं ाोधन किए गए हैं, यह नही होने चाहिए थे।

हमारे संविधान में सं ाोधन करने के दो मार्ग दिखाए गये है, एक पार्लियामैंट में 2/3 बहुमत होना चाहिए और दूसरा स्टेट विधान सभाओं की सहमती होनी चाहिए। यानि पचास प्रति ात से ज्यादा स्टेट विधान सभाओं की सहमति होनी चाहिए। इस अमैडमैंट के लिए दूसरा रास्ता अपनाया गया है। यह बिल हमारी विधान सभा में इसलिये आया है कि इस विधान सभा ने भी इसका अनुमोदन करना है। इस रैज्योलू ान पर पार्लियामैंटेरी अफेयर्ज़ मिनिस्टर महोदय ने पे ा करते हुए कहा कि इस अमैंडमैंट का मतलब हम यह समझते है कि उस क्षेत्र के रहने वाले लोगो का जो बनवासी है, अपना विकास हो उनकी तरक्की और विकास होना चाहिए आजाद हिन्दुस्तान में बिरला, टाटा, और हरियाणा के पूंजीपतियों के घरों में विकास न होकर, गरीब की झोपडी में विकास होना चाहिए। इसलिए यह प्रावधान लाया गया है। यह कदम सराहनीय है और समर्थन करने योग्य है। अन्त में मैं इतना ही कहते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्रीमती चन्द्रावती (बाढडा): यह जो 53वीं अमैडमैंट हाउस में रैटीफिके ान के लिये आयी है इसके बाद मै यह समझतीहूं कि थोडे दिनो मे भाायद हमारे संविधान का यह भी पता नही पडेगाा कि ओरीजनल संविधान क्या है और अमैंडिड क्या है। स्पीकर साहब, इस अमैडमैंट से यह क्या करना चाह रहे है? यह कहते हैकि वहां पर रहने वाले लोगो के अधिकारों की रक्षा करेंगे। जहां तक मुझे पता है, अकेले त्रिपुरा में ही भाायद 60–70

लाख से ज्यादा लोग बंगाल से आकर यहां बसे हुए हैं। आसाम में भी यह सिलसिला चल रहा है। दूसरी जगहो पर भी यदि यही सिलसिला चालू हो जायेगा तो जो ओरिजनल लोग हैं उनके हितो की रक्षा भाायद नही हो सकेगी। उनकी संख्या यदि कुछ भी नही रहेगी तो उनके इन्ट्रैस्ट कैसे प्रोटैक्ट होंगे? वह पंचायत के मैम्बर भी नही बन सकते, असैम्बिलियों और पार्लियामैंट तक पहुंचने की बात तो बहुत दूर की है।

श्री अध्यक्षः आपके पास मैटीरियल पडा हुआ है, आपने पढा होगा कि दोनों ही हाउसिज में यह बिल यूनानीमसली पास हुआ था। किसी भी सदस्य ने विरोधता नही की है।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मै विरोध तो नही कर रही हूं। मै तो आपके द्वारा यह बात कहना चाहती हूं कि भारत सरकार इन बातों की तरफ ध्यान दें कि आज चाहे वह ि ाडयूल्ड ट्राइब्ज के लोग हैं, चाहे ि ाडयूल्ड कास्ट्स के लोग हैं, जो भी वहां के ओरीजनल बाि ान्दें है, उनके हितो की रक्षा किस ढंग से हो सकती है। उनके हितो की रक्षा करने की बताये, विदे ाी लोगो को वहां पर बसा कर भारत सरकार उनके हितो पर कुठाराघात कर रही है। तिब्बत तो वैसे ही चीन को दे दिया और तिब्बत वालो को यह कह दिया कि आप यहां पर आ जाओं। यही हाल अब थोडे दिनो में श्रीलंका के लोगो का हो जायेगा कि कि तुम यहां आ जाओ। आप उनको जमीन भी दे देना। असम का क्या हाल हुआ है? असम की आज जो प्राब्लम है, वह प्रोब्लम

इसलिए पैदा हुई है कि उसमें करोडो लोग बंगला दे ा से आकर बस गए। थोडे दिनो में कुछ चीन के कुछ बर्मा के और कुछ दूसरे लोग आयेंगे जो मिजोरम और नागालैंड में आ कर बस जाएंगे। मैने सुना है कि 5 लाख के करीब बंगला दे ा के लोग दिल्ली और हरियाणा में आकर बस चुके है। स्पीकर साहब, वहां पर त्रि चीयैनिटी का प्रचार होता है। जब मैं एम0 पी0 थी, तब होकर आयी थी। वहां पर दूसरे दे ाो के लोग आकर बस रहे है। इस दे ा के ओरीजनल लोग है, उन लोगो के हितो की रक्षा तो बस इस तरह से ज्यादा बेहतर होगी कि वहां पर विदे ाी लोगो को न बसने दिया जाए। दूसरे प्रान्तो के लोग तो बस जाएंगे लेकिन यहां के लोगो को बसने के लिए जमीन नही रहेगी। मै इस पर बोलने हुए सारे दे ा के बारे में बोल सकती हूं। नेहरा जी, मै यह कहना चाहती हूं कि स्पीकर साहब, के द्वारा हम यह बात भारत सरकार तक पहुंचाना चाहते है कि विदे ाी लोगो को यहा पर न बसने दें। जब बंगला दे ा बनाया गया था उस वक्त हमें यह चाहिए था कि बंगला दे ा से जो लोग हमारे यहां पर आ रहे थे, उनके हिस्से की जमीन भी हम लेते। यहां पर हमें जमीन मिलनी चाहिए। मै इतनी ही बात कहकर आपका धन्यवाद करती हूं।

चौधरी औम प्रका ा (बेरी): अध्यक्ष महोदय, पार्लियामैंट अफेयर्ज़ मिनिस्टर ने जो प्रस्ताव कांसटीटयू ानल (तरेपनवां अमैडमैंट) बिल, 1984 संसद के दोनो सदनो लोक सभा और राज्य

सभा के पास होने के प चात रैटिफिके ान के लिए यहां रखा है उसका मैं समर्थन करता हूं।

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, इनके लीडर ने तो इस बिल का विरोध किया है और ये समर्थन करने के लिए खडे हुए है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैने इ बिल का विरोध नही किया है। मैने तो बिल का समर्थन किया है। मैने तो अपनी औबजरवे ान और सुझाव दिए हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अगर हमारा लीडर इसका विरोध भी रके तो क्या उनको इसकी सजा मिलेगी?

श्री मंगल सेनः स्पीकर साहब, मै आपकी गाइडैंस चाहता हूं और आपकी रुलिंग भी चाहता हूं। ये जो पौने मिनिस्टर है। (हंसी) ि ाक्षा राज्य मंत्री हैं इनका पार्लियामैंट अफेयर्ज़ का ज्ञान तो है नही, लेकिन एक्टिंग उनसे ज्यादा करने की कोि ा ा करते है। एक पार्टी के मैम्बर ने कोई बात कह दी और दूसरा मैम्बर उसके समर्थन मे खडा हो रहा है तो इनको क्या एतराज है और कौन से रुल के तहत ये इस बारे में एतराज कर सकते है? इस बारे में मै आपकी रुलिंग चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आप बैठिए।

चौधरी औम प्रका ाः स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि इस कांस्टीटयू ान अमैडमैंड को लोक सभा और राज्य सभा ने पास कर दिया है। 31 मार्च, 1980 को मेघालय असैम्बली ने इस बारे में प्रस्ताव पास किया था। आर्टिकल 330 और 332 में लोक सभा ने जो अमैडमैंट की थी उसकी रैटिफिके ान के लिए यहां पर प्रस्ताव लाया गया है। अध्यक्ष महोदय, बहुत देरी से ही सही, जो यह अमैडमैंट है उसका मै स्वागत करता हूं। स्पीकर साहब, आजादी को मिले हुए 37–38 साल हो गए लेकिन नागालैंड अरुणाचल प्रदे ा और मिजोरम जैसे इलाके के लोगो के पास अभी तक विकास की रो ानी नही पहूंची है। उनके पोलिटिकल राइट्स कायमकरने और सैपरेट आइडेन्टिटी कायम रखने के लिए संसद ने यह बिल पास किया है। स्पीकर साहब, मेरे पास 1981 मे हुई जनगणना की फिगर्ज है। ये फिगर्ज इस बात को सोचने पर मजबूर करती है कि जो इलाके आदिवासियो के थे उनमें दूसरे इलाको के लोग आकर बस गए है और उन्होने उन आदिवासियों से प्रापर्टी खरीद ली है। इसका मतलब यह हुआ कि वहां पर नॉन–ट्राइबल 70 प्रति ात है। 1981 की जनगणना के अनुसार नागालैण्ड में 83 प्रति ात, मेघालय में 80 प्रति ात, अरुणाचल प्रदे ा में 50 प्रति ात और मिजोरम में 93 प्रति ात आदिवासी है लेकिन धीरे धीरे इनकी आबादी कम होती जा रही है और गैर आदिवासी बढते जा रहे है। यह तो बहुत अच्दा हुआ है कि ट्राइबल्ज के पोलिटिकल राइट्स और प्रोपर्टी के राइट्स को सेफगार्ड करने के लिए कांस्टीच्यु ान में अमैंडमैंट की गई और

उसकी रैटिफिके ान के लिए जो प्रस्ताव सदन में पे ा किया गया है मै उसकी सराहना करता हूं और चाहता हूं कि यह प्रस्ताव युनानिमसली पास होना चाहिए।

सिंचाइ तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, इस प्रस्ताव पर बोलते हुए डा0 मंगल सेन, श्रीमती चन्द्रावती, और श्री औम प्रका ा ने संक्षेप में कुछ बातें की। डा0 मंगल सेन ने कहा कि राज्य सभा की डिबेट की कापी तो हमें मिल गई है लेकिन लोक सभा की डिबेट की कापी नही मिली है। अध्यक्ष महोदय, इस सम्बन्ध में मै यह कहना चाहता हूं कि लोक सभा में इस बिल पर कोई डिस्क ान नही हुआ। यह बिल लोक सभा में पे ा हुआ और बिल पास हो गया। राज्य सभा में इस पर डिसक ान हुआ था और उसकी कापी मैम्बर्ज मे डिस्ट्रीब्यूट कर दी गई। यहां पर यह भी कहा गया कि यह 53 वी अमडैमैंट है ओर बार बार अमडैमैंट कर के कास्टीच्यू ान की भाक्ल ही बदल दी गई है, और कुछ दिनो मे पता ही नही लगेगा कि असली कास्टीच्यू ान कौन सा था। स्पीकर साहब, कास्टीच्यू ान कोई स्टेटिक चीज नही है, कोई डैड चीज नही है। कास्टीच्यू ान एक लिबिंग डाकूमैंट है। हिन्दुस्तान के लोग जैसे जैसे तरक्की करेगे वैसे वैसे लोगो की ऐस्पीरे ांज बढेगीं। हिन्दुस्तान के लोग एग्रीकल्चर में ऐक्सपैंड करेगे, नोलिज मे ऐक्सपैंड करेंगे और इंडस्टरी में ऐक्सपैंड करेगे, उसी तरह से कांस्टीच्यू ान में अमैडमैंट होती रहेगी कांस्टीच्यू ान लोगो के

लिए बना है, लोग कांस्टीच्यू ान के लिए नही बने। जैसे जैसे कन्टरी ऐक्सपैंड करेगा वैसे वैसे कांस्टीच्यू ान में सूटेबल अमैडमैंट हेागी ताकी किसी तरह की रिटार्ड न हो, दे ा की प्रगति में बाधा न आये और उन्नति का मार्ग प्र ास्त हों। इस तरह का कांस्टीच्यू ान बनाया जाए। इसलिए जो तरमीमे हुई हम उनको वैलकम करते है। स्पीकर साहब, पहले हिन्दुस्तान मे बडे बडे बिस्वेदार थे, बडे–बडे साहूकार थे और बडे बडे रजवाडे थे। उस वक्त भारत की पार्लियामैंट ने कुछ कानून बनाये जिनको ऐगरेरियन रिफामर्ज़ कहा जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने उन कानूनो को स्ट्रक डाउन कर दिया क्योकि उस वक्त कांस्टीच्यू ान इस बात की इजाजत नही देता था। बाद में पार्लियामैंट ने कांस्टीच्यू ान मे इस तरह का प्रोविजन किया कि किसी एक हाथ में सारी दौलत न रह जाए। किसी एक हाथ में सारी जमीन न रह जाए और वह जमीन कल्टीवेटर्ज में बंटनी चाहिए। यह कांस्टीच्यू ान मे अमैडमैंट करके ही हो सकता है। संसद ने जायदाद पर पाबन्दी लगाई, जमीन पर पाबन्दी लगाई ताकि दे ा में समाजवाद लाने के लिए मार्ग प्र ास्त हो सके। स्पीकर साहब, लीडर आफ दी अपोजी ान ने बोलते हुए कुछ ऐक्सट्रनुअस बाते की। मै समझता हूं उनका ऐसी बाते करने का कोई औचित्य नही था। स्पीकर साहब, गवर्नमैंट आफ इंडिया पूरी तरह से जागरुक है। अब तक किसी प्रकार से भी टैरिटोरियल इन्टैगरेटी को कोई आघात नही पहुंचा है और न आगे पहुचेगा। भारत सरकार पूरी तरह से सतर्क है। एक बात चौधरी औम प्रका ा जी ने आदिवासियों की प्रापर्टी

की प्रोटैक ान की बात की। उन्होने कहा कि उनकी जायदाद दूसरे लोग खरीद लेते है। स्पीकर साहब, जहां तक मेरा ज्ञान है, जो ट्राइब्ल एरियाज़ हैं, वहां के लोगो के प्रोपर्टी राइट्स पूरी तरह से सेफ है। बाहर के लोग उनकी प्रोपर्टी को नही खरीद सकते। उनका कल्चर उनकी संस्कृति और उनकी भाशा पूरी तरह सेफ है। उनके रीति रिवाजों के बारे में उनको पूरी तरह से प्रोटैक ान दी जा रही है। इस सम्बन्ध में पंडित जवाहर लाल नेहरु और स्वर्गीय इंदिरा गांधी दोनो ने ट्राइब्लज़ लोागे को पूरा सम्मान का दर्जा दिया और उनकी संस्कृति और कल्चर को प्रिजर्व करने के प्रयत्न किए। आज के प्रधान मंत्री भी हर स्फीयर में चाहे ट्रइब्ल का स्फीयर है, चाहे कोई और स्फीयर है, पूरी तरह से जागरुक है। ये दे ा को पूरी स्पीड से और आफ टेक की स्पीड से 21वीं सदी म ले जाना चाहते है। इन भाब्दो के साथ मै सदन से प्रार्थना करता हूं कि इस प्रस्ताव को पास कर दिया जायें।

Mr. Speaker: Questionis-

That this House ratifies the amendment to the Consitution of India falling within the purview of the proviso to clause (2) of article 368 thereof, proposed to be made by the Consitution (Fifty-third Amendment) Bill, 1984 as passed by the two House of Parliament.

The motion was carried.

Mr. Speaker: The motion has been carried unanimously.

अब हाउस कल प्रातः 9:30 बजे तक के लिए एडजर्न किया जाता है।

13:30 बजे

(तत्प चात सदन बुधवार दिनांक 20 मार्च, 1985 करे प्रातः 9:30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ।)